जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 44 संख्याः 120 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 25 नवम्बर, 2022 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

कहीं पे निगाहें, कहीं पर निशाना

गहलोत ने भला-बुरा पायलट को कहा, पर असल में चुनौती हाई कमान को थी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। हताश और अलग-थलग पड़ चुके अशोक गहलोत ने कांग्रेस नेतृत्व को सीधी चुनौती देकर पार्टी में हलचल मचा दी है। उन्होंने कहाः "यदि मुझे मुख्यमंत्री पद से आस्थिर किया जाता है तो मैं सरकार गिरा दूंगा।"

हाल ही अडानी द्वारा खरीदे गए एन.डी.टी.वी. को दिए एक साक्षात्कार

- पायलट ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, गहलोत बहुत सीनियर व अनुभवी नेता हैं, अतः उन्हें पार्टी के अपने साथियों को भला बुरा कहना छोड़कर पार्टी की गुजरात चुनाव में जीत व भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के लिये काम करना चाहिये।

में उन्होंने यह हमला बोला। अडानी ने राजस्थान में भारी धनराशि का निवेश किया है। सचिन पायलट के लिए गहलोत ने कहा कि वह मुख्यमंत्री कभी नहीं बन सकते क्योंकि वे गद्दार हैं। उनके निष्ठावानों ने भाजपा से धन लिया। उनके साथ सिर्फ 10 विधायक हैं और वे कभी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते और ना जाने क्या-क्या।

उनकी सारी बयानबाजी सचिन पायलट के विरूद्ध थी लेकिन संदेश गांधी परिवार के लिए था जो यह स्पष्ट

क्या मुख्यमंत्री के झल्लाने का कारण राहुल प्रियंका के साथ सचिन की यह फोटो प्रसारित होना है, जिसमें उनकी आपसी नज़दीकी और स्नेह नज़र आ रहा है?

कर चुका है कि उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ना होगा क्योंकि इस पद के लिए उनकी पसंद सचिन पायलट हैं।

सचिन पायलट भारत जोड़ो यात्रा में राहुल और प्रियंका गांधी के साथ चल रहे हैं और गांधी भाई-बहनों के साथ उनके मेलजोल ने अशोक गहलोत के लिए मिर्ची का ही काम किया है। लेकिन कांग्रेस के सूत्र कहते हैं कि अशोक गहलोत की निराशा का एक बड़ा कारण ये है कि करीब-करीब अधिकांश विधायक उनका साथ छोड़ चुके हैं और वह सत्ता से चिपके रहने के भरसक प्रयास कर रहे हैं।

सचिन पायलट ने इस पर यह कहते हुए प्रतिक्रिया दी है कि गहलोत काफी सीनियर और अनुभवी नेता हैं और उन्हें भारत जोड़ो यात्रा की सफलता सुनिश्चित करते हुए गुजरात विधानसभा चुनाव जीतने पर अधिक फोकस करना चाहिए तथा पार्टी के साथियों को भला-बुरा नहीं कहना चाहिए।

कांग्रेस गुजरात विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया में है, जहां गहलोत पार्टी के प्रमुख पर्यवेक्षक हैं।

सूत्र कहते हैं कि सचिन पायलट पर गहलोत का बेलगाम हमला पार्टी की संभावनाओं को नुकसान पहुँचा कर सिर्फ भाजपा की ही मदद कर सकता है, लेकिन सरसरी तौर पर लगता है कि गहलोत किसी की नहीं सुन रहे हैं।

- उनके पायलट विरोधी उद्गार में हाई कमान के लिये मैसेज थाः "अगर मुझे मु.मंत्री पद से अस्थिर किया गया तो, मैं सरकार गिरा दूंगा।"
- जैसा कि, हाई कमान अपनी राय दे चुका है कि, उन्हें मु.मंत्री पद छोड़ना होगा तथा इस पद के लिये सचिन पायलट उनकी "चॉयस" हैं।
- चर्चा है कि, भारत जोड़ो यात्रा में शरीक हुए पायलट की यात्रा के दौरान राहुल गांधी के साथ नज़दीकी व मित्रता की सोशल मीडिया पर प्रसारित फोटो से गहलोत काफी विचलित व कुंठित हुए, अतः अपने इन्टरव्यू में भारी जहर उगला है।
- पर, कांग्रेस के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, कुंठा का मुख्य कारण है, कांग्रेस के अधिकतर विधायक अब पाला बदल चुके हैं तथा उनका साथ छोड़ चुके हैं और अब सत्ता से चिपके रहना उनके लिये और मुश्किल हो रहा है।

हाई कमान को आभास था, भारत जोड़ो यात्रा का अगला चरण सबसे कठिन होगा

पर, गहलोत से खुल्लम-खुल्ला विद्रोह की उम्मीद नहीं थी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। कांग्रेस के केन्द्रीय नेतृत्व को खुली चुनौती देते हुये, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को उस समय एक बड़ा

- राहुल गांधी द्वारा आदिवासी क्षेत्र को दी जा रही तवज्जो से भाजपा भी विचलित सी है तथा हरकत में आयी, और मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री व कुछ अन्य मंत्रियों की मौजूदगी में आदिवासी शहीद टंट्या भील की जन्म स्थली से अपनी यात्रा शुरू की।
- सोशल मीडिया पर भी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान विधायक दिव्या मदेरणा का हाथ पकड़ कर चलने और, माथा चूमने को, गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।
- मु.मंत्री हेमन्त बिस्वा सरमा ने भी राहुल की दाढ़ी पर व्यंगात्मक टिप्पणी की कि, वे "सद्दाम हुसैन" जैसे नज़र आते हैं।

झटका पहुँचाया, जब उन्होंने अपने धुर प्रतिद्वंदी सचिन पायलट, जो पदयात्रा में शामिल हैं, को "गद्दार (ट्रेटर)" कह डाला।

एक समाचार चैनल को दिये गये एक विशेष इन्टरव्यू में गहलोत ने कहा, "हाईकमान उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बना सकती। एक ऐसा आदमी, जिसके पास 10 विधायक भी नहीं है, जिन्होंने बगावत की, उन्होंने पार्टी के साथ विश्वासघात किया, (वे) गद्दार हैं।

तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा महाराष्ट्र में अपनी यात्रा के दौरान भारी जन-समर्थन पाने के बाद, यात्रा का अगला हिस्सा कठिन होगा, यह तो मालूम था, लेकिन पार्टी के रणनीतिकारों को गहलोत की तरफ से इस प्रकार के खुले विद्रोह की उम्मीद नहीं थी। प्रसंगवश बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा कश्मीर तक की कुल 3575 किमी की दूरी में से मोटे तौर पर 2000 किमी की दूरी तय कर चुकी है। इस यात्रा का समापन अगले वर्ष के शुरू में राष्ट्रीय तिरंगे झंडे को फहराये जाने के साथ श्रीनगर में होगा।

अब इसे राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी की दाढ़ी पर ही इतनी टिप्पणियाँ क्यों?

सदा से राजनीतिज्ञ अपना स्टाइल, दाढ़ी और कपड़ों के मार्फत "सिग्नेचर इमेज" बनाते रहे हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जो काली-सफेद दाढ़ी बढ़ा ली है, उसे लेकर जनता में काफी दिलचस्पी है। भाजपा शासित असम के मुख्यमंत्री हेमन्त बिस्वा सरमा के अनुसार राहुल गांधी अब सद्दाम हुसैन के हमशक्ल जैसे लगते हैं, जबकि कांग्रेस के निष्ठावान लोगों का कहना है कि राहुल गांधी को अब "संत राजनेताओं" की श्रेणी में देखा जा सकता है। मां के लाड़ले की छवि से परे, उनकी यह दाढ़ी उनके व्यक्तित्व को निखारती है और एक "पार्ट टाइम"

- प. नेहरू, अचकन व गुलाब का फूल, वी.पी. सिंह अपने "फर की टोपी" पहनते थे व मोदी "डवलपमैंट उन्मुख" मु.मंत्री की छवि को उभारने के लिये डिज़ाइनर कुर्ते व जैकेट पहनने लगे थे।
- प. बंगाल के चुनाव के दौरान मोदी ने खुली लम्बी दाढ़ी रखी थी, तब कटाक्ष हुआ था कि, रविन्द्र नाथ टैगोर जैसा दिखने का प्रयास है।

राजनेता की उनकी पूर्व छवि पीछे छूट रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक, कई राजनेताओं ने समय-समय पर छोटी या बड़ी दाढ़ी रखी है। प्रधानमंत्री की दाढ़ी समय की जरूरत के हिसाब से कई आकार बदल चुकी है। उदाहरण के लिये,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गहलोत की पायलट संबंधी टिप्पणी को खारिज किया जयराम ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। कांग्रेस महासचिव और मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने गुरूवान को राजस्थान के मुख्यमी अशोक गहलोत की सचिन

- कांग्रेस के महासचिव व मुख्य प्रवक्ता ने जयराम रमेश ने कहा कि, दोनों के विवाद को पार्टी के भीतर सुलझा लिया जाएगा।

पायलट के बारे में की गई टिप्पणी को खारिज कर दिया और कहा कि गहलोत वरिष्ठ और अनुभवी राजनेता हैं।

उन्होंने एक बयान में कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मु.मंत्री बड़ा दिल रखें, इस्तीफा दें, अडानी के इशारे पर राहुल की यात्रा को पलीता ना लगाएं-आचार्य प्रमोद

मंत्री गुढ़ा बोले, आलाकमान सी.एल.पी. की बैठक बुलाएं, 80 फीसदी विधायक पायलट के साथ नहीं हुए तो मुख्यमंत्री पद का दावा छोड़ देंगे

जयपुर, 24 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से सचिन पायलट पर लगाए गए आरोपों के बाद पायलट समर्थक और प्रियंका गांधी के नजदीकी आचार्य प्रमोद ने कहा कि अडानी के इशारे पर मुख्यमंत्री को राहुल गांधी की यात्रा को पलीता नहीं लगाना चाहिए। वही मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि 80 फ़ीसदी विधायक यदि आलाकमान के साथ और पायलट के समर्थन में नहीं हो, तो हम अपना दावा छोड़ देंगे। वहीं दूसरी ओर गहलोत समर्थक निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा का दावा है कि 101 विधायक मुख्यमंत्री गहलोत के

- उधर गहलोत समर्थक संयम लोढ़ा बोले, हाथ खड़े करा लो, आज भी 101 विधायक गहलोत के साथ, पूरे 5 साल रहेंगे मुख्यमंत्री।

साथ हैं, और वे पूरे 5 साल मुख्यमंत्री रहेंगे।

मुख्यमंत्री का बयान सामने आने के बाद आचार्य प्रमोद ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बड़ा दिल दिखाते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। वह तो खुद ही कह चुके हैं कि उनका इस्तीफा तो कांग्रेस अध्यक्ष के पास रखा हुआ है। बड़ा दिल रखना चाहिए, सचिन पायलट कांग्रेस की असेट है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत का यह बयान सचिन पायलट के खिलाफ नहीं बल्कि कांग्रेस आलाकमान,राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के भी खिलाफ है।

वहीं पायलट कैंप के मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री भले ही कोई बयान दें,लेकिन अगर कांग्रेस आलाकमान विधायक दल की बैठक बुलाता है और उसमें पायलट के साथ 80 फीसदी विधायक नहीं होते हैं तो हम मुख्यमंत्री पद से अपना दावा छोड़ देंगे। गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत विधायकों की वन टू वन मीटिंग और सीएलपी की बैठक से क्यों घबरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जिन विधायकों पर 10-10 करोड़ रुपए लेने के आरोप लगा रहे हैं तो फिर उन्होंने क्या सोच कर उनमें से 5 विधायकों को अपनी कैबिनेट में मंत्री पद देकर बैठा रखा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कम से कम स्वर्गीय हो चुके भंवर लाल शर्मा का तो ध्यान रखें, जिनके निधन होने पर सरदार शहर सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं। वे यह आरोप लगाकर वह भंवरलाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मु.मंत्री ने श्रीमहावीरजी में महामस्तकाभिषेक समारोह में हिस्सा लिया

करौली / हिण्डौन, 24 नवम्बर (नि.स.) । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश और दुनिया में भगवान महावीर की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। जहां शान्ति और अहिंसा का वातावरण होता है। वहीं ईश्वर का निवास होता है। सारे विश्व के बुद्धिजीवी भारत की पुरातन संस्कृति का सम्मान करते हैं। जिसका मूल कारण इसमें शान्ति और अहिंसा का निहित होना है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरूवार को करौली के महावीरजी में पंचकल्याणक महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक समारोह के दौरान उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंचकल्याणक महोत्सव का झण्डारोहण कर शुभारम्भ करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर की शिक्षाओं से प्रभावित होकर ही महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जिसके पास 10 विधायक नहीं, जिसने बगावत की, जिसे गद्दार नाम दिया गया, उसे कैसे स्वीकार कर सकते हैं'

भारत जोड़ो यात्रा की तैयारी से पहले मुख्यमंत्री गहलोत का सचिन पायलट पर बड़ा हमला

जयपुर, 24 नवम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान आने से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि पायलट को कैसे सीएम बना सकते हैं। जिस आदमी के पास 10 विधायक नहीं हैं, जिसने बगावत की हो, जिसे गद्दार नाम दिया गया है, उसे लोग कैसे स्वीकार कर सकते हैं।

ऐसा बयान देकर गहलोत ने स्पष्ट कर दिया है कि मुख्यमंत्री यदि बदला जाता है, तो भी वह सचिन पायलट को तो किसी भी रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं है। इतना ही नहीं गहलोत ने यह भी कहा कि यदि मुझे मुख्यमंत्री नहीं रखना है, तो किसी नए को बना दो, लेकिन नया व्यक्ति सरकार रिपीट नहीं करा सकता और सचिन पायलट को विधायक स्वीकार नहीं करेंगे। ऐसा कहकर एक तरह से अशोक गहलोत ने यह जताने की कोशिश की है कि उनके अलावा और कोई भी सरकार रिपीट कराने की स्थिति में नहीं है।

दूसरी ओर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ मध्यप्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल सचिन पायलट ने गहलोत के बयान पर कहा कि "वे पहले भी मुझे नाकारा, निकम्मा और गद्दार कह चुके हैं। उन्होंने मुझ पर जो आरोप लगाए हैं, वे बेबुनियाद हैं। ये समय भाजपा से लड़ने का है, ऐसे झूठे आरोप लगाने की जरूरत नहीं है।" सचिन पायलट ने गहलोत के लिए कहा कि "वे पार्टी के अनुभवी नेता हैं, उन्हें इतना असुरक्षित नहीं होना चाहिए। हम आज किसी पद पर है, तो जरूरी नहीं है कि हमेशा रहें। पता नहीं कौन मुख्यमंत्री

- सचिन पायलट का जवाब, वे पार्टी के अनुभवी नेता हैं, उन्हें इतना असुरक्षित नहीं होना चाहिए, हम आज किसी पद पर हैं, तो जरूरी नहीं है कि हमेशा रहें।
- पायलट ने गहलोत के बयान पर कहा, वे पहले भी मुझे नाकारा, निकम्मा और गद्दार कह चुके हैं, उन्होंने मुझ पर जो आरोप लगाए हैं, वे बेबुनियाद हैं।
- गहलोत ने यह भी कहा कि, आज तो मैं ही हूँ यहां पर, हाईकमान के इशारे की छोड़ो, मुझे तो कोई इंडिकेशन नहीं है, मैं हाईकमान के साथ हूँ, पायलट को कोई स्वीकार नहीं करेगा।
- गहलोत ने कहा कि, मानेसर जाकर आने के बाद यदि वो माफी मांग लेते तो मुझे माफी नहीं मांगनी पड़ती, 25 सितम्बर की घटना भी नहीं होती।
- राजस्थान में 25 सितम्बर की घटना को लेकर भी गहलोत ने सचिन पायलट के सिर ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि, 25 सितम्बर को पायलट की वजह से माहौल बिगड़ा।

को ऐसी सलाह दे रहा है।" वहीं गहलोत के इस बयान पर पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने भी कहा कि युवा साथी सचिन पायलट और अशोक गहलोत के मतभेद सुलझा लिए जाएंगे और इससे कांग्रेस मजबूत होगी, फिलहाल भारत जोड़ो यात्रा को सफल बनाना ही सबका लक्ष्य है।

इससे पहले गहलोत ने एक राष्ट्रीय हिंदी चैनल से बात करते हुए कहा कि "जिसके कारण हम 34 दिन होटलों में बैठे रहे, ये सरकार गिरा रहे थे, अमित शाह भी शामिल थे। धर्मेंद्र प्रधान भी शामिल थे। जो आदमी गद्दारी कर चुका है, उसे हमारे एमएलए और मैंने खुद भुगता है, 34 दिन तक होटलों में रहे हैं, उनको वे कैसे स्वीकार करेंगे ? मुख्यमंत्री रहने के सवाल पर गहलोत ने कहा कि आज तो मैं ही हूं यहां पर। हाईकमान के इशारे की छोड़ो, मुझे तो कोई इंडिकेशन नहीं है। मैं हाईकमान के साथ हूं। पायलट को कोई स्वीकार ही नहीं करेगा।"

गहलोत ने कहा कि "हाईकमान राजस्थान के साथ न्याय करेगा। सितंबर की बातें हैं। अजय माकन और हाईकमान को अपनी फीलिंग बता चुका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सचिन पायलट आई लव यू' के नारे लगे

करौली, 24 नवम्बर (नि.स.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरूवार को करौली दौरे पर रहे । इस दौरान श्री महावीरजी में पंचकल्याणक

- श्री महावीरजी महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम में शामिल होकर जब मुख्यमंत्री हैलीपैड की तरफ लौट रहे थे तब भारी संख्या में युवाओं ने सचिन पायलट आई लव यू और मुख्यमंत्री मुर्दाबाद के नारे लगाए।

महोत्सव महामस्तकाअभिषेक का आगाज किया।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से लौटते वक्त स्थानीय गुर्जर समाज के युवाओं ने मुख्यमंत्री मुर्दाबाद के नारे लगाए। जब वह कार्यक्रम से हेलीपैड के लिए निकल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दया और सत्यता परस्पर मिलते हैं, धर्म और शांति एक-दूसरे का साथ देतें हैं। –बाइबल

प्रेस कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया ने मीडिया की स्वतंत्रता हेतु श्री अशोक गहलोत के बयान पर क्यों प्रहार किया?

दिनांक 15.11.2022 के आदेश में जो प्रेस कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया ने, राकेश शर्मा पूर्व पीसीआई सदस्य की लिखित शिकायत पर अपने विवेक से स्वज्ञान से कार्यवाही की है, उसमें अशोक गहलोत मुख्यमंत्री राजस्थान राज्य की टिप्पणी जो उन्होंने दिनांक 16.12.2019 की एक प्रेस कॉन्फरेन्स में, प्रेस के बारे में की थी तथा उस पर गम्भीर नाराजगी जताई थी। श्री गहलोत की वह टिप्पणी खुली धमकी थी कि सरकार उन अखबारों को ही विज्ञापन जारी करेगी जो सरकार की रीति रिवाज व कामकाज को पूरे विश्वास से प्रसारित व प्रचारित करते हैं। यह धमकी अखबारों की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार था। यहां यह लिखना समीचीन होगा कि लगभग 3 वर्षों से राष्ट्रदूत, जो राज्य का एक प्रमुख अखबार है को अपने अनुकूल खबरें प्रकाशित नहीं करने के कारण राष्ट्रदूत को सरकार ने विज्ञापन देना बंद कर दिया।

'राष्ट्रदूत' राजस्थान का तीसरा सर्वाधिक सर्कुलेशन वाला दैनिक समाचार पत्र है। इसके आठ संस्करण प्रकाशित होते हैं। राष्ट्रदूत को राज्य के विभागों, बोर्ड व निकायों से इनके विज्ञापन मिलते थे, अब नहीं मिलने के कारण वह 9वें स्थान पर आ गया है।

श्री अशोक गहलोत ने मीडिया में जो बयान दिया वह इस प्रकार था कि हमारी यानी अशोक गहलोत सरकार की न्यूज छापेंगे तो ही विज्ञापन मिलेगा।

इस प्रकरण में पीसीआई ने सभी संबंधित व्यक्तियों को नोटिस किया, सरकार का स्पष्टीकरण भी लिया। राज्य की विज्ञापन पोलिसी का भी विश्लेषण किया। सभी के उत्तर भी लेने का प्रयास किया। वीडियो भी सुना। विज्ञापनों के बाबत राज्य के एकाउन्ट को भी मंगवाया किन्तु बार बार कहने पर नहीं भेजे। एक जांच कमेटी भी बनाई और रिपोर्ट को फाइल का भाग बनाया। यह भी आपत्ति उठाई कि पीसीआई को सुनवाई का अधिकार नहीं है। प्रेस काउन्सिल ऑफ इण्डिया ने सभी पक्षों को सुनने के बाद तथा प्रेस कॉउन्सिल एक्ट 1978 की भी भावना को समझने का प्रयास किया, अपनी findings दीं, वे इस प्रकार हैं:–

1) Curtailing the amount of advertisement released to a newspaper would impact free speech as advertisements themselves, supplement the cost of publishing the newspaper.

2) Rajasthan CM Ashok Gehlot's statement that his government would only give advertisement to media that report "positive stories about the State Government and cited "extreme displeasure" at its advertisement policy that allegedly discriminated against a news paper for these years.

3) The statements made by the CM, "would restrict the supply and dissamination of news of public interest.

Final decision:

4) "The Press Council on consideration or record of the case and report of the Inqiry Committee accepts reasons, findings and adopts the report of the Committee and decides to express the extreme displeasure about the statement in question made by the Chief Minister of Rajasthan, Shri Ashok Gehlot and disposes of the matter accordingly with aforesaid observations."

इस केस के तथ्यों के बाबत कोई मतभेद नहीं है। इन तथ्यों की पृष्ठभूमि में हम समझने का प्रयास करेंगे कि क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मूल अधिकार नागरिकों और प्रेस (मीडिया) को समान रूप से प्राप्त है?

भारत के संविधान ने अपनी उद्देशिका में देश के प्रत्येक नागरिक को विचार व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है और संविधान ने अनुच्छेद 19 में वाक स्वातंत्रय और अभिव्यक्ति स्वातंत्रय का संरक्षण किया है। प्रेस की स्वतंत्रता का उद्भव भी अनुच्छेद 19(1) से ही है यों अनुच्छेद 19 भी अनुच्छेद 21 का ही एक रूप है।

साधारण आदमी की जहाँ पहुँच नहीं वहाँ प्रेस पहुँच सकता है, उसे प्रेस गेलेरी का अधिकार है। प्रेस को यह अधिकार प्राप्त है और इसलिये प्राप्त है कि मीडिया की भूमिका ट्रस्टी के रूप में है। मीडिया, जनता की आँख व कान होते हैं, अतः मीडिया का कार्य जनता के लिये जानकारी उपलब्ध कराना और प्रकाशित करने का है।

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के प्रथम संविधान संशोधन के द्वारा द्वारा वहां के नागरिकों को मुक्त अभिव्यक्ति व धर्म की स्वतंत्रता प्रदान की है। अनुच्छेद 19(1) (क) में वाक स्वातंत्रय व अभिव्यक्त स्वतंत्रता और अनुच्छेद 19(2) में उन्हें सीमित किया है, क्योंकि अनियमित स्वतंत्रता या प्रेस की निरंकुश स्वतंत्रतः पब्लिक ऑर्डर के लिये संकट पैदा कर सकती है। अतः अनुच्छेद 19(1) के अधिकारों में लोक व्यवस्था, देश की प्रभुता व अखण्डता व सदाचार के हितों में इस पर संविधान में युक्तियुक्त प्रतिबंध है वे अनुच्छेद 19(2) में दिये गये हैं।

इंग्लिश कॉमन लॉ हेरिटेज से देश ने खुली अदालत की प्रणाली को अपनाया है ताकि मीडिया कोर्ट की कार्यवाही को रिपोर्ट कर सके। इस प्रकार मीडिया सार्वजनिक सेवा का ही कार्य करता है और जानकारी जनजन तक पहुंचाता है। पत्रकार व प्रेस मीडिया व इलेक्ट्रोनिक मीडिया का यह कर्त्तव्य है कि सही रिपोर्टिंग करें।

यदि हम सिद्धान्त के रूप से देखें तो यह पायेंगे कि व्यक्ति के अभिव्यक्ति के अधिकार और प्रेस के अधिकार में कोई अन्तर नहीं है। हाँ प्रेक्टिस में अन्तर है। साधारण आदमी की जहाँ पहुँच नहीं वहाँ प्रेस पहुँच सकता है, उसे प्रेस गेलेरी का अधिकार है। प्रेस को यह अधिकार प्राप्त है और इसलिये प्राप्त है कि मीडिया की भूमिका ट्रस्टी के रूप में है। मीडिया, जनता की आँख व कान होते हैं, अतः मीडिया का कार्य जनता के लिये जानकारी उपलब्ध कराना और प्रकाशित करने का है। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया को सरोगेट ऑफ पब्लिक माना है। ट्रस्टी की भूमिका तथा जनता के प्रति कर्त्तव्यनिष्ठा को ध्यान में रखें तो मीडिया को स्टेट की परिभाषा में भी माना जा सकता है। सम्भवतः यही कारण है कि मीडिया को डेमोक्रेसी का चौथा स्तम्भ माना गया है। यह एक Statutory Body है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के कई रूप हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचारों, विश्वासों और दृढ़ निश्चयों को अबाध रूप से मौखिक शब्दों के द्वारा लेखन, मुद्रण व चित्रण के द्वारा अभिव्यक्त करने का अधिकार है वह इस बाबत स्वतंत्र है, किन्तु वह निरंकुश भी नहीं हो सकता। पत्रकार प्रशान्त कनौजिया के केस में न्यायालय ने लक्ष्मण रेखा खींची है।

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के प्रथम संविधान संशोधन के द्वारा वहां के नागरिकों को मुक्त अभिव्यक्ति व धर्म की स्वतंत्रता प्रदान की है, किन्तु भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मुक्त अभिव्यक्ति न मानकर इस अधिकार के प्रयोग पर युक्तियुक्त प्रतिबंध आरोपित कर दिये, साथ ही स्पष्ट कर दिया कि प्रतिबंध युक्तियुक्त हो। प्रतिबंध युक्तियुक्त है या नहीं, इसे प्रमाणित करने का दायित्व राज्य का है। सर्वोच्च न्यायालय स्पष्ट करते हुये कहा कि "अधिक अच्छा होगा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हित वृहत्तर सामाजिक हितों के अधीन हो"।

प्रेस कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया ने अपने आदेश में इस तथ्य को माना है कि वस्तुतः तीन सालों में कटौती के कारण समाचार पत्र राष्ट्रदूत की आय में कमी आई है और श्री अशोक गहलोत "Guilty of Bias" है। कई अखबारों ने आलोचना की है। The Economic Times of India व Times of India ने श्री अशोक गहलोत को Guilty of Bias कहा है। News Drum का उल्लेख करते हुये कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया ने कहा है कि राष्ट्रदूत को विज्ञापन की राशि की कटौती कर उसकी आर्थिक स्थिति को कमजोर किया है और उनके इस Discriminatory व्यवहार के लिये Extreme Displeasure जाहिर किया है। इस तरह गहलोत सरकार ने जनता को राजनैतिक समाचारों से वंचित किया है। कई समाचार पत्रों ने प्रेस कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया के आदेश को रेफर किया है। The Hindu ने श्री अशोक गहलोत के इस कथन को कि हम केवल उन्हीं न्यूज पेपरों को विज्ञापन देंगे जो राज्य की स्कीमस् का प्रचार करें"। टीवी चेनलस् ने भी गहलोत के विचारों के विरूद्ध कठोर प्रतिक्रिया दी है।

राज्य सरकार व श्री गहलोत का यह कथन की प्रेस कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया को इस प्रकरण को सुनने का अधिकार नहीं है, प्रेस कॉउन्सिल ने सही नहीं माना। प्रेस कॉउन्सिल ऑफ इण्डिया के समक्ष राज्य सरकार की ओर से Advertisement Policy पेश की गई है। स्टेट की प्ली है कि उसने कोई भेदभाव नहीं किया। स्टेट ने पत्र दिनांक 12.08.2022 के साथ एक Annexure की ओर प्रेस कॉउन्सिल का ध्यान आकर्षित कर कहा है कि स्टेट द्वारा कोई भेदभाव नहीं है। काउन्सिल ने स्पष्ट किया कि Annexure में कोई भेदभाव करने का उल्लेख ही नहीं है।

सरकार के पब्लिक रिलेशन आफिसर ने दिनांक 24.03.2021 का पत्र (ई-मेल) प्रस्तुत किया, जिसमें प्रेस काउन्सिल एक्ट का उल्लेख कर कहा गया है, इसमें प्रेस काउन्सिल को Censure का अधिकार नहीं है। इस आपत्ति को भी प्रेस काउन्सिल ऑफ इण्डिया ने निरस्त किया है। ये सभी कथन प्रेस काउन्सिल की दिनांक 15.11.2022 के आदेश में विस्तार के साथ दिये हैं, जांच कमेटी की रिपोर्ट भी रेकार्ड पर ली है अतः इस लेख में उन्हें विस्तार नहीं दिया है।

सरकार की ओर से जो उत्तर चीफ सेक्रेटरी, आईएण्डपीआरडी ने पेश किया है, उसमें यह लिखा है कि मुख्यमंत्री हमेशा प्रेस की स्वतंत्रता के पेरोकार रहे हैं और प्रेस काउन्सिल ऑफ इण्डिया ने श्री गहलोत द्वारा प्रेस के बाबत जो उद्‌गार अभिव्यक्त किये, 'भारी नाराजगी' जताई है। श्री गहलोत ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि "न्यूज छापोगे तो ही विज्ञापन मिलेंगे" मीडिया को यह खुली चुनौती थी कि "सरकार उन्हीं अखबारों को विज्ञापन देगी जो सरकार की रीति-नीति के बारे में उसके पक्ष में प्रचार प्रसार करेंगे"। इसी को जांच रिपोर्ट में भेदभाव पूर्ण व्यवहार कहा है और Observe किया है कि भविष्य में इस प्रकार के विचारों से दूरी बनायें आदेश की गम्भीरता इसी से उजागर है कि सभी समाचार पत्रों ने एक स्वर से प्रेस काउन्सिल के आदेश का समर्थन किया है।

प्रेस की स्वतंत्रता पर जो उसे संविधान से प्राप्त है यह गम्भीर प्रहार की असाधारण घटना है। कॉउन्सिल ने सलाह दी है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से किनारा किया जावे, क्योंकि प्रेस पर विशेष कर प्रिन्ट मीडिया पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

जी-20 : विश्वास और विश्वसनीयता का नया भारत

डॉ. निमिषा गौड़

विश्व एक है के उद्‌घोष से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 की अध्यक्षता को ग्रहण किया है। विश्व के 20 राष्ट्रों के शिखर सम्मेलन में रिकवर टुगेदर - रिकवर स्ट्रोंगर के चिन्तन से खाद्य-उर्वरक, जलवायु, पर्यावरण, ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल ट्रांसपेरेंसी जैसे ज्वलंत वैश्विक चिंतन के विषयों पर निर्भिकता से प्रधानमंत्री ने शिखर सम्मेलन में अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, चीन के प्रमुख महाशक्तियों को उद्‌बोधन के माध्यम से आगाह किया।

'युद्ध के युग' को समाप्त कर 'वसुधैव कुटुम्बकम' की प्रेरणा से विश्व को एकजुट रखना आज की प्राथमिकता है। दुनिया को संकट से उबारने के लिए भारत का राष्ट्रीय पुष्प कमल 'एक विश्व, एक परिवार, एक भविष्य' की आशा से विपरीत परिस्थितियों में उबर कर कमल के स्वरूप में खिलते रहने की प्रेरणा देता है। पिछले 11 महीनों से चल रहे रूस, यूक्रेन युद्ध ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की कई समस्याओं को बढ़ाया है। जी-20 के मंच पर भारत के प्रधान सेवक ने संयुक्त राष्ट्रसंघ की युद्ध को रोकने के प्रयासों की विफलता को निर्भिकता से सामने रखा।

दो विश्व युद्धों के विनाशकारी परिणामों को झेल चुके 193 से अधिक देशों ने संयुक्त राष्ट्र संघ पर संभावित युद्धों के संवाद से समाधान का मंच वर्ष 1945 में प्रदान किया था। किन्तु महासभा और सुरक्षा परिषद के मध्य पर्याप्त विचार-विमर्श के बावजूद भी यह लड़ाई जारी है। तालीबान की कबायली बगावत का कोई समाधान नहीं हो सका। श्रीलंका के राष्ट्राध्यक्ष भवन को भीड़ ने घेरा, पाकिस्तान की सेना और सरकार के मध्य तनाव के बावजूद आतंकवाद परमाणु आक्रमण की चेतावनी यदा-कदा गीदड़ भभकी जारी है। ऐसे ग्लोबल विश्व में कोरोना के संकट से उबरे राष्ट्रों को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर अनेकानेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन परिस्थितियों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्वस्त होकर कहा कि यह पहली या तीसरी दुनिया नहीं है, सम्पूर्ण विश्व एक है जिसके सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी विकास के सामूहिक प्रयास करने होंगे।

एशिया के शोध संस्थान मार्गन स्टेनली के मुखिया चेतन अहा ने पर्याप्त शोध कर भविष्यवाणी की है कि वर्ष 2027 तक भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगी जो कि अमेरिका और चीन के बाद प्रमुखतः विदेशी निवेशकों का महत्वपूर्ण केन्द्र बन जायेगा। भारत की जीडीपी आने वाले दस वर्षों में वर्तमान 3.4 ट्रिलियन डालर से 8.5 ट्रिलियन डालर तक दुगुनी से अधिक हो जायेगी।

जिस भारत को विश्व की उभरती अर्थव्यवस्था माना जा रहा है उस भारत के द्वारा जी-20 के नेतृत्व ने विकसित राष्ट्रों को भारत की बढ़ती महत्ता का परिचय करवाया है। प्रधानमंत्री ने इण्डोनेशिया के बाली में कहा कि दुनिया का विकास भारत को साथ लेकर चलने से ही होगा। भारत की विशालता में सांस्कृतिक, कला, नवाचार, कर्मठता, ईमानदारी सभी का समावेश है।

वर्ष 2014 के बाद से बदलते भारत के परिवेश में जरूरतमंद देशों को सम्पर्क-सहायता सहयोग से मजबूत दूरदर्शिता का परिचय करवाया। अब नया भारत स्पीड और स्कील से 21वीं सदी में मजबूत स्थान ग्रहण कर रहा है। भारतीय नागरिकों को निःशुल्क वेक्सीनेशन के साथ-साथ आवश्यकतानुसार खाद्यान और दवाईयां भी उपलब्ध करवाई गई।

आज आत्मविश्वास से भरे भारत में 135 करोड़ देशवासियों के विश्वास और विश्वसनीयता ने वैश्विक मंच पर सम्मान हासिल किया है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में जिस स्पीड से विज्ञान और तकनीकी को नियमित दिनचर्या के जीवन में शामिल किया है, यह अभूतपूर्व है।

सरकार की आम जन तक पहुंच न केवल सुनिश्चित हो सकी है अपितु प्रशासन में पारदर्शिता व जवाबदेहिता ने तंत्र के प्रति लोक की प्रतिबद्धता को स्वीकारा है। इस बदलते परिवेश में शासकीय नीतियों की कथनी और करनी की खाई के युग को समाप्ति की ओर ले गया है।

हाल ही के वित्त वर्ष में नवम्बर तक 10.54 लाख करोड़ रूपये प्रत्यक्ष कर संग्रहण किया है जो भारत की डिजिटल लेन-देन से बढ़ती पारदर्शी अर्थव्यवस्था को परिलक्षित कर रहा है। भारतीय अर्थ के उच्च स्तरीय पैमाने को ख्याति प्राप्त अर्थशास्त्री भी सराह रहे हैं। गांव की सब्जी बेचने वाले, या नियमित रोजगार से जीवन व्यापन करने वालों से लेकर बहुआयामी व्यापारियों तक की जीवनचर्या में डिजिटल लेन-देन अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। भारत सरकार के इस अभूतपूर्व दूरदर्शी कदम की सराहना जी-20 शिखर सम्मेलन में अध्यक्षता ग्रहण करते समय मिली जिसमें भारत को डिजिटल अभियान के आगाज में तेजी से बदलाव के कारण डिजिटल क्रांति की ध्रुव स्थिति में पाया। जी-20 की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य विकासशील देशों की आवाज बनने का आगाज करते हुए कहा कि ग्लोबल ग्रोथ के लिए भारत की ऊर्जा सुरक्षा के प्रयास भी महत्वपूर्ण है। इस विश्वसनीयता के परिणामस्वरूप नवम्बर 2022 तक भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार 544.72 अरब डॉलर के अब तक के ऐतिहासिक रिकार्ड स्तर पर आया है। आज भारतीय स्टार्टअप का डंका भी दुनिया में बजने लगा है जिससे आई.टी. शिक्षा, स्वाथ्य सेवा, कृषि सहित अनेक औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। हाल ही में वृद्धजनों एवं विकलांग बुजुर्गों को सीधी पेंशन देने के लिए 20 दिनों में 25 लाख डिजिटल लाईफ प्रमाण पत्रों को फोटोमय प्रमाणिकता के साथ बनाया गया। अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन फाइनर ने जी-20 शिखर सम्मेलन के डिक्लेरेशन संयुक्त बयान में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बॉइडन की भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति वैश्विक विश्वसनीयता को स्वीकारने हुए वैश्विक मुद्दों पर भारत से उम्मीदें रखने के लिए प्रतिबद्धता भी जताई। आज जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने वाले भारत की सहज विकासमान गति को वैश्विक प्रेरक स्वरूप में सामूहिक विकास का आदर्श प्रतिमान मानकर आगे बढ़ा जाएगा। विश्व के शक्तिशाली देशों के मध्य युद्ध के अन्तर्द्वन्द्व को भारत का अन्त्योदय दर्शन रोक सकता है। अब विनाश नहीं विकास से दुनिया को एकजुट कर नया भारत, नई दुनिया के नवीन प्रतिमानों को गढ़ेगा। दिसम्बर 2022 से भारतवासी जी-20 के राष्ट्राध्यक्षों की मेजबानी देश के विभिन्न राज्यों की सनातन सांस्कृतिक विविधताओं और परम्पराओं की समृद्धि के साथ करेंगे।

जी-20 के अद्‌भुत स्वागत को आतुर है विश्व गुरु भारत।

–डॉ. निमिषा गौड़,
(शिक्षाविद, स्वतंत्र टिप्पणीकार)

अलवर राज्य के संस्थापकः रावराजा प्रतापसिंह

डॉ. डी. सी. मीना

राजा विराट के पिता वेणू ने मत्स्यपुरी नामक नगर बसाया जो वर्तमान में माचाड़ी के नाम से प्रसिद्ध है। उसके बाद राजा विराट ने बैराठ नामक नगर की स्थापना की थी। इस प्रकार ऐतिहासिक दृष्टि से अलवर राज्य प्रागैतिहासिक कालीन राज्य है।

महाजनपद काल में यह क्षेत्र मत्स्य महाजनपद के अन्तर्गत आता था जिसकी राजधानी विराटनगर थी जो बाद में मौर्य साम्राज्य के अधीन भी रहा। पूर्व मध्यकाल में यह क्षेत्र गुर्जर प्रतिहारों के अधीन रहा जिनका मुख्यालय राजौरगढ था, जहां महाराजाधिराज श्री सावट तथा मथनदेव प्रमुख राजा हुए। जिनकी प्राचीन राजधानी देवती थी। 14-15 वीं सदी में यहां पर बडगुर्जर राजाओं का राज्य रहा जिसकी राजधानी माचाडी थी। तत्कालीन माचाड़ी राज्य में चंपना देवी एवं प्रला देवी नाम प्रमुख रानीयों का शासन में प्रभाव रहा। सन 1482 ई. में अलावल खां खानजादा ने अलवर का किला निकुंभ क्षित्रयों से छीनकर उसे अपना मुख्यालय बनाया था। अलावल खां का पुत्र हसन खां मेवाती बड़ा ही वीर, प्रतापी, विद्याप्रेमी और देषप्रेमी था, जिसने मुगल बादशाह बाबर के खिलाफ राणा सांगा का सहयोग किया जो बाबर की सेना से लड़ते हुए 17 मार्च, 1527 को वीरगति को प्राप्त हुआ। राणा सांगा पर विजय प्राप्त करने के उपरान्त बाबर ने 7 अप्रेल, 1527 को अलवर में प्रवेश किया। बाबर ने मेवातियों के साथ में वैवाहिक सम्बंध स्थापित कर उठा मेवातियों को नियंत्रित करने की रणनीति अपनायी। इस प्रकार मेवात पर मुगलों का अधिकार हो गया। सन16वीं शताब्दी में माचाडी के हेमू ने मुगलों को परास्त कर दिल्ली पर अधिकार किया तथा विक्रमादित्य की उपाधि धारण कर दिल्ली के सम्राट बने जिनको पानीपत के द्वितीय युद्व में घायल होने पर मुगलों द्वारा बन्दी बना लिया गया। बाद में उनको मृत्युदण्ड दिया गया। अकबर ने प्रशासनिक दृष्टि से मेवात को दो जिलों अलवर और तिजारा में विभक्त किया। सन् 1761ई. में जब दिल्ली के मुगल शासक कमजोर हो गये तो भरतपुर के शासक सूरजमल जाट ने अलवर दुर्ग पर कब्जा कर लिया।

राव प्रतापसिंह का उदय ऐसे समय हुआ जब 18वीं शताब्दी एवं मुगल साम्राज्य दोनों का उतरार्द्ध का समय था तथा विभिन्न धर्मों एवं जातियों के साहसी लोग विघटित साम्राज्य के खंडहरों पर अपने लिए प्रभुत्व एवं भाग्य बनाने का प्रयास कर रहे थे।

25 नवम्बर, 1775 ई. में रावराजा प्रतापसिंह द्वारा अलवर राज्य की स्थापना से पूर्व भौगोलिक दृष्टि से यह क्षेत्र निम्नलिखित पाँच देशों में विभक्त था–

1. **राठ देशः** राज्य की उत्तरी - पश्चिम में स्थित है, जो दिल्ली के प्रसिद्ध राजा पृथ्वीराज का वंशज होने का दावा करते हैं। चौहान राजपूत मदन ने सन 1170 ई. में मुण्डावर की स्थापना की। उनके वंशज हंसाजी ने राव की उपाधि प्राप्त की।

2. **वाल देशः-** अलवर राज्य की पश्चिमी सीमा पर स्थित है और मुख्य रूप से शेखावत राजपूतों के कब्जे में था। कहा जाता है कि शेख जी के पुत्र रायमल इस राज्य (वर्तमान बानसूर क्षेत्र) में वाल परिवारों के पिता थे। इसका क्षेत्रफल 226 वर्गमील था।

3. **राजावत देशः-** राज्य के दक्षिण-पश्चिमी में स्थित यह क्षेत्र वर्तमान थानागाजी क्षेत्र से मेल खाता है। भानगढ़ यहां का सबसे बड़ा शहर था। एक समय यहां जयपुर के राजावत राजपूतों के कब्जे में क्षेत्र का एक हिस्सा रहा, वे आमेर के राजा भगवंत सिंह के वंशज थे। इसका क्षेत्रफल 365 वर्गमील था।

4. **मेवातः-** नरू खण्ड को छोडकर राज्य का शेष भाग मेवात में है, जिसमें आधे से अधिक क्षेत्र शामिल हैं। अलवर नगर इसी क्षेत्र में स्थित है। यहां के अधिकांश निवासी मेव हैं, वे मुसलमान हैं, लेकिन राजपूत मूल के होने का दावा करते हैं। मेवो के कबीले में सबसे अधिक नाई, सिंगल और दूलौत हैं। इसका क्षेत्रफल 1160 वर्गमील था। एक मेवाती कवि ने मेवात की भौगोलिक स्थिति का निम्न शब्दों में वर्णन किया है:-

"इत दिल्ली, उत आगरो, इत अलवर बैराठ,
कालो पहाड़ सुहावनों, जाके बीच बसो मेवात।"

5. **नरूखण्डः-** यह क्षेत्र नरूका राजपूतो का देश राज्य के दक्षिण-पूर्व में स्थित है। नरूका राजपूतों ने राज्य के आधार का निर्माण कर अलवर राज्य की स्थापना की। इसका क्षेत्रफल 755 वर्गमील था।

अलवर राज्य के राजा कच्छवाहा राजवंश की लालावत नरूका शाखा के हैं। अलवर के नरेश आमेर के चौदहवें राजा राव उदयकरण के ज्येष्ठ पुत्र बरसिंह के वंशज हैं। वरसिंह के पौत्र नरू से नरूका शाखा चली और नरू के पुत्र राव लाला से लालावत नरूका कहलाये।

इनके वंशज कल्याण सिंह ने मिर्जा राजा जयसिंह के पुत्र कीर्ति सिंह के साथ मिलकर कामां (भरतपुर) के उपद्रवी मेवों का दमन किया। एक स्थानीय किवदन्ती उस कारण से संबंधित है जिसने कल्याणसिंह को माचाड़ी लौटने के लिए प्रेरित किया। ऐसा कहते हैं कि उन्होने सती होने से ठीक पहले खेरात सिंह की विधवा से निर्देश मांगा जिसने सती होने से ठीक पहले उत्तर दिया किः-

"जाओ बस, अब देश में, राव कल्याणजी आप,
आगे कुल में होंगें, प्रताप एक प्रताप।"

कल्याण सिंह के पांच पुत्रों में आनन्द सिंह माचाडी के, श्याम सिंह पाडा के, जोधसिंह पाई के, अमर सिंह खोहरा के एवं ईश्वरी सिंह पलवा के जागीरदार बने।

माचाडी के जागीरदार आनन्द सिंह (उठासिंह) के बाद हाथीसिंह, मुकन्द सिंह व तेजसिंह माचाड़ी की गद्दी पर बैठे। तेजसिंह के दो पुत्र हुए, जोरावर सिंह एवं जालिम सिंह। जोरावर सिंह के पुत्र मौहब्बत सिंह माचाडी के जागीरदार बने, जो 1756 में बरवाड़े के युद्ध में जयपुर की ओर से लडते हुए वीरगति को प्राप्त हुआ। मौहब्बत सिंह की मृत्यु के बाद इनके पुत्र प्रतापसिंह माचाड़ी के जागीरदार बने। प्रताप सिंह का जन्म माचाडी में 01 जून 1740 को मौहब्बत सिंह एवं उनकी रानी बख्तकंवर के घर हुआ। पिता की मृत्यु के बाद प्रतापसिंह को एकमात्र जन्मसिद्ध अधिकार के रूप में उल्वर क्षेत्र के नरूखंड में ढाई गांव विरासत में मिले और उन्हे तब तक "अढाई गांव का ठाकुर" कहा जाता था। प्रतापसिंह की ऊर्जा, अभिव्यक्ति, शारीरिक शक्ति एवं व्यक्तिगत चरित्र ने उन्हे आमेर दरबार में एक प्रमुख व्यक्ति बना दिया। जयपुर दरबार में राजा के दाहिनी ओर (प्रथम सीट) बैठने को लेकर प्रताप सिंह का चौमूं के ठाकुर जोधसिंह से विवाद हो गया। विवाद को शांत करने के लिए राजा द्वारा आदेश पारित किया गया कि एक दिन राव प्रताव सिंह एवं दूसरे दिन जोधसिंह उसी स्थान पर बैठेंगे लेकिन राव प्रताव सिंह चौमूं के ठाकुर जोधसिंह की आखों में खटकने लगे। प्रतापसिंह ने सर्वप्रथम अपने मुखिया के आदेश की पालना करते हुए उनियारा के अशांत नरूकाओं को शांत करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। यहीं से आमेर प्रमुख और प्रतापसिंह के बीच भय एवं अविसश्वास की शुरूआत हुई।

गंगाधर तांतिया के नेतृत्व में रणथम्भौर के किले पर मराठों ने चढाई कर दी तब प्रतापसिंह ने बड़ी वीरता दिखाते हुए 18 नवम्बर, 1759 को काकोड के युद्व में मराठों को हरा दिया तथा रणथम्भोर पर महाराजा माधोसिंह का अधिकार हो गया। रणथम्भौर विजय के बाद प्रतापसिंह की प्रसिद्वि बहुत बढ़ गई। राजा माधोसिंह को ज्योतिषियों एवं कुछ दरबारियों ने भडका दिया जिससे राजा माधोसिंह ने शिकार करने के बहाने प्रताप सिंह पर हमला कर दिया, लेकिन प्रताप सिंह बाल-बाल बच गये। प्रताप सिंह ने जान बचाने के लिए इस क्षेत्र को छोडना ही उचित समझा एवं राजगढ चले गये। माचाड़ी के राव प्रतापसिंह ने इन सभी परिस्थितियों को बहुत ही चतुराई से अपने लिए अनुकूल बनाया। बाद में महाराजा जवाहर सिंह के शिविर को छोड़कर अलवर की ओर से जयपुर जाकर मावंडा और मंडोली के युद्ध में प्रतापसिंह ने जयपुर नरेश का साथ दिया एवं युद्व में जीत जयपुर नरेश की हुई। प्रतापसिंह के लिए यह युद्ध पूरी तरह साकार हुआ। जयपुर नरेश माधोसिंह ने पहले तो इस जीत की खुशी में उन्हें न केवल अपनी पिछली गलतियों के लिए क्षमा किया गया, बल्कि माचाड़ी की जागीर को बहाल कर दिया और राजा शब्द को उनके पूर्व शीर्षक के साथ जोड़ने का समर्थन किया तथा राजगढ़ में किला बनाने की अनुमति दी। जयपुर में माधोसिंह की मृत्यु के बाद हुए विकार में उसने टहला, राजपुर, प्रतापगढ, अजबगढ और गाजी का थाना पर कब्जा कर लिया। अलवर की चौकी का वेतन जो उस समय भरतपुर वहन करता था, राज्य में प्रचलित अराजकता के कारण बकाया था। इसके कमाण्डर फौजदार नवलसिंह ने टहला में प्रतापसिंह से मुलाकात कर आपसी वार्तालाप से 25 नवम्बर, 1775 को अलवर को सौंप दिया। इस प्रकार अलवर रियासत का एक स्वतंत्र राज्य के रूप में उदय हुआ। प्रताप सिंह की मृत्यु जनवरी 1791 ई. को हुई। प्रतापसिंह के कोई संतान नहीं थी। अतः उसने मृत्यु के पहले थाना के ज़ागीरदार धीरसिंह के पुत्र बख्तावरसिंह को गोद लेकर उसे अपना उत्तराधिकारी बना दिया था। अपने उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए उसने 12 कोटड़ियों के लड़कों को इकट्ठा किया। उनके सामने विभिन्न प्रकार के खिलौने व अस्त्र-शस्त्र रख दिये और उन्हे अपनी पसन्द की वस्तुए लेने को कहा गया। बख्तावरसिंह ने तब और बालकों की भांति खिलौने पसन्द न कर ढाल-तलवार पसन्द की। अतः प्रतापसिंह ने रक्त संबंध में निकटता की बजाय योग्यता के आधार पर बख्तावरसिंह को अपना उत्तराधिकारी चुना।

बख्तावरसिंह ने भी रावराजा प्रतापसिंह की विलय नीति का पालन किया। सन् 1803 में लासवाड़ी की लड़ाई में मराठों के खिलाफ अंग्रेज जनरल लार्डलेक की मदद की थी। इसके बाद में राज्य का उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में राठ का परगना, हरियाणा तथा मेवात के कुछ हिस्से अलवर राज्य को मिल गये। पुनः 28 नवम्बर 1803 की एक सनद द्वारा परगना इस्माइलपुर और मुंडावर तथा सूबा शाहजहांपुर में से दरबारपुर, रताई, नीमराणा, मांढन, धीलोट, बीजवाड, सराय, दादरी, लोहारू, बूडलाव और भौंकर अलवर राज्य को मैत्री स्वरूप दिये गये। 15 अक्टूबर सन् 1805 में अंठोजों एवं बख्तावर सिंह के बीच एक इकरारनामा हुआ जिसके तहत अलवर से दादरी, बुधवाना और भावना के परगने के बदले में अंठोजों ने तिजारा, टपूकडा एवं कठूमर के परगने अलवर राज्य को दे दिये गये। एक लाख रूपये देकर किशनगढ का किला भी प्राप्त किया गया।

इस प्रकार अलवर राज्य की उत्पत्ति एक उल्लेखनीय व्यक्ति की प्रतिभा एवं कौशल के कारण हुई जिसने जयपुर के महाराजाओं के अधीन ढाई गांव की अपनी मूल विरासत का विस्तार कर एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना की जो आकार में इंग्लैण्ड की दो कांउटियों के बराबर था जिसको बख्तावर सिंह ने पूर्ण आकार दिया। अलवर राज्य की स्थापना के लगभग 100 वर्ष बाद प्रताप सिंह की नीतियों का अनुसरण कर यूरोप में जोसेफ मैजिनी, कावूर एवं गैरीवाल्डी ने 1870-71 ई. में इटली का तथा बिस्मार्क ने जर्मनी का एकीकरण किया।

–डॉ. डी. सी. मीना,
आर.ए.एस.

राशिफल शुक्रवार 25 नवम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीष मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, ज्येष्ठा नक्षत्र सांय 5:21 तक, सुकर्मा योग प्रातः 8:43 तक, बालव करण दिन 12:06 तक, चन्द्रमा सांय 5:21 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-वृश्चिक, गुरू-मीन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 8:17 तक, लाभ-अमृत 8:17 से 10:52 तक, शुभ 12:14 से 1:32 तक, चर 4:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:58, सूर्यास्त 5:29

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में आपसी अनबन बढ़ने का भय बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय के नवीन स्त्रोत सामने आयेंगे। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

धनु
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

MUTUAL FUNDS सही है

नोखा में आशा देवी-केशरीचन्द गोलछा चिकित्सा केन्द्र का लोकार्पण

बीकानेर,(कासं)। घेवरचन्द्र केशरीचन्द गोलछा ट्रस्ट द्वारा नव निर्मित आशा देवी केशरीचन्द गोलछा चिकित्सा केन्द्र, अपनाघर आश्रम परिसर, नोखा गांव का लोकार्पण गुरूवार को समाजसेवी चम्पालाल डागा, मुख्य अतिथि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सचिव डॉ. पृथ्वीराज, समाजसेवी सुन्दरलाल डागा, विधायक बिहारीलाल बिश्नोई, पूर्व पालिका अध्यक्ष श्रीनिवास झंवर, भामाशाह केशरीचन्द गोलछा व अपनाघर आश्रम के संस्थापक डॉ. बी. एम. भारद्वाज ने किया।

समारोह की शुरूआत अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित और ईश वन्दना से हुई। कार्यकारिणी संरक्षक किरण झंवर ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुए अपनाघर विचारधारा के बारे में बताया। डॉ. पृथ्वीराज ने गोलछा परिवार को धन्यवाद देते हुए कहा कि नोखा के भामाशाह हमेशा ऐसे कार्यों के लिए अग्रणी रहे हैं। उन्होंने सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं व चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की विस्तार से जानकारी दी।

विधायक बिहारीलाल बिश्नोई ने अपनाघर आश्रम की सेवाओं की सराहना करते बताया कि यहां सेवा का श्रेष्ठतम स्तर देखने को मिलता है। साथ ही सचिव डॉ पृथ्वीराज से नोखा जिला अस्पताल का निर्माण शुरू करवाने, मुकाम हिम्मटसर पर सीएचसी बनवाने व अपनाघर के इस नव निर्मित अस्पताल को पीएचसी का दर्जा दिलवाने पर जोर दिया। अपनाघर आश्रम का प्रतिवेदन अध्यक्ष बृजरतन तापड़िया ने प्रस्तुत किया।

इस मौके पर समाजसेवी चम्पालाल डागा ने घेवरचन्द केशरीचन्द गोलछा ट्रस्ट, गोहावटी के सभी सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए उनके द्वारा किए गये कार्यों का उल्लेख किया। साथ ही समता मनीषी हरिसिंह रांका की ओर से चिकित्सालय के लिए 11 लाख रूपये देने की घोषणा की।

इस अवसर पर श्रीनिवास झंवर ने गोलछा परिवार को दानवीर बताते हुए गौशाला व अन्य सामाजिक कार्यों के प्रति लगाव की भूरि-भूरि प्रशंषा की। वीरादेवी रामचन्द्र डावर ट्रस्ट से 5 लाख रूपये की राशि संचालन के लिए देने की घोषण भी की। भामाशाह

- **समता मनीषी हरिसिंह रांका की ओर से चिकित्सालय के लिए 11 लाख रूपये देने की घोषणा की**

केशरीचन्द गोलछा ने अपने ट्रस्ट से 31 लाख रूपये की राशि देने के साथ ऐसे सामाजिक कार्यों में हर वक्त सहयोग करने की बात कही।

इस मौके पर विधायक बिहारी लाल बिश्नोई द्वारा प्रभुजी व आसपास के इलाके के उपयोगार्थ भेंट की गई एम्बुलेंस का भी लोकार्पण किया गया। समारोह में डॉ. सुन्दरलाल सुराणा, डॉ. मधु तिवाडी, उपाध्याक्ष नगर पालिका, नोखा निर्मल भूरा, ईश्वर दुग्गड़ व हनुमान झंवर का अभिनन्दन गोलछा परिवार द्वारा किया गया। समारोह में उद्योगपति, जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद पच्चीसिया, विप्र फाउंडेशन के पवन पारीक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अबरार अहमद पंवार, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी विकास गहलोत, डॉ. श्याम बजाज, डॉ. सुनील बोथरा, डॉ. अरविन्द राजपुरोहित, पदम गोलछा, राजेन्द्र कुमार गोलछा, रमेश कुमार गोलछा सहित नोखा के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। ट्रष्ट की तरफ से निर्मल गोलछा व अपनाघर आश्रम की तरफ से सचिव रमेश कुमार व्यास ने सभी का आभार व्यक्त किया।

निष्पादन समिति की बैठक : शिक्षा अधिकारी सजग एवं नेतृत्व क्षमता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। ये विचार ब्लॉक स्तरीय निष्पादन समिति की बैठक में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी माया बजाड़ ने पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों को संबोधित करते हुए रखें। इस दौरान नामांकन शाला दर्पण राजस्थान में शिक्षा के बढ़ते कदम, यूनिफॉर्म, जिला रैंकिंग के बिन्दुओं, सामुदायिक शिक्षा, समावेशी शिक्षा, बालिका शिक्षा, यू डाइस, शाला सिद्धि, सहित विभिन्न विषयों पर पंचायत वार समीक्षा की गई।

पंचायत समिति सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार दड़िया ने शिक्षा अधिकारियों को समयबद्ध रहकर कार्य करने के गुर बताएं। इसी प्रकार अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश पूनिया ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण, जन आधार अपडेशन कार्य, एवं फ्लैगशिप योजनाओं के संबंध में योजनाओं के बारे में चर्चा कर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन पीईईओ, रोड़ा प्रभाकर दीक्षित ने किया।

नवनियुक्त अधिकारियों ने मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए नोखा ब्लॉक में कर्तव्य निष्ठा के साथ कार्य करने का विश्वास दिलाया। आरपी हंसराज गोदारा, समग्र शिक्षा के दिनेश उपाध्याय, बिसारत अली ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यक्रमों की जानकारी दी। बैठक में नोखा ब्लॉक में पदोन्नति से नव पदस्थापित प्रधानाचार्यों का सम्मान एवं स्वागत किया गया। अधिकारियों एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नवागंतुक प्रधानाचार्य का माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर स्वागत किया।

भामाशाह ने ई-रिक्शा भेंट किया

बीकानेर, (कासं)। संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन की पहल पर भामाशाह विजय बांठिया और साक्षी बांठिया ने एक ई-रिक्शा भेंट किया। संभागीय आयुक्त ने गुरूवार को यह ई-रिक्शा नगर निगम आयुक्त गोपाल राम बिड़दा को सौंपा। संभागीय आयुक्त ने बताया कि पूर्व में भामाशाहों के सहयोग से दो ई-रिक्शा नगर निगम को सौंपे गए हैं।

इनका संचालन और देखरेख नगर निगम द्वारा ही किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह दोनों ई-रिक्शा केईएम रोड क्षेत्र में वन-वे क्षेत्र में वृद्ध और असहाय लोगों के लिए चलाए जा रहे हैं। संभागीय आयुक्त ने बताया कि इस ई-रिक्शा का संचालन महिला चालक द्वारा किया जायेगा। इससे महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि 25 नवम्बर से देशभर में जेंडर इक्विलिटी अभियान प्रारम्भ किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में बीकानेर में भी यह नवाचार किया जायेगा।

इस दौरान संभागीय आयुक्त ने यह रिक्शा चलाकर इसकी शुरूआत की। इस अवसर पर अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ए. एच. गौरी, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी चेतन आचार्य मौजूद थे।

सार-समाचार

यू डाइस प्रभारियों को प्रशिक्षण दिया

बीकानेर, (कासं)। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा कार्यालय में ब्लॉक के सभी संस्था प्रधान व यू डाइस प्रभारियों को एक दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। ब्लॉक एमआईएस सुशील बिश्नोई ने सभी संस्था प्रधान व प्रभारियों को यू डाइस कैसे भरनी है व समस्त आंकड़ों का प्रबंधन व इनकी इंट्री यू डाइस पोर्टल पर कैसे करनी हैं की विस्तृत जानकारी प्रोजेक्टर के माध्यम से दी। साथ ही यू डाइस में आने वाली समस्त समस्याओं को कैसे हल करना है के बारे में बताया। कार्यवाहक मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजकुमार जाखड़ ने सभी संस्था प्रधानों को शाला दर्पण अपडेट रखने व विभाग द्वारा मांगी जाने वाली सभी आवश्यक सूचना समय पर उपलब्ध करवाने की बात कही। जाखड़ ने पंचायत सहायक के आवेदन जमा करवाने के लिए आवश्यक जानकारी दी। कार्यक्रम में राउमावि मोतीगढ़ के कार्यवाहक संस्था प्रधान मोहर सिंह सलावद, यू डाइस प्रभारी हरिप्रकाश बिलबान, शिवनगर संस्था प्रधान पन्नालाल, प्रभारी तेजपाल कोडेचा, गजेन्द्र राइका, केला से चरणसिंह, प्रियंका सुथार, सियासर पंचकोसा से रतिराम जाखड़, डंडी से रोहित स्वामी, आडूरी से प्रदीप कुमार शर्मा, रामनगर से राजेन्द्र प्रसाद, सुषमा राजासर भाटियान, लक्ष्मी नारायण, पारीक थारूसर से हेतराम मुंड, महादेव वाली से मांगीलाल, छतरगढ़ से शनिम गर्ग, हीरालाल सहित सभी संस्था प्रधान व यू डाइस प्रभारी प्रशिक्षण में मौजूद थे।

59 वां शैक्षिक सम्मेलन आज से

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत का 59 वां दो दिवसीय राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन बीकानेर में होगा। जिसमें प्रदेश भर के हजारों शिक्षक भागीदारी निभायेंगे। पत्रकारों को सम्मेलन की जानकारी देते हुए प्रदेशाध्यक्ष महावीर सियाग ने बताया कि 25 व 26 नवम्बर को सादुल स्पोर्ट्स स्कूल में आयोजित इस सम्मेलन में प्रदेशभर से दस हजार के करीब शिक्षक शामिल होंगे। जो सरकार द्वारा लागू नई शिक्षा नीति राज्य में शिक्षकों पर अध्यापन, अन्य कार्यभार शिक्षा के निजीकरण और शिक्षकों के वेतन भत्तों में विसंगति सहित कई मुद्दों को लेकर मंथन करेंगे। दो दिवसीय इस सम्मेलन में नई शिक्षा नीति की कमियों, हमें केवल पढ़ाने दो, सरकार की ओर से बनाई जा रही नीतियों पर विषय विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सियाग ने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान स्टेट एग्रो इडस्ट्री डवलममेंट बोर्ड के अध्यक्ष रामेश्वर डूडी व पूर्व गृह राज्य मंत्री वीरेन्द्र बेनीवाल उपस्थित रहेंगे। बाहर से आने वाले शिक्षकों को सादुल स्पोर्ट्स स्कूल, महारानी स्कूल सहित अन्य स्थानों पर ठहराया जायेगा। इस दौरान तकनीकी सत्रों में मुख्य वक्ता के रूप में जेएनयू के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर सुरजीत मजूमदार देश में लागू की गई नई शिक्षा नीति के ड्राफ्ट तथा राष्ट्रीय भारतीय कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा सरकारी नीतियों पर अपना व्याख्यान देंगे। सम्मेलन को लेकर तैयारियों पूरी कर ली गई है। पत्रकार वार्ता में महामंत्री उपेन्द्र शर्मा,प्रदेश मंत्री श्रवण पुरोहित, जिलाध्यक्ष भंवर पोटलिया,जिला मंत्री शिवशंकर गोदारा भी मौजूद रहे।

मतदान दलों को प्रशिक्षण दिया

चिड़ावा, (नि.सं.)। नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड पांच में पार्षद के निधन से खाली हुई सीट पर मतदान शुक्रवार को होगा। इसको लेकर निर्वाचन विभाग की ओर से तैयारियों को पूर्ण कर लिया गया हैं। आज निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में मतदान दल को चुनाव पूर्व प्रशिक्षण दिया गया। निर्वाचन अधिकारी संदीप चौधरी ने निष्पक्ष चुनाव के लिए आचार संहिता और चुनाव नियमावली की जानकारी दी और वोटिंग नियमों के बारे में विस्तार से बताया। निर्वाचन विभाग के सुरेन्द्र कुमार ने मतदान केंद्र की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। निर्वाचन के लिए गठित मतदान दल में व्याख्याता राजवीर सिंह, व्याख्याता सुनील कुमार, वरिष्ठ अध्यापक अभय सिंह, शशिकांत शर्मा, विजय कुमार डांगी, अध्यापक राघवेंद्र कृष्ण त्रिपाठी, वरिष्ठ सहायक दीपक पारीक और कनिष्ठ सहायक राजेश कुमार शामिल हैं। निर्वाचन अधिकारी एसडीएम संदीप चौधरी ने बताया की वार्ड पांच के उप चुनाव में निर्वाचन के लिए मतदान की तैयारी पूरी कर ली गई है। कॉलेज फील्ड के पास सोलंकी मंदिर में मतदान केंद्र बनाया गया है। यहां सुबह आठ से शाम पांच बजे तक मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। मतदान ईवीएम मशीन के माध्यम कर सकेंगे। एसडीएम ने निष्पक्ष मतदान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बड़े भाई को ऑडियो मैसेज भेजकर नहर में कूद जान दी

बीकानेर,(कासं)। एक भाई ने अपने बड़े भाई को ऑडियो मैसेज भेजा और उसके कुछ देर बाद नहर में छलांग लगा सुसाइड कर लिया।

इससे पहले वह घर से यह कहकर निकला था कि उसके दोस्त का एक्सीडेंट हो गया है। इधर ऑडियो मैसेज मिलने के बाद जब बड़े भाई ने छोटे भाई से कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की तब तक वह सुसाइड कर चुका था। मामला बीकानेर के खाजूवाला का गुरूवार शाम करीब 5 बजे का है।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत 14 बीडी निवासी 18 वर्षीय राजसिंह पुत्र पूर्ण सिंह जाति रायसिख ने पूंगल थाना क्षेत्र के इंदिरा गांधी नहर की 682 आरडी नहर में छलांग लगा दी। नहर में कूदने से पहले उसने बड़े भाई इकबाल सिंह (20) को वॉट्सएप पर ऑडियो मैसेज भेजा कि सॉरी भाई मैं जिंदगी से अब अलविदा होता हूं... आप मां का खयाल रखना, मैं सुसाइड कर रहा हूं।

- **घर से यह कहकर निकला कि दोस्त का एक्सीडेंट हो गया, रोडवेज बस को रुकवा नहर में छलांग लगाई**

राज सिंह को नहर में कूदते हुए गोल गप्पे बेचने वाले एक व्यक्ति ने देख लिया था। राज सिंह जैसे ही कूदा उसने हल्ला मचा दिया। लेकिन तब तक राजसिंह नहर में बहकर आगे जा चुका था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन अंधेरा हो चुका था। गुरूवार सुबह दोबारा राज सिंह के शव की तलाशी शुरू कर दी है। राज सिंह गांव में ही एक लैब पर काम करता था। बुधवार शाम करीब 4 बजे वह घर से ये कहकर निकला था कि एक दोस्त का श्रीगंगानगर में एक्सीडेंट हो गया है। जबकि वह श्रीगंगानगर जाने की बजाय आरडी 682 पर पहुंच गया। राज सिंह के पिता ट्रैक्टर ठीक करने का काम करते हैं। राजसिंह का भाई श्रीगंगानगर में पढ़ाई कर रहा है।

बताया जा रहा है कि वह रोडवेज बस से निकला था। नहर के पास राजसिंह ने रोडवेज बस को नहर के पास रूकवाया था। इसके बाद बड़े भाई को ऑडियो मैसेज भेजा और छलांग लगा दी। बहाव तेज होने के कारण भी अब राजसिंह को ढूंढने में परेशानी हो रही है। पूगल सीआई विकास विश्नोई मौके पर पहुंचे और पड़ताल शुरू कर दी। 14 बीडी के सरपंच राजाराम कस्वां परिजनों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। अंधेरा होने व नहर में पानी का बहाव तेज होने पर शव का कोई पता नहीं चल पाया। बीकानेर में नहर में कूदकर जान देने के मामले एक बार फिर बढ़ने लगे हैं। पिछले दिनों बीकानेर के मुक्ता प्रसाद नगर में रहने वाले एक शख्स ने बिरधवाल हेड पर जाकर सुसाइड की तो एक महिला ने श्रीकोलायत सरोवर में कूदकर अपनी जान दे दी।

बिजली चोरी पकड़ी

श्रीगंगानगर,(कासं)। विद्युत विभाग की ओर से बिजली चोरी रोकने के लिए 23 और 24 नवम्बर को जिला स्तर पर सतर्कता जांच दिवस के तहत कार्रवाई की गई। इस दौरान 165 स्थानों से बिजली चोरी पकड़ी गई।

विभाग के प्रावै. सा. अभियंता अधीक्षण अभियंता (वितरण) आरपी वर्मा ने बताया कि गंगानगर वृत्त के 5 अधिशासी अभियंता, 18 सहायक अभियंता और 54 कनिष्ठ अभियंताओं द्वारा संपूर्ण जिले में छापामारी की गई। इस दौरान 165 जगह बिजली चोरी पकड़ी गई।

अधीक्षण अभियंता एल. एस. मान ने बताया कि भविष्य में भी यह अभियान समय-समय पर चलाया जायेगा। जुर्माना राशि नहीं जमा करवाने पर विद्युत चोरी निरोधक थाने में एफआईआर दर्ज करवाई जायेगी। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे बिजली चोरी की सूचना उपभोक्ता सेवा केन्द्र के टोल फ्री नंबर 1800-180-6045 पर दें, जिससे निगम बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवा सके।

पत्नी के प्रेमी की हत्या करने वाला गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के केसरीसिंहपुर थाना क्षेत्र के गांव सात डब्लयू में युवक की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी की पत्नी मृतक के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहती थी। इससे वह नाराज था। 21 नवम्बर को अपने कुछ साथियों के साथ गांव सात डब्लयू में मृतक के घर पहुंचा और युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी। आरोपी गुरजीत सिंह उर्फ दुल्ला की पत्नी प्रवीण कौर पिछले करीब छह-सात महीने से मृतक गुरमेल सिंह के साथ लिव इन रिलेशन में रह रही थी।

गुरमेल सिंह मिट्टी की ट्रैक्टर-ट्रॉली चलाने जैसे काम करता था। जबकि गुरजीत वहां ट्रॉलियों से अनलोडिंग करवाता था। इसी दौरान प्रवीण कौर और गुरमेल सिंह में मुलाकात हुई। बाद में प्रवीण कौर गुरमेल सिंह के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगी। इससे उसका

- **लिव-इन-रिलेशन में रह रहे थे दोनों, महिला ने भागकर जान बचाई थी**

पति गुरजीत सिंह नाराज था। इसी नाराजगी के चलते उसने 21 नवम्बर सुबह घर में घुसकर गुरमेल सिंह पर हमला कर दिया। इस दौरान प्रवीण कौर पर भी हमला करने का प्रयास किया गया लेकिन वह मौके से भाग गई। हमले में गुरमेल सिंह बुरी तरह घायल हो गया। उसे श्रीगंगानगर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से ही पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। रायसिंहनगर एएसपी बनवारीलाल मीणा, श्रीकरणपुर सीओ सुरेंद्र सिंह और केसरीसिंहपुर एसएचओ गोपाल सिंह की देखरेख में टीम बनाई गई। टीम ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

आग लगने से साढ़े छह लाख का नुकसान

नोखा, (निसं)। नोखा के कक्कू गांव के एक घर में आग लग गई। जिससे करीब साढ़े छह लाख रूपये का नुकसान हो गया।

कक्कू गांव के सरपंच हेमेन्द्र सिंह बिदावत ने बताया कि कक्कू गांव के प्याऊ भाटियों की ढाणियों निवासी भवानी सिंह की ढाणी में अज्ञात कारणों से आग लग गई। ढाणी में रखे ग्वार, मोठ, बाजरी, तिल, मूंग, पशुओं का चारा, सोने व चांदी के आभूषण व नगदी रूपये जलकर राख हो गए।

साथ ही लपटों से उसकी पत्नी भी झुलस गई। जिसका प्राथमिक उपचार करवाया गया। सरपंच ने बताया कि ढाणी पूरी जलकर राख हो गई। जिसमें अनुमानित साढे छह लाख रूपये का सामान जलकर राख हो गया।

वहीं आग को पानी के टैंकर की सहायता से बुझाया गया। मौके पर हेमेंद्र सिंह, हितेश पारीक, जेती सिंह, छोटूलाल नायक, भंवरराम नायक व अन्य ग्रामीण पहुंचे और आग को काबू करने का प्रयास किया।

कक्कू गांव में ढाणी में आग से नगदी 40 हजार रूपए, जेवरात सोने के 50 ग्राम, चांदी पायल व अन्य सामान 500 ग्राम, अनुमानित राशि साढे तीन लाख रूपए, ग्वार दो क्विंटल, मोठ 4 क्विंटल, बाजरी 15 क्विंटल, मूंग 2 क्विंटल, तिल 2 क्विंटल, पशुचारा, बर्तन, बिस्तर सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया व आग से करीब साढ़े छह लाख रूपए का कुल नुकसान हुआ है।

चोर को ग्रामीणों ने पकड़ा

नोखा, (निसं)। नोखा थाना क्षेत्र के हरिहर पुर गांव में धर्मेन्द्र चौधरी के घर से सुबह सामान चुरा कर भाग रहे चोर को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया।

मकान मालिक धर्मेन्द्र चौधरी ने बताया कि काराकाट थाना क्षेत्र के दुआरी गांव निवासी कमलेश पासवान जिसका ससुराल नोखा थाना क्षेत्र रामपुर गांव में है। मौका पाकर बगल के गांव हरिहरपुर में धर्मेन्द्र चौधरी के घर में चोरी के नियत से रात्रि घुस गया। मकान मालिक के घर की सभी महिलाएं शौच के लिए गई हुई थी। गृहस्वामी जब जागे तो चोर भागने का प्रयास किया। जिस पर मकान मालिक के हल्ला सुन ग्रामीण भी पहुंच गाए। जिस पर चोर भागने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया। उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

पदमपुर नगर पालिका के वार्ड नंबर 21 का उपचुनाव स्थगित

श्रीगंगानगर, (कासं)। श्रीगंगानगर जिले के पदमपुर नगर पालिका के वार्ड नंबर 21 में उपचुनाव को स्थगित कर दिया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ स्वामी ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं सचिव राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार पदमपुर नगर पालिका के वार्ड नंबर 21 के उप चुनाव की मतदाता सूची तैयार करने में आयोग के निर्देशों की पालना में सावधानी नहीं बरती गई। इस विधानसभा की मतदाता सूची जिसका अंतिम प्रकाशन 5 जनवरी को किया गया है। इसके डेटाबेस को आधार नहीं बनाया गया।

इस कारण उक्त नगर पालिका के वार्ड संख्या 21 के उपचुनाव की मतदाता सूची त्रुटिपूर्ण तैयार की गई। प्रकरण में निर्वाचन की शुद्धता, पारदर्शिता को दृष्टिगत रखते हुए आयोग द्वारा नगर पालिका पदमपुर के वार्ड संख्या 21 के उप चुनाव हेतु अब तक संपन्न हुई प्रक्रिया को निरस्त घोषित किया गया है। स्वामी ने बताया कि साथ ही उक्त वार्ड के सदस्य के उप चुनाव हेतु जारी की गई लोक सूचना को तुरंत प्रभाव से प्रत्याहरित करने के निर्देश दिए गए हैं।

- **त्रुटिपूर्ण मतदाता सूची तैयार करने वाले कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिये गए हैं**
- **वार्ड संख्या 21 के उपचुनाव की मतदाता सूची त्रुटिपूर्ण तैयार की**

आयोग के निर्देशानुसार अब चुनाव की मतदाता सूची की जांच कर सूची को शुद्ध किया जायेगा। त्रुटिपूर्ण मतदाता सूची तैयार करने हेतु दोषी कर्मचारी/अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

लॉ कॉलेज में व्याख्यान माला आयोजित

बीकानेर,(कासं)। राजकीय विधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राज्य सरकार तथा आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर के आदेश की पालना करते हुए राज्य सरकार द्वारा निर्मित राज्य महिला नीति 2021 के तहत कराये जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की श्रंखला में विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ ललित कुमार वर्मा सहायक आचार्य इएएफएम विभाग राजकीय डूंगर महाविद्यालय ने बताया कि देश का विकास मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था पर आधारित है तथा अध्ययन की दृष्टि से देश की अर्थव्यवस्था को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान स्वयं सहायता समूहों के निर्माण कार्यकर्ता के रूप में केन्द्रीय सरकार की अन्य योजनाओं के संबंध में अवगत करवाया।

इसके साथ ही उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म लघु तथा मध्य उद्योगों की मुख्य भूमिका के संबंध में विद्यार्थियों से चर्चा की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ भगवानाराम बिश्नोई ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि ऐसी महिलाएं जो एक समान सामाजिक परिवेश की हो वे स्वयं सहायता समूहों का निर्माण कर सकती है। युवा पीढ़ी सूक्ष्म व् लघु उद्योगों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकती है। राज्य महिला नीति की नोडल अधिकारी एवं महाविद्यालय की सहायक आचार्य मीनाक्षी कुमावत ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि विधि के विद्यार्थियों को स्वयं सहायता समूहों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

राज्य स्तरीय स्कूली साईक्लिंग प्रतियोगिता में बीकानेर टीम ने जीते 16 पदक

बीकानेर,(कासं)। 66 वीं राज्य स्तरीय स्कूली साईक्लिंग 17 से 19 वर्ष आयु वर्ग प्रतियोगिता गुरूवार को रायसिंहनगर में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में बीकानेर की टीम ने 8 गोल्ड 7 रजत तथा 1 कांस्य सहित कुल 16 पदक जीत कर चैम्पियनशिप पर कब्जा जमाया।

दल संयोजक व साइक्लिंग कोच राधा किशन छंगाणी ने बताया कि टाइम ट्रायल मुकाबलों में 19 वर्ष वर्ग में छात्र सुनील गाट ने स्वर्ण तथा दिनेश गोदारा ने रजत पदक 17 वर्ष वर्ग में छात्र बजरंग ने स्वर्ण तथा दिनेश गाट ने रजत पदक हासिल किया। लड़कियों के 19 वर्ष वर्ग में रिंकू भाम्भू ने स्वर्ण तथा सन्तोष ने रजत पदक, 17 वर्ष वर्ग में शिवानी ने स्वर्ण तथा निकिता ने रजत पदक प्राप्त किया। बीकानेर से प्रतियोगिया निर्णायक दलीप सिंह भाटी ने बताया कि मास स्टार्ट स्पर्धाओं में 19 वर्ष वर्ग में लाभचंद सुथार ने स्वर्ण तथा अनिल कूकणा ने रजत पदक, 17 वर्ष वर्ग में रामअवतार ने गोल्ड व अभिषेक ज्याणी ने रजत पदक प्राप्त किया। छात्रा 19 वर्ष वर्ग में भगवती भादू ने स्वर्ण पदक तथा मूली सियाग ने रजत पदक प्राप्त किया। वहीं 17 वर्ष

- **बीकानेर ने साईक्लिंग रोड रेस प्रतियोगिता की चैम्पियनशिप जीती**

वर्ग में पूजा बिश्नोई ने स्वर्ण पदक तथा जयपुर की दिया बिश्नोई ने रजत और भगवती मायला बीकानेर ने कांस्य पदक जीता।

चयन समिति संयोजक राधा किशन छंगाणी ने बताया कि प्रतियोगिया के सफल आयोजन में बीकानेर के कोच महेन्द्र बिश्नोई और विजय के अथक प्रयासों से बीकानेर ने साईक्लिंग रोड रेस प्रतियोगिता की चैम्पियनशिप जीता।

इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिये बीकानेर के रैफरी दलीप सिंह भाटी, राजेश कुमार सेवग, राजेन्द्र पड़िहार, किशोर सिंह, युगल राव, पवन कुमार ने भी महत्पूर्ण योगदान दिया। कुल 300 प्रतियोगियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। विदिति रहे कि साईक्लिंग का अगला ट्रैक इवेंट सवाई मान सिंह वेलोड्रम जयपुर में 27 नवम्बर से आयोजित होगा।

ईमानदारी की मिसाल, जेब से गिरे 50 हजार रूपये लौटाए

सूरतगढ़, (कासं)। सूरतगढ़ के समीप गांव मानकसर के एक किसान के 50 हजार रूपए लौटाकर एक शख्स ने आज के इस युग में भी ईमानदारी की मिसाल पेश की है।

जानकारी के अनुसार मानकसर गांव का किसान मांगीलाल बिश्नोई सूरतगढ़ के एक बैंक से दोपहर फसल बेचान के 50 हजार रूपए लेकर अपने गांव की ओर रवाना हुआ था। शहर के नए बस स्टैंड के पास मांगीलाल की जेब से यह रूपए गिर गए। हालांकि किसान मांगीलाल ने इसकी इधर-उधर तलाश भी की मगर निराशा हाथ लगी। इसके बाद रूपए गिरने की घटना का सोशल मीडिया पर मोबाइल नम्बर समेत मैसेज वायरल किया गया। कई घंटों की तलाश के बाद शाम होते-होते मांगीलाल को सूरतगढ़ निवासी सोमवीर सिहाग नामक एक युवक ने फोन करके बताया कि उसके 50 हजार रूपए उनके पास है, वे इन्हें प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद किसान मांगीलाल अपने साथी और मानकसर गांव के बिश्नोई मंदिर के अध्यक्ष सीताराम गोदारा को लेकर सोमवीर सिहाग के पास पहुंचे तथा अपने 50 हजार रूपए प्राप्त किए।

सोमवीर ने बताया कि यह रूपए बाजार में उसके दोस्त ओमप्रकाश बघेल को पड़े हुए दिखाई दिए तो उसने इसे उठाकर संबंधित व्यक्ति की आसपास तलाश भी की, लेकिन उसे इसके मालिक का पता नहीं लगा।

NAME CHANGE

I have changed my name from HEMANT KUMAR to HEMANT KHATRI for all purposes R/o 1-D-37 Pawanpuri Near Shiv Mandir Bikaner (Raj.)

कार्यालय नगर विकास न्यास, बीकानेर

क्रमांकः-न्यास/डी.टी.पी/2022-23/15007 दिनांकः-24/11/2022

विज्ञप्ति

कार्यालय नगर विकास न्यास, बीकानेर में निम्नलिखित भूखण्ड का जोनल प्लान जोन ए के अनुसार उक्त भूमि का भू-उपयोग मिश्रित भू-उपयोग हेतु दर्शित है। जिसमें आवेदक द्वारा उक्त भूमि का आवासीय से व्यवसायिक में भू-उपयोग परिवर्तन चाहा गया है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध में कोई आपत्ति/सूझाव देने हो तो वे विज्ञप्ति प्रकाशन होने की तिथि से 15 रोज में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें, बाद अवधि में कोई उज्र/एतराज स्वीकार नहीं होगा।

क्र.सं.	नाम आवेदक	ग्राम/खसरा सं./योजना/भू.सं.	क्षैत्रफल	वर्तमान भू-उपयोग	चाहा गया भू-उपयोग
1.	श्रीमती रामरखी देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश कच्छावा	किसमीदेसर खसरा नं.75/175	333.33 वर्गगज	आवासीय	व्यवसायिक

सचिव नगर विकास न्यास बीकानेर

भीलवाड़ा में गोलीबारी में एक युवक की मौत, भीड़ ने हॉस्पिटल में तोड़फोड़ की

प्रशासन ने 48 घंटे के लिए नेट बंद किया, माहौल बिगड़ने पर शहर में हर जगह पुलिस जाब्ता तैनात

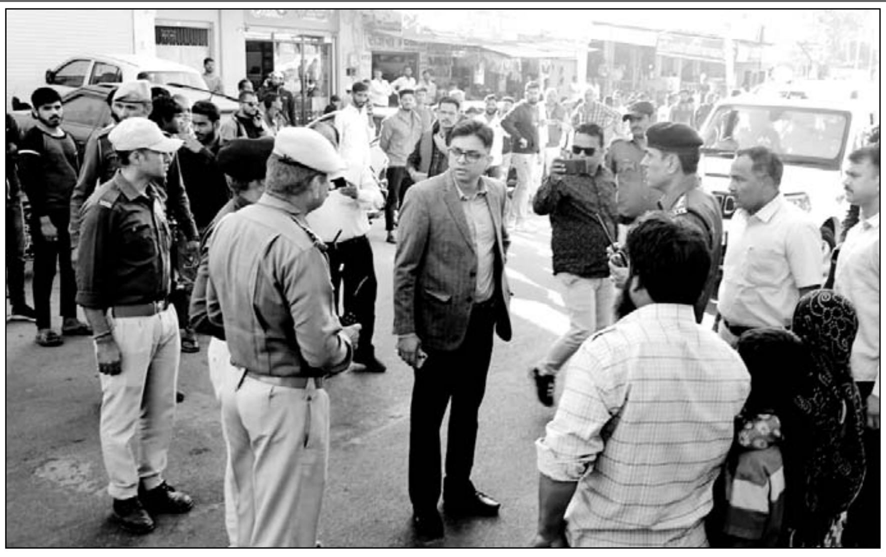
भीलवाड़ा में तनाव के बाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मोर्चा संभाला।

- मामले को आदर्श तापड़िया हत्याकांड से जोड़ा जा रहा है, पुलिस ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की
- गोली मारकर बदमाश भाग गए, बदमाशों की तलाश में पुलिस ने नाकाबंदी की

भीलवाड़ा, (निस)। शहर के कोतवाली थाना इलाके में गुरुवार को दिनदहाड़े गोलीबारी में एक युवक की मौत हो गई। दो युवकों पर 4 राउंड फायर किए गए थे। अचानक हुई फायरिंग से चौराहे से निकल रहे लोग डर गए और बचने के लिए इधर-उधर छुप गए। गोली मारकर बदमाश भाग गए। माहौल बिगड़ने पर शहर में हर जगह पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। बदमाशों की तलाश में नाकाबंदी की गई है। वही प्रशासन ने 48 घंटे के लिए नेट बंद भी कर दिया है। मामले को मई महीने में हुए आदर्श तापड़िया हत्याकांड से जोड़ा जा रहा है। हालांकि अभी तक पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नही की है।

एएसपी जयेष्ठा मैत्रेयी ने बताया कि रूकमद्दीन उर्फ टोनी और इब्राहिम पठान उर्फ भूरा नाम के दो युवक बड़ला चौराहे से हरणी महादेव की तरफ जा रहे थे। इस दौरान दो बाइक पर चार बदमाश आए और दोनों को घेर लिया। इसके बाद लगातार गोली चलाने लगे। एक गोली इब्राहिम पठान उर्फ भूरा के लगने पर मौके पर ही मौत हो गई। वहीं टोनी घायल हो गया। आस-पास के लोग कुछ समझ पाते उससे पहले ही बदमाश भाग गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचाया। इस मामले में पुलिस ने कुछ संदिग्ध को हिरासत में भी लिया गया है। युवक की मौत के बाद उसके परिजनों और अन्य लोगों ने हॉस्पिटल में हंगामा खड़ा कर दिया। गुस्से में भीड़ ने हॉस्पिटल मे तोड़फोड शुरू कर दी। पुलिस जाब्ता हॉस्पिटल पहुंचा और भीड़ को खदेड़ा। गोलीबारी के बाद भीलवाड़ा में तनाव का माहौल हो गया है। शहर में हर तरफ पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। हमलावरों की तलाश में नाकाबंदी भी की गई है। इधर, प्रशासन ने अगले 48 घंटों तक नेटबंदी कर दी है। इसको लेकर संभागीय आयुक्त ने आदेश जारी कर दिए है।

एसपी आदर्श सिद्धू का कहना है कि पुलिस ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। आस-पास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे है। घायल का इलाज चल रहा है। सीओ सीटी नरेंद्र दायमा, सीओ ग्ररमीण रामचंद्र चौधरी सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे लगातार समझाइश के प्रयास कर रहे हैं। वही दूसरी और इस मामले को मई माह में हुए आदर्श तापड़िया हत्याकांड से जोड़कर देखा जा रहा है। भीलवाड़ा में 10 मई की रात को कोतवाली थाना इलाके के शास्त्री नगर में आदर्श तापड़िया स्कूटी पर जा रहा था। इस दौरान बाइक पर सवार दो युवकों ने उसे रोका और उसके सीने में चाकू मार दिया था। जिससे उसकी मौत हो गई थी। आदर्श ही हत्या के बाद शहर में तनाव की स्थिति हो गई थी। उसे दौरान लोग सड़कों पर उतर आए थे और तनाव के निपटने के लिए प्रशासन ने जिले में नेटबंदी भी कर दी थी। हालांकि, पुलिस अभी इस मामले में आधिकारिक पुष्टि नही कर रही है, लेकिन सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है की आदर्श हत्याकांड में संदेह के घेरे में चल रहे इब्राहिम और टोनी दोनो से भाई के खून का बदला लेने के लिए आदर्श के भाई मयंक तापड़िया ने ही हमला किया है।

वहीं दूसरी और इस मामले में मुस्लिम सद्भाव कमेटी ने मृतक के आश्रितों को 50 लाख का मुआवजा घायल के परिवार को 10 लाख की आर्थिक सहायता के साथ ही हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी और षडयंत्र रचने वाले षड्यंत्र कार्यों को बेनकाब करने की मांग की है। देर रात तक एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर लगातार मुस्लिम समाज का प्रदर्शन जारी रहा।

एक लाख की रिश्वत लेते नगर परिषद आयुक्त गिरफ्तार

परिषद आयुक्त जोधाराम विश्नोई ने एक महीने पहले ही कार्यभार संभाला था

बालोतरा नगर परिषद आयुक्त को जोधपुर एसीबी टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

बालोतरा, (कासं)। जोधपुर एसीबी टीम ने गुरुवार को एक लाख की रिश्वत लेते नगर परिषद आयुक्त जोधाराम विश्नोई को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जोधाराम विश्नोई ने एक महीने पहले ही बालोतरा में नगर परिषद आयुक्त का कार्यभार संभाला था।

बालोतरा में गुरुवार को जोधपुर एसीबी टीम ने ट्रैप की कार्रवाई की। जिसमें नगर परिषद आयुक्त जोधाराम विश्नोई को 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। एसीबी कार्रवाई की जानकारी मिलने पर आयुक्त के आवास पर बडी संख्या में लोगों की भीड एकत्रित हुई। इसके बाद सुरक्षा के लिए बालोतरा पुलिस टीम तैनात की गई। जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे परिवादी की शिकायत पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टीम जिला परिषद आयुक्त के आवास पर पहुंची।

टीम ने रिश्वत लेते आरोपी जोधाराम विश्नोई को गिरफ्तार किया। साथ ही उनके कब्जे से 1 लाख रुपए बरामद किए। फिलहाल टीम ने अभी तक इस संबंध में जानकारी नहीं दी है। सूत्रों के अनुसार नगर परिषद आयुक्त ने पट्टे देने की एवज में परिवादी से पैसे लिए थे। बताया गया कि कॉमर्शियल पट्टे के मामले में आरोपी जोधाराम विश्नोई ने रिश्वत की मांग की थी।

इस पर परिवादी ने एसीबी में शिकायत दी। शिकायत की पुष्टि कर को टीम ने कार्रवाई की। बता दें कि जोधाराम विश्नोई ने 1 महीने पहले ही बालोतरा में नगर परिषद आयुक्त का कार्यभार संभाला था। इससे पहले भी विश्नोई बाडमेर में 1 हजार 468 फर्जी पट्टा प्रकरण मामले में लंबे समय तक फरार रहे थे। जानकारी के अनुसार विश्नोई को एक बार निलंबित भी किया गया था।

दो भाइयों में जमीनी विवाद में कार को लगाई आग

लाम्बाहरिसिंह थाना क्षेत्र के गुलगांव में आपसी विवाद में जीप में आग लगा दी।

- कार और राजस्व रिकॉर्ड राख

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह थाना क्षेत्र के गुलगांव में दो सगे भाई जोरावर सिंह व नरपत सिंह के बीच चल रहे जमीनी विवाद मामले में तहसीलदार के आदेशों पर गिरदावर व पटवारी के साथ खेत में रिकार्ड जांच के दौरान जोरावर के भाई नरपत सिंह व उसके बेटों के साथ आये लोगों ने जोरावर व उसके सीरी से मारपीट कर जीप को आग लगा दी। इससे जीप व जीप में रखा राजस्व रिकॉर्ड जलकर राख हो गया।

पीड़ित जोरावर सिंह ने बताया कि तहसीलदार के आदेशों पर हल्का गिरदावर अक्षय शर्मा व पटवारी प्रवीण कुमार के साथ वो अपने खेत पर रिकार्ड जांच कर रहे थे तथा उसका सीरी हंसराज बैरवा खेतों मे जुताई कर रहा था। इसी दौरान उसके भाई व भतीजों सहित अन्य लोग कार व मोटरसाईकिल पर सवार हो खेत पर पहुंच गाली-गलोच कर मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान हमलावरों ने मौके पर खडी जोरावर सिंह की जीप को आग लगा दी। जीप में लगी आग से जीप व उसमे रखा गिरदावर पटवारी का राजस्व रिकार्ड भी जलकर राख हो गया। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची लाम्बाहरिसिंह पुलिस ने घायल जोरावर व उसके सीरी हंसराज बैरवा को मालपुरा अस्पताल पहुंचाया। मेडिकल के बाद हंसराज बैरवा ने थाने मे एक दर्जन लोगो के विरूद्ध मामला दर्ज करवाया है। तो वही गिरदावर व पटवारी ने भी जीप मे रखे राजस्व रिकार्ड जल जाने का प्रार्थना पत्र सौंपा।

हंसराज व गिरदावर पटवारी की और से दी रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। मामले मे थानाधिकारी ने बताया कि पांच दिन पूर्व दोनो भाईयो मे हुए विवाद पर 13 जनो को पाबंद किया गया था। दोनो पक्षो के बीच विवाद के स्थाई समाधान के लिए रिसिवर नियुक्ति के लिए इस्तगासा दायर किया गया है। मामले की जांच डीवाईएसपी सुशील मान कर रहे है।

सांभर में खराब सड़कें और टूटी नालियों से लोग परेशान

सांभर के गौरव पथ पर पिछले 6 माह से गहरे गड्ढे दुर्घटना को न्योता दे रहे हैं।

- पालिका प्रशासन की पैचवर्क कार्यों के प्रति लापरवाही

सांभरझील, (निसं)। पर्यटक नगरी का दर्जा प्राप्त सांभर उपखंड मुख्यालय के प्रमुख रास्ते वाहन चालकों व राहगीरों के लिए बेहद कठिन साबित हो रहे हैं। विगत 20 दशकों में पालिका प्रशासन की ओर से लाखों रुपए खर्च कर सीसी सडकें बनाई जा चुकी हैं लेकिन देखने में प्राय: आया है कि जब भी सड़कें क्षतिग्रस्त हो जाती है तो उन्हें ठीक करवाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते हैं। सडकों की खस्ताहाल व्यवस्था को दुरुस्त करवाने के लिए जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी निष्क्रिय बनी हुई है। टूटी फूटी सडकों से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए यह सफर आसान नहीं है। इसकी वजह से अनेक दफा दुर्घटना के मामले भी सामने आते हैं लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग अपनी आंख मूंदे बैठा है। इसके अलावा सडक को क्रॉस करती नालियां सबसे ज्यादा लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है।

नवीन अदालत भवनों की ओर जाने वाला गौरव पथ पर विगत 6 माह से एक तरफ बालू रेत की चादर सी बिछी हुई है। यहां प्रवेश करते ही दो गहरे गड्ढे हैं, पास ही जलदाय विभाग की पेयजल लाइन लीकेज होने से सड़क पर पानी जमा होने से सडक और ज्यादा खराब हो गई है। इसके अलावा सीता सागर जाने वाला मार्ग पर सांभर साल्ट के फाटक को क्रॉस करने के दौरान टूटी नालियां व क्षतिग्रस्त सडक, पुरानी कोतवाली से लेकर पांच बत्ती चौराहे तक जाने वाले अनेक जगहों पर गड्ढे, न्यू मार्केट साल्ट फाटक से लेकर पांच बत्ती चौराहा तक अनेक जगहों पर टूटी सीसी सडक, सिंधी बाजार जाने वाला मार्ग भी सबसे ज्यादा खराब है।

इसके अलावा अनेक मौहलों में बनी सडकों को क्रॉस करती नालियां इतनी खतरनाक स्थिति में है कि कोई भी वाहन आसानी से नहीं निकल सकता है। जिम्मेदार लोग इस मामले में पूरी तरह से चुप्पी साधे बैठे हैं जिसकी वजह से आम जनता को इस समस्या का सामना करना पड रहा है।

स्कूल में टॉयगन ले जाने पर चार बच्चे सस्पेंड

पाली, (निसं)। जन्मदिन पर मामा ने ड्रेस लाने के लिए रुपए दिए तो भांजा टॉयगेन ले आया। पापा से डांट के डर से बैग में डालकर स्कूल ले गया। दोस्तों को दिखाने के चक्कर में एक टीचर ने उसे पकड़ लिया। प्रिंसिपल तक मामला पहुंचा तो चार स्टूडेंट को 7 दिन के लिए संस्पेड कर दिया गया। पुलिस ने बच्चों के माता-पिता को हिदायत देकर छोड़ा।

मामला पाली शहर के पुलिस लाइन के पास महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल का है। टीचर को क्लास 6 के एक स्टूडेंट के पास टॉय गन होने की जानकारी मिली थी। बच्चे के बैग की तलाशी कर गन को लिया गया। टॉय गन बिल्कुल ऑरिजनल गन जैसी दिख रही थी। टीचर ने प्रिंसिपल गजेन्द्र दवे को इस बारे में बताया। इसके बाद बच्चे से पूछताछ की गई। बच्चे ने बताया कि 9 क्लास में पढने वाले उसके दोस्त ने बैग में रखने के लिए दी थी।

9 क्लास के स्टूडेंट ने बताया कि उसके बर्थ-डे पर मामा ने 1500 रुपए ड्रेस लाने के लिए दिए थे। बाजार गया तो उसे एक टॉय गन पसंद आ गई। खेलने की इच्छा के चलते 1500 रुपए में टॉय गेन खरीद ली। पापा की डांट से बचने के लिए बैग में डालकर स्कूल लेकर आ गया। दोस्तों को दिखाने पर टीचर तक बात पहुंच गई। स्टूडेंट बोला कि, गन उसने चोरी नहीं की।

स्कूल प्रिंसिपल गजेन्द्र दवे ने बताया कि मामले में चार स्टूडेंट के नाम सामने आए। चारों के परिजनों को स्कूल बुलाया गया और उन्हें बच्चों की हरकत के बारे में बताया गया। इस तरह की चीजे स्टूडेंट स्कूल में लाएंगे तो यहां का माहौल खराब होगा। टॉय गन 9वीं कक्षा के स्टूडेंट के परिजनों को सौंपी गई। प्रिंसिपल ने मामले में चार स्टूडेंट को 7 दिन के लिए स्कूल से संस्पेड कर दिया है। मौके पर पुलिस को भी बुलाया गया।

श्रमिक की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार सवेरे प्रतापनगर थाना क्षेत्र देबारी घाटे में ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे मे कुचला जाने से बाइक चालक ओरडी निवासी निरूत्तम पुत्र भेरूलाल धनकर की मौत हो गई। निरूत्तम मजदूरी करता था एवं बाइक पर घर से उदयपुर की तरफ जा रहा था।जहां बीच रास्ते पिछे से आए ट्रेलर ने उसे कुचल दिया।

दहेज प्रताड़ना के केस में पति को सजा

जोधपुर, (कासं)। फलोदी के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 1 तरूणकांत तिवाड़ी ने दहेज प्रताड़ना के एक मुकदमे में दोषी पति को विभिन्न धाराओं में साढे तीन साल की सजा और जुर्माने से दंडित किया। फलोदी निवासी इंदिरा ने 7 अगस्त 2012 को परिवाद पेश कर पति पर दहेज के तंग परेशान और मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया था।

परिवाद के अनुसार उसकी शादी वर्ष 2005 में नई बस्ती मथानिया निवासी मुरली उर्फ मुरलीधर पुत्र रामूराम के साथ हुई थी। कुछ समय ठीक गुजरने के बाद पति ने उसे दहेज के तंग परेशान और मारपीट करना शुरू कर दिया। इसी बीच उसके बेटा भी हुआ। पति ने उसका स्त्रीधन छीन लिया और बेच कर शराब पी गया। एक दिन पति ने इंदिरा से मारपीट कर घर से निकाल दिया, जिसके बाद 3 अगस्त 2012 को वह अपने पिता के घर आ गई। 5 अगस्त 2012 को पति मुरली शराब पीकर अपने ताऊ के लडक्रों के साथ आया और उसके पिता व माता के साथ मारपीट की। उसके परिवाद पर पुलस थाना में 498 ए व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ।

अपराध सिद्ध होने पर मजिस्ट्रेट ने धारा 498 ए में एक साल साधारण कारावास एवं 5 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई। जुर्माना अदा नहीं करने पर 5 दिन का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। धारा 323 में 6 माह, धारा 506 में एक साल और धारा 406 में एक साल साधारण कारावास की सजा से दंडित किया। परिवादी की ओर से एडवोकेट भूपेन्द्र भार्गव ने पैरवी की।

ठेकेदार ने डेढ़ साल बाद भी नहीं लगाए खेजड़ी के पौधे

- भवन निर्माण के लिए 250 पौधे काटे थे

हनुमानगढ़, (निसं)। कोर्ट परिसर में एससी-एसटी कोर्ट व पारिवारिक कोर्ट के भवन निर्माण करने के लिए काटे गए 250 पेड़ों के बदले पेड़ नहीं लगाने पर पर्यावरण प्रेमियों ने आक्रोश जताया है।

जिला कोर्ट परिसर में कोर्ट भवन के निर्माण के लिए कॉन्ट्रेक्टर की ओर से बिना अनुमति खेजड़ी के करीब 250 पेड़ काटने को लेकर पैदा हुए विवाद के बाद हुए समझौते के करीब डेढ़ साल बाद भी कॉन्ट्रेक्टर की ओर से खेजड़ी के पेड़ नहीं लगाए गए। तब तय हुआ था कि कॉन्ट्रेक्टर की ओर से खेजड़ी के 250 पौधे मय ट्री गार्ड लगाए जाएंगे। कंपनी से 250 पौधे लगवाने की मांग को लेकर गुरुवार को अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा ने जिला एवं सेशन न्यायाधीश और उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल में शामिल एडवोकेट रामकुमार बिश्नोई ने बताया कि जिला कोर्ट परिसर में एससी-एसटी कोर्ट व पारिवारिक कोर्ट के भवन निर्माण करने के समय जून 2021 में कॉन्ट्रेक्टर की ओर से यहां बिना स्वीकृति के अवैध रूप से राज्य वृक्ष खेजड़ी पेड़ काटे गए थे। उस समय जिला एवं सेशन न्यायाधीश संजीव मागो और तत्कालीन कलेक्टर नथमल डिडेल की ओर से मध्यस्थता कर कंस्ट्रक्शन कंपनी और वृक्ष प्रेमियों के मध्य समझौता करवाया गया।

समझौते के अनुसार उस समय निर्माण करने वाली फर्म सिद्धू कंस्ट्रक्शन कंपनी की ओर से 30 जून 2021 को लिखित अनुबंध किया गया था कि निर्माण करने वाली फर्म खेजड़ी के 250 पौधे स्वयं के खर्च पर कोर्ट परिसर में मय ट्री गार्ड लगाएगी और दो वर्ष तक इनकी देखभाल करेगी। बिश्नोई ने बताया कि अनुबंध के तहत पेड़ों की सार-सम्भाल करना तो दूर कम्पनी की ओर से खेजड़ी का एक भी पेड़ नहीं लगाया गया है जो अनुबंध का उलंघन है। रामकुमार बिश्नोई ने बताया कि शनिवार को नवनिर्मित कोर्ट भवन का लोकार्पण राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधिपति मनोज गर्ग की ओर से किया जाना है। बिश्नोई ने बताया कि काटे खेजड़ी के पेड़ों के स्थान पर बिश्नोई समाज एवं वृक्ष प्रेमियों की ओर से शनिवार को वृक्षों की आत्मिक शांति के लिए विरोध स्वरूप हवन कर विरोध प्रकट करने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान ओम बिश्नोई, राजेश बिश्नोई, जूडो कोच विनीत बिश्नोई, विक्रमजीत बिश्नोई, जयपाल गोदारा, विकास झोरड़, कमलदीप चहल, मनदीप सिंह, बृजमोहन, ओम बिश्नोई आदि मौजूद थे।

शराब से भरी कार जब्त, एक गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। खेरवाड़ा थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान छह लाख रूपये की अवैध शराब से भरी कार जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान खेरवाड़ा थानाधिकारी साबिर खान के नेतृत्व में गठित दल ने खेरवाड़ा हाइवे होटल भाग्योदय के सामने नाकाबंदी की।इस दौरान आई कार को रोका चालक से मोतीसिंह पुत्र जुगतसिंह निवासी मीठडा बाडमेर था। पूछताछ में संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर तलाशी ली तो उसमें छह लाख रूपये मूल्य की हरियाणा निर्मित अवैध शराब पाई गई। इस पर पुलिस ने शराब से भरी कार जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

वहीं टीडी थाना पुलिस ने तीन लाख रूपये की अवैध शराब से भरी कार जब्त की। जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान टीडी थानाधिकारी कमलेन्द्रसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने थाने के सामने आइवे पर नाकाबंदी का तो चालक नाकाबंदी तोड़ भागने लगा। पुलिस द्वारा पीछा करने पर चालक सेरा की तरफ जंगल में कार छोड़ कर फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर अवैध शराब से भरी कार जब्त की। कार में करीब तीन लाख रूपये की अवैध शराब के 54 कर्टन भरे थे।

पावटा सहित आसपास के क्षेत्र में डेंगू का खतरा बढ़ा

अस्पतालों में बुखार के मरीजों की भारी भीड़

पावटा अस्पताल में भर्ती मरीज।

पावटा, (निसं)। इन दिनों बुखार के मरीजों की संख्या में जबरदस्त इजाफा हो रहा है। प्राइवेट से लेकर सरकारी अस्पतालों तक मरीजों की लाइन लगी हुई है। पावटा सहित आसपास के क्षेत्र में भी डेंगू के लगातार मरीज मिल रहे हैं। सरकारी आंकड़ा भले ही ज्यादा मरीजों की पुष्टि न करता हो लेकिन प्राइवेट लैबों में हो रही जांचों में डेंगू की पुष्टि हो रही है।

ठंड शुरु हो चुकी है लेकिन दिन में तापमान बढ़ा हुआ रहता है। इसके चलते सर्दी, जुकाम, बुखार के मरीजों में बहुत ज्यादा इजाफा हो गया है। वहीं खतरनाक डेंगू भी तेजी से पांव पसार रहा है। गुरूवार तक के सरकारी आंकडे की बात करें तो डेंगू व वायरल के मरीज ज्यादा हैं। जिनका इलाज जारी है। पावटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. देवेंद्र शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एस के वर्मा, अशोक जाट, पावटा गुप्ता हॉस्पिटल से डॉ.रवि गुप्ता, अंजलि गुप्ता ने बताया कि इस समय मौसम के बदलाव के चलते सर्दी, जुकाम बुखार के मरीज बढे हुए हैं। वायरल संक्रमण के चलते बुखार के मरीजों की संख्या ज्यादा है। उन्होंने बताया कि डेंगू मलेरिया से बचाव के लिए घर के नजदीक पानी का जमाव न होने पाए, साफ सफाई का ध्यान रखें।

डॉ. अशोक जाट व प्राईवेट गुप्ता हॉस्पिटल डॉ. रवि गुप्ता ने बताया कि डेंगू के प्रमुख लक्षणों की बात करें तो भूख कम लगना, ठंड लगकर बुखार आना, सिर और आंखों में दर्द होना, शरीर और जोडों में दर्द होना पेट के निचले हिस्से में दर्द होना, जी मिचलाना उल्टी दस्त आना, गंभीर स्थिति में आंख और नाक से खून आना, शरीर में लाल निशान, चक्कते और खुजली होना। यदि इनमें से कोई लक्षण हैं तो तुरन्त जांच कराकर इलाज शुरू कर देना चाहिए।

'ब्रुसेलोसिस रोग' से ग्रसित एक दिन में चार रोगी मिले

- दो भर्ती, लक्षण-बुखार,बदन दर्द, सांस में तकलीफ

बीकानेर, (कासं)। डेंगू- मलेरिया प्रकोप के बीच अब जानवरों से इंसानों में फैलने वाली बीमारी ब्रुसेलोसिस का डर भी सताने लगा है। पीबीएम हॉस्पिटल में पिछले 24 घंटे में बुखार पीड़ित पांच रोगियों की जांच में से चार में इस बीमारी की पुष्टि हुई है। इनमें से दो की हालत खराब होने के कारण भर्ती रखा गया है। रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को भेजी गई है जहां से उन इलाकों में स्क्रीनिंग की जाएगी जहां रोगी रिपोर्ट हुए हैं।

तेज बुखार, बदन में दर्द, सांस लेने में तकलीफ के रोगियों का कई दिनों तक इलाज होने के बाद भी जब फर्क नहीं आया तो ब्रुसेलोसिस की आशंका में जांच करवाई गई है। मेडिकल कॉलेज की लैब में पांच सैंपल की जांच की गई इनमें से चार में ब्रुसेलोसिस की पुष्टि हुई है। इनमें से दो भर्ती हैं। पशु रोग विशेष डा.नरेश शर्मा के मुताबिक, संक्रमित जानवर के आस-पास लंबे समय तक रहने, उसका कच्चा दूध पीने, कच्चा मांस खाने के साथ ही पशु के प्रसव के दौरान सावधानी-सतर्कता नहीं रखने से भी यह बीमारी जानवरों से इंसानों में फैलने का खतरा रहता है। नेशनल एनिमल डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम (एनएडीसीपी) में वैक्सीनेशन के लिए ब्रुसेलोसिस को भी शामिल किया गया है। ब्रुसेलोसिस के टीके भी फ्री लगाने का आदेश सरकार ने दिया है। इसके लिए वर्ष 2019 से 2024 तक पांच साल के लिए 13343 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

कांग्रेस नेता गोपाल केसावत की बेटी अहमदाबाद में मिली

जयपुर पुलिस अहमदाबाद से युवती को लेकर जयपुर के लिए रवाना हो गई है

- अब तक की जांच में सामने आया कि युवती स्कूटी छोड़कर ऑटो से बस स्टैंड पहुंची, जहां बस पकड़कर अकेली अहमदाबाद के लिए रवाना हो गई थी।
- पुलिस ने गुजरात में उसके दो-तीन कॉन्टैक्ट्स का पता लगाया। इस दौरान उसके अपने एक दोस्त के पास होने की जानकारी मिली।

जयपुर,(कासं)। राजधानी के प्रताप नगर इलाके से चार दिन गायब हुई कांग्रेस नेता की बेटी गुजरात के अहमदाबाद में मिल गई है। पुलिस ने उसे सकुशल दस्तयाब किया है। पुलिस टीम अहमदाबाद से युवती को लेकर जयपुर के लिए रवाना हो गई है।

डीसीपी ईस्ट करण शर्मा ने बताया 20 नवंबर की शाम को कांग्रेस नेता गोपाल केसावत की बेटी अभिलाषा केसावत (21) गायब थी। लड़की ने पिता को फोन पर कहा था कि कुछ लड़के पीछा कर रहे हैं। पापा, जल्दी आ जाओ। पिता ने सोमवार देर रात थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ बेटी के अपहरण का मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया था कि अभिलाषा स्कूटी से सब्जी लेने के लिए एनआरआई सर्किल तक गई थी। नहीं लौटी तो परिवार ने ढूंढना शुरू किया। इस बीच 21 नवंबर की सुबह स्कूटी एयरपोर्ट रोड पर लावारिस खड़ी हुई मिली थी। इस पर डीसीपी ईस्ट करण शर्मा ने पुलिस टीमें बनाकर युवती की तलाश में भेजी। इस दौरान पुलिस को सीसीटीवी खंगालने पर पता चला कि युवती एयरपोर्ट रोड पर अपनी स्कूटी छोड़कर ऑटो से बस स्टैंड गई। जहां वह अकेली बस में बैठकर अहमदाबाद के लिए रवाना हो गई। वहीं उसकी लास्ट लोकेशन भी वहीं मिली। इस इनपुट को डबलप करते हुए पुलिस ने युवती गुजरात में कंटैक्टस का पता लगाया। इस दौरान पुलिस को उसके मिलने वाले दो-तीन लोगों के बारे में जानकारी मिली। जांच पड़ताल में पुलिस को युवती अहमदाबाद में उसके दोस्त के पास होने का पता चला। इस पुलिस टीम ने गुरूवार को अहमदाबाद पहुंचकर उसे एक सलून से सकुशल दस्तयाब कर लिया है। पुलिस टीम युवती को लेकर जयपुर के लिए रवाना हो गई है। जयपुर पहुंचने के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया जाएगा। डीसीपी ने बताया कि लड़की अपनी इच्छा से घर छोड़कर गई थी। क्या कारण रहा इसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में विरोध दर्ज कराएंगे संविदाकर्मी

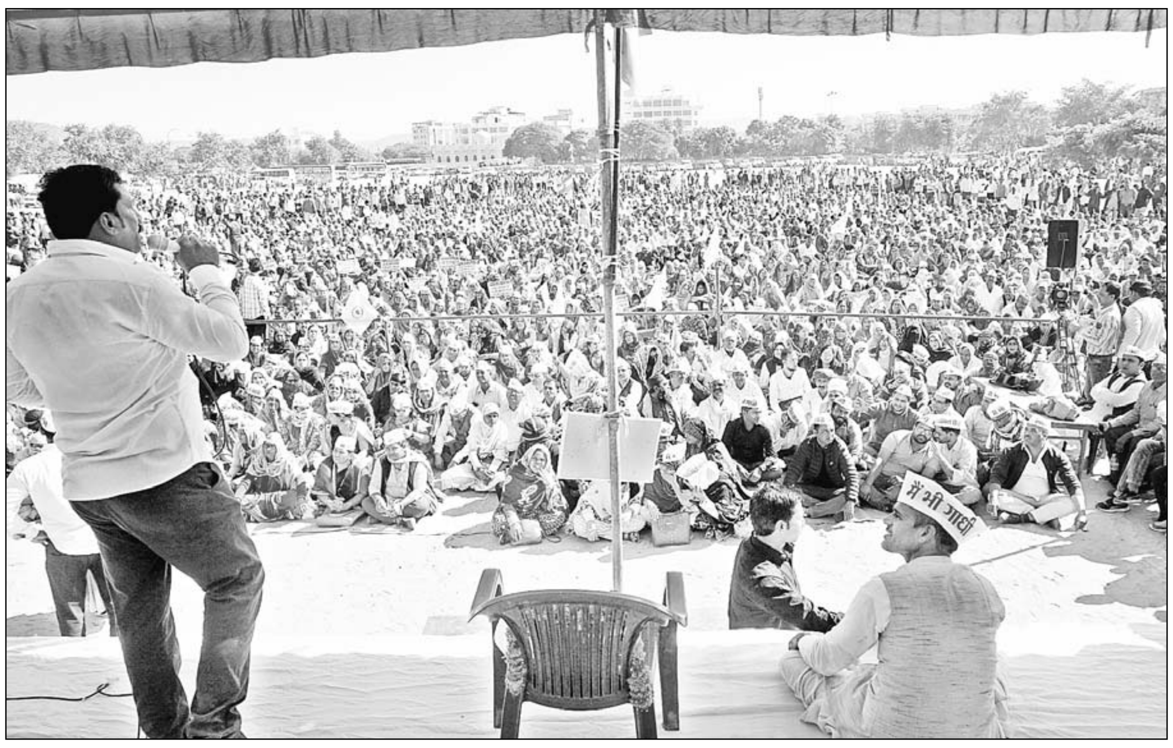

जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में गुरूवार को प्रदेशभर में हजारों संविदा कर्मचारियों ने गहलोत सरकार के खिलाफ हुंकार भरी।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में गुरूवार को प्रदेशभर में हजारों संविदा कर्मचारियों ने गहलोत सरकार के खिलाफ हुंकार भरी। राजस्थान में अलग-अलग सरकारी विभागों में संविदा पर कार्यरत इन कार्मिकों ने राजस्थान सिविल सेवा पदों पर संविदा कार्मिक रखे जाने वाले नियम का विरोध जताते हुए धरना दिया। संविदाकर्मियों ने साफ चेतावनी दी है कि अगले माह राजस्थान में जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा होगी, तब वे अपना विरोध दर्ज कराएंगे।

इन संविदा कार्मिकों की मुख्य मांग यह थी कि हाल ही में जारी संविदा कार्मिकों के नियम में विभिन्न विभागों में पिछले 15 से 20 वर्षों से भी अधिक अवधि से कार्यरत संविदा कार्मिकों के अनुभव को शून्य मानते हुए 5 वर्ष के लिए पुन: संविदा पर रखा जा रहा है। जिसमें कहीं भी नियमितीकरण का कोई भी खाका नहीं है। संविदा संयुक्त मोर्चा के संयोजक शमशेर खां भालू ने कहा कि यह एक सांकेतिक विरोध-प्रदर्शन था, अगर सरकार ने जल्द ही संविदा कार्मिकों को नियमित नहीं किया तो बड़े स्तर पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

डीजीपी ने कुश्ती विजेताओं को सम्मानित किया

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने पुलिस मुख्यालय में 71वीं अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती कलस्टर-2022 के मैडलिस्ट राजस्थान पुलिस के खिलाड़ियों को गुरुवार को सम्मानित किया।

जयपुर। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने पुलिस मुख्यालय मे 71वीं अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती कलस्टर-2022 के मैडलिस्ट राजस्थान पुलिस के खिलाड़ियों को गुरुवार को सम्मानित किया गया।

डीजीपी मिश्रा ने अभिनंदन समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों ने पदक विजेता खिलाड़ियों को शुभकानाएं दी एवं उनके उल्लेखनीय खेल प्रदर्शन की सराहना की। समारोह में उपस्थित पदक विजेता खिलाडियों ने डीजीपी मिश्रा को अखिल भारतीय पुलिस प्रतियोगिता में किये गये खेल प्रदर्शन के सम्बंध मे जानकारी दी। राजस्थान पुलिस के मुख्य खेल अधिकारी तथा एडीजी आर्म्ड बटालियन जंगा श्रीनिवास राव ने बताया कि महाराष्ट्र पुलिस द्वारा पुणे में आयोजित 71वीं अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती कलस्टर-2022 में राजस्थान पुलिस के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन दिखाते हुए 6 स्वर्ण पदक, 9 रजत पदक एवं 6 कांस्य पदक सहित कुल 21 पदक प्राप्त किये है। कबड्डी के पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान की विजेता ट्रॉफी तथा महिला वर्ग में द्वितीय स्थान की उप विजेता ट्रॉफी के अलावा बॉडी बिल्डिंग महिला चैंपियनशिप की ट्रॉफी प्राप्त की।

राजस्थान हाईकोर्ट को जल्द मिलेंगे आठ नए न्यायाधीश

जयपुर, (का.सं.)। न्यायाधीशों की कमी से जूझ रहे राजस्थान हाईकोर्ट को जल्द ही आठ नए न्यायाधीश मिलेंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने न्यायिक कोटे से छह और वकील कोटे से दो नामों की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है। केंद्र सरकार इन नामों पर विचार करने के बाद जल्द ही इनके नियुक्ति वारंट राष्ट्रपति भवन से जारी होंगे।

जानकारी के अनुसार न्यायिक कोटे से राजेंद्र प्रकाश सोनी, अशोक कुमार जैन, योगेंद्र कुमार पुरोहित, भुवन गोयल, प्रवीर भटनागर और आशुतोष कुमार का नाम भेजा गया है। वहीं वकील कोटे से अनिल उपमन और नूपुर भाटी का नाम सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र सरकार को भेजा है। गौरतलब है कि तत्कालीन सीजे अकील कुरैशी के समय इन नामों की सिफारिश हाइकोर्ट कॉलेजियम ने सुप्रीम कोर्ट को भेजी थी। मालूम हो कि राजस्थान हाइकोर्ट में न्यायाधीशों के 50 पद स्वीकृत हैं।

जयपुर म्यूजिक स्टेज में बेहतरीन कलाकारों का होगा दबदबा

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 के समानांतर चलने वाले जयपुर म्यूजिक स्टेज में दुनिया के बेहतरीन परफ़ॉर्मर अपनी कला का जादू दिखायेंगे। श्रोताओं को अपने सुरों से मंत्रमुग्ध कर देने वाले, जयपुर म्यूजिक स्टेज का आयोजन 19 से 21 जनवरी को होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में किया जायेगा, जिसमें देश-दुनिया के नामी कलाकार दस्तक देंगे।

हर साल की तरह, म्यूजिक स्टेज इस साल भी विविधता, खोज और सहयोग के अपने वादे पर खरा उतरते हुए कई नए प्रयोगों को समर्थन देगा। इस साल भी जयपुर म्यूजिक स्टेज के मंच पर संगीत की विभिन्न विधाओं के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे और साथ ही दूसरे कलाकारों की साझेदारी में कुछ अद्भुत भी रचेंगे।

संगीत के इस महाउत्सव में शामिल होने वाले कलाकार हैं फ्यूज़न बैंड पक्षी; कंटेम्पररी इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक प्रोडक्शन हाउस लिफाफा; बीसी मंजुनाथ, दर्शन दोशी, नाथू लाल सोलंकी, प्रमथ किरण और प्रवीण डी.राव के साथ रिदम्स ऑफ़ इंडिया; ट्रांस-कल्चरल म्यूजिकल फैक्टरी ऑफ़ आइडियाज पीटर कैट रिकॉर्डिंग कंपनी (पीसीआरसी), निओ-क्लासिकल बैंड शैडो एंड लाइट, और निओ-फोक फ्यूज़न बैंड कबीर कैफे।

राजस्थान ग्रामीण पर्यटन नीति लागू

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित हुई। इसमें राज्य कार्मिकों को पदोन्नति के अधिक अवसर देने, राजस्थान के पर्यटन को बढ़ावा देने, राजस्थान सिविल सेवा (भूतपूर्व सैनिकों का आमेलन) नियम में संशोधन, राजस्थान बेघर उत्थान एवं पुनर्वास नीति के प्रस्ताव पर अनुमोदन सहित कई अहम निर्णय लिए गए हैं।

मंत्रिमंडल ने राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना-2022 का अनुमोदन किया है। बजट घोषणा वर्ष 2022-23 की पालना में तैयार योजना से ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित की जाने वाली पर्यटन इकाईयों यथा ग्रामीण गेस्ट हाउस, कृषि पर्यटन इकाई, कैम्पिंग साइट, कैरावेन पार्क की स्थापना से गांवों में रोजगार सृजित होंगे और ग्रामीण हस्तशिल्प को संरक्षण मिलेगा। वहीं, देशी-विदेशी पर्यटक राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से रूबरू हो सकेंगे।

मंत्रिमंडल बैठक में 'राजस्थान बेघर उत्थान एवं पुनर्वास नीति-2022' का अनुमोदन किया गया।

एनओसी जारी करने के बाद भी बकाया वसूली निकालने पर कोर्ट नाराज

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चौपहिया वाहन खरीदने के बाद आरटीओ की ओर से एनओसी जारी करने के बावजूद पुराने चालान बताकर वसूली निकालने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार की ओर से याचिकाकर्ता के चालान समाप्त करने के आश्वासन के बाद याचिकाकर्ता को आदेश दिए कि वह धौलपुर आरटीओ के समक्ष तीस नवंबर को पेश हो। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश सीताराम की अपील पर दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में प्रमुख परिवहन सचिव आनंद कुमार अदालत में पेश हुए। अदालत ने अधिकारी से पूछा कि जब एक बार एनओसी जारी हो चुकी है तो आरटीओ पुराने चालान के आधार पर सात साल बाद वसूली क्यों की जा रही है। इस पर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि पहले ऑनलाइन व्यवस्था नहीं होने के कारण ऐसा हुआ है। इसलिए अब याचिकाकर्ता को जारी चालान को पन्द्रह दिन में वापस ले लेंगे। इस पर अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता प्रकरण के निस्तारण के लिए आरटीओ के समक्ष पेश हो। अपील में अधिवक्ता सतीश खंडेलवाल ने कहा कि अपीलार्थी ने जोधपुर से एक ट्रक खरीदा वर्ष 2014 में था। इसे लेकर जोधपुर आरटीओ ने एनओसी भी जारी कर दी थी। वहीं बाद में अपीलार्थी ने वाहन को अपने नाम करवाकर धौलपुर आरटीओ में पंजीकृत करा लिया। वर्ष 2021 में जब वह फिटनेस कराने पहुंचा तो विभाग ने बताया कि उसके वर्ष 2010 और वर्ष 2013 के ओवरलोडिंग के चालान की करीब दो लाख रुपए की राशि जमा नहीं हुई है।

तबादले पर रोक

जयपुर। हाईकोर्ट ने मेल नर्स के पद पर कार्य कर रही महिला नर्सिंग ऑफिसर को सरप्लस कर उसका तबादला दूसरे जिले में करने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में चिकित्सा सचिव और झुंझुनूं सीएमएचओ को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश सुनीता की याचिका पर दिए।

मंत्री और विधायक की समझाइश के बाद भी धरने से उठने को तैयार नहीं हुए पार्षद

हैरिटेज नगर निगम में संचालन समितियां सात दिन में बनवाने का आश्वासन दिया मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और विधायक अमीन कागजी ने, लेकिन पार्षदों ने नहीं दिखाया भरोसा

हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय में धरने पर बैठे पार्षदों को मनाने मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और विधायक अमीन कागजी पहुंचे। फोटो-राष्ट्रदूत

- बताया जा रहा है कि कांग्रेस के चार विधायकों में रुतबेदार कमेटियों और उनकी संख्या को लेकर टकराव है, इस कारण बीते दो साल से यह कार्य अटका हुआ है
- हैरिटेज निगम में कांग्रेस का बोर्ड बनवाने में मददगार रहे नौ निर्दलीय पार्षदों को दो साल बीतने के बाद भी चेयरमैन की कुर्सी नहीं मिली तो अब खुलकर सामने आई है नाराजगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। कांग्रेस ने निर्दलीय पार्षदों के जोड़-तोड़ से जयपुर हैरिटेज नगर निगम में मुनेश गुर्जर को महापौर तो बना दिया, लेकिन 2 साल का कार्यकाल बीतने के बावजूद संचालन समितियां न तो मेयर बना पाई और न ही राज्य सरकार। अब गहलोत सरकार के विरोध में कांग्रेस व निर्दलीय पार्षद खुलकर उतर आए है। हैरिटेज नगर निगम में बुधवार सुबह धरने पर बैठे पार्षदों ने रात भी धरना देते हुए गुजारी। गुरूवार सुबह मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास और विधायक अमीन कागजी ने धरनास्थल पर पहुंचकर 7 दिन में संचालन समितियां गठित करवाने का आश्वासन भी दिया, लेकिन धरने पर बैठे पार्षदों ने मंत्री और विधायक पर भरोसा नहीं दिखाया।

सूत्रों के मुताबिक मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने तो इतना बोल दिया कि इन कमेटियों पर पहला हक निर्दलीय पार्षदों का ही है। उन्होंने कहा कि 7 दिन के अंदर सभी विधायक एक साथ बैठकर नाम फाइनल कर देंगे और कमेटियां बना देंगे। हालांकि धरने पर बैठे पार्षद अपनी जिद पर अड़े रहे और स्पष्ट शब्दों में कह दिया जब तक कमेटियां नहीं बनेगी, तब तक धरने से नहीं उठेंगे। सूत्रों की मानें तो नगर निगम हैरिटेज क्षेत्र में 4 विधानसभा क्षेत्र आते है। इसमें सिविल लाइन्स और आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र से 10-10 से ज्यादा पार्षद जीतकर आए है, जबकि किशनपोल और हवामहल में 10 या उससे कम है। सिविल लाईन्स विधायक प्रताप सिंह और आदर्श नगर विधायक रफीक खान चाहते है कि कमेटियां जीते हुए पार्षदों के अनुपात में हो, जबकि अन्य दो विधायक महेश जोशी और अमीन कागजी चाहते है कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में बराबर-बराबर कमेटियां मिले। इस कारण से अब तक ये चारों विधायक कमेटियों के लिए नाम फाइनल नहीं कर पाए है। सूत्रों का कहना है कि टकराव का मूल कारण कमेटियों की संख्या के साथ-साथ अच्छी कमेटियां का भी है। विधायक चाहते है कि अच्छी कमेटियां वे अपने चहेते पार्षदों को दिलवाए। इसमें भवन निर्माण समिति, लाइसेंस समिति, वित्त समिति, सफाई समिति, लाइट और उद्यान समिति प्रमुख है। इस कारण भी अब तक न तो संख्या तय कर पाए और न ही चैयरमेन के नामों की सूची।

बताया जा रहा है कि कमेटियां की संख्या पर हुए इस विवाद को खत्म करने के लिए पिछले साथ इन विधायकों ने 21 निर्धारित कमेटियों के अलावा अतिरिक्त 7-8 समितियां बनाने का प्रस्ताव तैयार करके नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल को भिजवाया था, लेकिन धारीवाल ने इन अतिरिक्त कमेटियों को बनाने से साफ मना कर दिया। क्योंकि नगर निगम ग्रेटर में जब 21 कमेटियों के अलावा 7 अतिरिक्त कमेटियां बनी थी, तब राज्य सरकार ने एक आदेश जारी करते हुए सभी कमेटियों को रद्द कर दिया था।

ज्ञात रहे कि हैरिटेज नगर निगम में 100 सदस्यों वाले बोर्ड में कांग्रेस के 47 सदस्य है। यहां 11 निर्दलीय पार्षदों में से 9 लोगों ने समर्थन देते हुए कांग्रेस बोर्ड बनाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा कांग्रेस का मेयर बनाने में भी इन्ही निर्दलीयों ने अहम भूमिका निभाई है। तब कांग्रेस ने इनको वादा किया था कि संचालन समितियों में सभी को प्रमुखता से जगह दी जाएगी। लेकिन अब ये पार्षद खुद को ठगा सा महसूस कर रहे है।

न्यायिक कर्मियों का सामूहिक अवकाश जारी

जयपुर। न्यायिक अफसर के निवास पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुभाष मेहरा के आत्मदाह से जुड़े मामले को लेकर जिला न्यायालय सहित जयपुर मेट्रो प्रथम व द्वितीय के न्यायिक कर्मचारी गुरुवार को भी सामूहिक अवकाश पर रहे। वहीं कर्मचारी संघ व आंदोलन संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों ने हाईकोर्ट की ओर से मामले में गृह विभाग के विशेष सचिव युधिष्ठिर शर्मा की कमेटी से वार्ता की। कमेटी से करीब पौने दो घंटे हुई वार्ता में संघर्ष समिति के अध्यक्ष बद्रीलाल चौधरी, जिलाध्यक्ष सतवीर सिंह, नरेन्द्र यादव व सतीश गुप्ता सहित मृतक कर्मचारी के आश्रित शामिल हुए। कर्मचारियों ने कमेटी को अपनी मांगों और घटना की जानकारी दी।

वर्ल्ड रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का रहा दबदबा

उत्तर-पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ, जयपुर की ओर से आयोजित यूएसआईसी वर्ल्ड रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप प्रतियोगिता में देशी-विदेशी टीमों ने भाग लिया।

जयपुर, (का.सं.)। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड, नई दिल्ली के तत्वाधान में उत्तर पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ, जयपुर द्वारा आयोजित यूएसआईसी वर्ल्ड रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप प्रतियोगिता 2022 में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा कायम रहा एवं पुरूष, महिला तथा मिश्रित युगल के फाइनल में जगह बनाई है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार महिला युगल सेमीफाइनल मे सुतीर्था मुखर्जी/प्राप्ति सेन (भारत) एवं स्त्रोनादोवा कारोबीना/एस. जाना (चैक गणराज्य) ने अपने मुकाबले जीत कर फाइनल में जगह बनाई। इसी प्रकार पुरूष युगल के सेमीफाइनल में रोनित भाजा/अनुक्रम जैन (भारत) एवं अनिर्बन घोष/अनिर्बन नन्दी (भारत) ने फाइनल में जगह बनाई।

मिश्रित युगल सेमीफाइनल में अनिर्बन घोष/सुतीर्था मुखर्जी (भारत) ने फ्लिबोर ज्बीनेक/ स्त्रोनादोवा कारोबीना (चैक गणराज्य) को 0-3 से एवं अनुक्रम जैन/पोयमंती वैश्य (भारत) ने रोहित भाजा/प्राप्ती सेन (भारत) को 2-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

आज पुरूष एवं महिला एक मुकाबले भी प्रारम्भ हुए। विभिन्न लींग मैचों के बाद आयोजित क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा कायम रहा एवं भारत के रोनित भाजा, अनिबेन नन्दी, अनुक्रम जैन एवं अनिर्बन घोष ने पुरूष एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसी प्रकार महिला क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सुतीर्था मुखर्जी (भारत), स्त्रोनादोवा कारोबीना (चैक गणराज्य), पोशमंति वैश्य (भारत) एवं प्राप्ति सेन (भारत) ने मैच जीतकर सेमी फाइनल में जगह बनाई।

फायरिंग से पहले रैकी करने वाला बदमाश भी गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। मुरलीपुरा पुलिस ने विवाहिता अंजलि पर फायरिंग से पहले इलाके की रैकी करने वाले बदमाश मोहम्मद जुबैर निवासी जौहरी बाजार को गिरफ्तार किया है। दरअसल अंजलि ने मोहम्मद लतीफ के साथ लव मैरिज की थी, इस कारण उसका जेठ अब्दुल अजीज व अन्य परिवारजन नाराज थे।

आरोपी अब्दुल अजीज ने अपने परिचित मोहम्मद राजा को कहकर अंजलि पर फायरिंग करवाई थी। आरोपी राजा ने चूडी बनाने वाले अपने परिचित मो.कलीम आर आबिद को वारदात के लिए तैयार किया। तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस पूछताछ में सामने आया कि जौहरी बाजार निवासी मोहम्मद जुबैर भी पिछले 15-20 दिनों से कलीम और आबिद के साथ स्कूटी पर घूमकर इलाके की रैकी कर रहा था।

वैश्यावृत्ति मामले में दो दलाल गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। चित्रकूट थाना पुलिस ने वेश्यावृत्ति के मामले में दो दलालों को गिरफ्तार किया है। वहीं बाहरी राज्यों से बुलाई गई दस लड़कियों को दस्तयाब किया हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी वाट्सएप के जरिए पहले लड़कियों की फोटो मंगवाते थे और पैसे के लेनदेने का सौदा करते थे। पुलिस इस मामले में गहनता से जांच कर रही हैं। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात को मुखबिर से सूचना मिली कि चित्रकूट निवासी सुमित शर्मा उर्फ चिंटू शर्मा महिलाओं से वेश्यावृत्ति करवाता है। जयपुर में अलग-अलग जगह लड़कियों को ठहराता है। इस पर पुलिस ने दबिश देकर दो जनों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी वेश्यावृत्ति के लिए ऑनलाइन ग्राहक बुक कर लड़कियां भिजवाते है। आरोपी सुमित ने इस काम के लिए चार मोबाइल नंबर ले रखे हैं। पुलिस ने उसे करणी विहार थाना अंतर्गत जीडीसी क्लब के पास पकड़ा। उसके मोबाइल में बड़ी संख्या लड़कियों की फोटो मिली है, जो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के जरिए ग्राहकों को भेजी हुई थी। वेश्यावृत्ति के लिए पैसों की लेन-देन की बातचीत भी मिली। आरोपी सुमित को गिरफ्तार किया गया और लड़कियों को वेश्यावृत्ति के लिए ग्राहकों के पास पहुंचाने और वापस लाने का काम करने वाले मूलत: नीमकाथाना स्थित चीचडोली हाल मोती नगर निवासी हेमेन्द्र सिंह उर्फ हैप्पी राजपूत (24) को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने बताया कि शहर में अलग-अलग जगह 10 लड़कियां ठहरा रखी है, जिन्हें वेश्यावृत्ति के लिए लाया गया है। आरोपी सुमित से वेश्यावृत्ति के लिए भेजी जाने वाली लड़कियों से कमिशन के तौर पर लिए गए 18800 रुपए भी बरामद किए।

आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति व योग से रोग मुक्त रह सकते हैं : प्रो. सिंह

बीकानेर, (कासं)। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा रोगाणु रोधक जागरूकता सप्ताह-2022 के तहत आयोजित व्याख्यान में कुलपति प्रो. वी. के. सिंह ने बताया कि किस प्रकार भारत की आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति व योग का हमारे जीवन व स्वास्थ्य के लिए महत्व है तथा इनको अपने जीवन का हिस्सा बनाकर हम रोग मुक्त समाज स्थापित कर सकते हैं।

प्रो. सिंह ने इस अवसर पर सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों व विद्यार्थियों की गोदित गांव के वासियों व शहर के आमजनों में स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता फैलाने के लिए समय-समय पर किये गए कार्यों की सराहना की।

इस कार्यक्रम में सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं इम्यूनोलॉजी विभाग के पूर्व वरिष्ठ आचार्य डॉ. बी. पी. शर्मा ने जीवाणुरोधी दवाओं के उपयोग से संबंधित जानकारी द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों मे जागरूकता फैलाने के लिए विस्तृत व्याख्यान दिया। प्रो. शर्मा ने बताया कि जीवाणुरोधी दवा बिना भेदभाव के अच्छे और हानिकारक दोनों ही जीवाणुओं को नष्ट कर देती है तथा हमारे शरीर की रोगाणुरोधी क्षमता को भी नुकसान पंहुचाती है।

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा रोगाणु रोधक जागरूकता सप्ताह के तहत आयोजित व्याख्यान को कुलपति प्रो. वी. के. सिंह ने संबोधित किया।

उन्होंने अवगत कराया कि जीवाणुरोधी दवाओं का उपयोग बीमारी की उपयुक्त जांच उपरांत किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में यह भी बताया कि मनुष्य के बीमार होने की मुख्य वजह जीवाणु तथा अन्य हानिकारक सूक्ष्मजीव नहीं है बल्कि हमारी कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता है। अतः स्वस्थ रहने के लिए हर मनुष्य को अपनी दैनिक चर्या में सुधार करते हुए अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को उचित स्तर पर लाने की आवश्यकता है जिससे की रोग मुक्त जीवन प्राप्त किया जा सके तथा हमारी सूक्ष्मजीव रोधी दवाओं पर निर्भरता कम से कम हो सके। कार्यक्रम के दौरान पधारे अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजाराम चोयल ने किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. गौतम कुमार मेघवंशी द्वारा विषय प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम की संकल्पना व आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का संचालन, आयोजन प्रभारी डॉ. धर्मेश हरवानी द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

इस कार्यक्रम में विष्वविद्यालय के अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खेत से सोलर प्लेट चोरी मामले में 3 गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। रावतसर में पुलिस ने खेत से सोलर प्लेट-बैटरी सहित अन्य सामान चोरी करने के मामले में 3 चोरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है। वहीं पुलिस चोरों से पूछताछ में जुट गई है।

रावतसर पुलिस थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि 18 नवम्बर को दर्ज हुए मामले की जांच कर रहे हैड कांस्टेबल अशोक कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने वारदात को ट्रेस करने के लिए संदिग्धों से पूछताछ की। घटनास्थल का निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को चैक किया गया। तकनीकी साधनों का प्रयोग कर आरोपियों को नामजद किया गया। इसके बाद युवराज सिंह पुत्र मदनसिंह राजपूत निवासी वार्ड 4, रावतसर, विनोद कुमार पुत्र राजकुमार नायक निवासी वार्ड 4, रावतसर और सीताराम पुत्र जगदीश प्रसाद कुम्हार निवासी वार्ड 17, रावतसर को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की। पुलिस ने चोरों से 2 सोलर प्लेट, 2 बैटरी, 2 झटका मशीन और 2 चार्जर बरामद किए हैं।

राकेश कुमार पुत्र मंशाराम जाट ने गिरधारी पुत्र पतराम जाट और धन्नाराम पुत्र सतराम जाट निवासी मानकेरिया तहसील पल्लू के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी कृषि भूमि रोही मानकेरिया में स्थित है।

हाईवे पर पलटी चारे से भरी ट्रॉली

सूरतगढ़, (कासं)। बीकानेर नेशनल हाइवे संख्या 62 इंदिरा गांधी नहर परियोजना की आरडी 236 पर स्थित क्षतिग्रस्त पुल पर पराली से भरी एक ट्राली गड्ढों में पलट गई। जर्जर पुल पर प्रतिदिन हो रहे हादसों के बावजूद हाईवे अथॉरिटी व टोल प्लाजा कम्पनी पुल की मरम्मत नहीं करवा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार हाईवे पर बिरधवाल चौकी के समीप ही बने इस पुल पर शाम को पराली से भरी ट्रॉली पुल को पार करते समय गढ्डों की वजह से अनियंत्रित होकर पुल के किनारे पलट गई। इससे हाईवे के दोनों ओर करीब 2 किलोमीटर लम्बा वाहनों का जाम लग गया। पास ही स्थित बिरधवाल चौकी पुलिस का स्टाफ मौके पर पहुंचा और मशक्कत आवागमन सुचारू करवाया।

गौरतलब है कि बिरधवाल हैड पुलिस चौकी के पास नहर पर बना दशकों पुराना यह पुल जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। दरारों के स्थान पर लोहे की टीन लगाकर इस पर काम चलाया जा रहा है। वहीं पुल पर दरारें भी बहुत ज्यादा गहरा गई है। हाईवे पर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में वाहन गुजरते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में ओवरलोड ट्रक भी होते हैं।

चारदीवारी छोटी व क्षतिग्रस्त होने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि नहर पर बने पुल के क्षतिग्रस्त होने की वजह से यहां हमेशा अनहोनी की आंशका बनी रहती है। लेकिन हाईवे इस पुल की मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

सार-समाचार

स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम का समापन

बीकानेर, (कासं)। तकनीकी विश्वविद्यालय में 21 दिवसीय स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम का समापन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर अंबरीश शरण विद्यार्थी ने की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की क्या महत्वता है। इस कार्यक्रम के जरिए विद्यार्थी नए माहौल में कैसे अपने आपको ढाल पाता है। वह वार्षिक स्कीम से सेमेस्टर स्कीम में आता है तो यहां कोर्स को कैसे अडॉप्ट कर पाता है। इस कार्यक्रम में कराये जाने वाली गतिविधियों से उसमें टीम स्पिरिट आती है तथा अपने आपको एक्सपोज कर पाता है। इस में दिए जाने वाले एक्सपर्ट टाक से रहे नई तकनीकी को सीख पाता है तथा उसका कैसे उपयोग किया जाए इसे भी समझ पाता है। साथ ही साथ अपनी यूनिवर्सिटी को वह जान पाता है। उन्होंने बताया कि किसी भी गतिविधि में जितना उतना जरूरी नहीं है जितना कि उसमें पार्टिसिपेट करना अर्थात उस में भाग लेना। इसके साथ- साथ उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव को भी साझा किया। इसके बाद डॉ अनु शर्मा ने 21 दिवसीय कार्यक्रम में हुई गतिविधियों को पावर पाइंट प्रजेंटेशन के रूप में दिखाया तथा यह बताया कि सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया और विजेता भी बने। डॉ अनु शर्मा एवं गायत्री शर्मा ने विजेताओं के पुरस्कार की घोषणा की तथा कुलपति महोदय द्वारा सभी को पुरस्कार और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। डॉ शिखा ने बताया कि इस कार्यक्रम के भविष्य में क्या लाभ होंगे। अंत में डॉ गायत्री शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्टाफ की कमी पर स्कूल में तालाबंदी

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के रायसिंहनगर इलाके के गांव 75 एनपी के गवर्नमेंट सीनियर सैकण्डरी स्कूल में पर्याप्त स्टाफ की मांग के संबंध में गुरूवार को स्टूडेंट्स ने स्कूल के गेट पर धरना लगा दिया। इस दौरान पढ़ाई बाधित हुई। टीचर्स को भी स्कूल में प्रवेश नहीं करने दिया गया। धरने पर बैठे स्टूडेंट्स और ग्रामीणों का कहना था कि हाफ ईयरली परीक्षा पास हैं। इसके बावजूद स्कूल में पूरा स्टाफ नहीं होने से उन्हें परेशानी हो रही है। उनका कहना था कि स्कूल के लिए उन्नीस का स्टाफ स्वीकृत है। इनमें से करीब दस स्टाफ काम कर रहा है। स्टूडेंट्स सुबह से ही स्कूल के गेट पर जमा होकर नारेबाजी करने लगे। उनका कहना था कि उनकी मांग पर विभाग के अफसर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इससे उनकी पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। इस संबंध में ग्रामीणों ने सीबीईओ से भी बात की लेकिन उनके कार्रवाई के आश्वासन पर ग्रामीण नहीं मानें। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल में दो सौ से ज्यादा स्टूडेंट्स पढ़ रहे हैं। स्कूल में जितनी कक्षाएं हैं उतने टीचर्स नहीं हैं। ऐसे में हाफ ईयरली परीक्षा में स्टूडेंट्स की पढ़ाई पर असर पड़ेगा। शाम को स्कूल की छुट्टी के समय तक धरना जारी था। ग्रामीणों का कहना था कि मांगों पर कार्रवाई होने तक धरना जारी रखा जायेगा।

भाटी को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर के व्यंग्यकार व खेल समीक्षक आत्माराम भाटी को उनकी व्यंग्य आधारित पुस्तक 'परनिंदा सम रस कहुं नांहि' के लिए दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा जायेगा। युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच, दिल्ली के अध्यक्ष रामकिशोर उपाध्याय ने बताया कि दिल्ली के पब्लिक लाइब्रेरी स्थित गीतांजलि हॉल में 27 नवम्बर को होने वाले 9वें अखिल भारतीय साहित्य महोत्सव व सम्मान समारोह में भाटी को सम्मानित किया जायेगा। भाटी को संस्था का हरिशंकर परसाई व्यंग्यकार सम्मान अर्पित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए देशभर के व्यंग्य लेखकों की कृतियों पर विचार किया गया। मंच के राष्ट्रीय महासचिव ओमप्रकाश शुक्ला ने बताया कि संस्था द्वारा साहित्य की विभिन्न विधाओं व पत्रकारिता के लिए देश भर से 13 शख्सियतों को वर्ष 2022 के सम्मान के लिए चुना गया है। इन्हें सम्मान राशि, स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र व सम्मान पत्र से सम्मानित किया जायेगा। मंच की संयुक्त महासचिव वसुधा कनुप्रिया ने बताया समारोह के दौरान पुस्तकों का विमोचन भी किया जायेगा। भाटी की इस उपलब्धि पर प्रसिद्ध व्यंग्यकार प्रेम जनमेजय, लालित्य ललित, पूरण शर्मा, राजेश कुमार, प्रभाशंकर उपाध्याय, प्रवेश जैन, रमेश सैनी, रामस्वरूप दीक्षित, प्रभात गोस्वामी, किशोर श्रीवास्तव, अतुल चतुर्वेदी, सुरेश मिश्रा के साथ बीकानेर के वरिष्ठ साहित्यकार बुलाकी शर्मा, डॉ. नीरज दईया, कमल रंगा, संजय पुरोहित, राजेन्द्र जोशी, सरल विशारद, हरिशंकर आचार्य, हरीश बी. शर्मा, केंद्रीय साहित्य अकादमी में राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य आशावादी, राजस्थानी भाषा संस्कृति अकादमी के अध्यक्ष शिवराज छंगाणी, आईएएस महेन्द्र खड़गावत, आकाशवाणी के अधिकारी अमित सिंह, उदघोषक मिलिंद पांडे, प्रकाश खत्री, डॉ कुलदीप सैनी, नेमचंद गहलोत, आर. के. पड़िहार, मनोज व्यास, मनीष जोशी और मंदाकिनी जोशी आदि ने प्रसन्नता जताई है।

मोबाइल फोन छीनने वाले गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (कासं)। राह चलते युवकों से मोबाइल फोन छीनकर फरार होने वाले तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी राह चलते लोगों से मोबाइल छीनते और फरार हो जाते। मौका मिलने पर इसे बेच देते। युवकों से मोबाइल चोरी के कई अन्य मामलों में भी पूछताछ की जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाजपा मंडल कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक कार्यों पर की चर्चा

बीकानेर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी जस्सूसर मंडल के अध्यक्ष एडवोकेट मुकेश कुमार ओझा की अध्यक्षता में मंडल कार्यसमिति बैठक ओझा भवन में धर्मनगर द्वार के बाहर संपन्न हुई।

कार्यक्रम के शुरू में भारत माता के एवं डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि कर दीप प्रज्वलित कर शुरूआत भारत माता की जय के साथ की गई। जस्सूसर मंडल के उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह का स्वर्गवास हो गया था। मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पांजलि देकर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। उनके राजनीतिक और जन कल्याण के कार्य हमेशा याद रखे जायेंगे। मंच पर उपस्थित मंडल अध्यक्ष एडवोकेट मुकेश कुमार ओझा जिला उपाध्यक्ष डॉ सुषमा बिस्सा पश्चिम बूथ प्रभारी राजकुमार पारीक सत्यनारायण ओझा भगवती स्वामी उपस्थित थे। मंडल की कार्यसमिति बैठक में एडवोकेट मुकेश कुमार ओझा ने बताया की 6 जुलाई से 20 नवम्बर 2022 तक मंडल के

बीकानेर में भाजपा जस्सूसर मंडल कार्यसमिति की बैठक को मंडल अध्यक्ष मुकेश ओझा ने संबोधित किया।

कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी के संगठनात्मक कार्यों की प्रतिवेदन रिपोर्ट जिला उपाध्यक्ष सुषमा बिस्सा के माध्यम से जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह को सौंपी गई। बीकानेर जिला संगठन द्वारा श्रेष्ठ संगठनात्मक कार्यों के लिए जस्सूसर मंडल को सम्मानित भी किया गया। मंडल अध्यक्ष मुकेश ओझा ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम में मंडल के अधिकांश जगहों और घरों पर तिरंगा झंडा फहराया गया और स्वतंत्रता सेनानी वेद मघाराम शर्मा, रामनारायण शर्मा के निवास स्थान पर जाकर हर घर तिरंगा अभियान के कार्यक्रम किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस सेवा पकवाड़ा के 17 दिवसीय कार्यक्रम में जस्सूसर मंडल ने लगातार 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रदेश संगठन के मार्गदर्शन से निशुल्क चिकित्सा के शिविर बुजुर्गों एवं वृद्ध जनों को हाथ की छड़ी लंपी रोग से ग्रसित पशुधन की निस्वार्थ भावना से सेवा की। पंडित दीनदयाल जयंती मंडल के सभी 22 बूथों पर बैनर सहित और गुलाल से बनाए कमल के फूल को सभी बूथ पर मनाया गया।

नया एसआर ऑफिस खुलेगा

बीकानेर, (कासं)। जमीनों की रजिस्ट्री का काम आसान करने के लिए जल्दी ही नया सब रजिस्ट्रार ऑफिस खुलेगा। यह जिले का चौथा एसआर ऑफिस होगा जिसमें मैनेजमेंट और सारे काम पासपोर्ट ऑफिस की तर्ज पर होंगे।

प्रदेश के सभी संभाग मुख्यालयों सहित 10 नए सब रजिस्ट्रार ऑफिस खुलेंगे। इनमें बीकानेर संभाग मुख्यालय भी शामिल है जहां चौथा एसआर ऑफिस खुलेगा। इसके लिए जमीन तलाशी जा रही है। नया एसआर ऑफिस मॉडल के रूप में पासपोर्ट ऑफिस की तरह काम करेगा जहां सब रजिस्ट्रार और रिकॉर्ड कीपर की पोस्टिंग सरकार करेगी और अन्य स्टॉफ और मैनेजमेंट प्राइवेट होगा। आमजन को सभी औपचारिकताएं पूरी कर एक ही दिन में रजिस्ट्री थमा दी जायेगी। ऑफिस में वेटिंग रूम सहित अन्य जरूरी सुविधाएं भी होंगी।

डीआईजी स्टाम्प यशपाल आहूजा के पास यूआईटी सचिव का चार्ज भी है। इसलिए एसआर ऑफिस के लिए जल्दी ही सरकारी जमीन तय कर दी जायेगी। आमजन की सुविधा के लिए कचहरी परिसर के आसपास ही जगह तलाश की जा रही है।

आग की लपटों से कमरे की छत नीचे गिरी

- **शॉर्ट सर्किट से गैस सिलेंडर ने आग पकड़ ली**

अनूपगढ़, (कासं)। ग्राम पंचायत 56 जीबी के गांव 20 एएस में आज एक गैस सिलेंडर में आग लग गई। मौके पर फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने पहुंचकर बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। आगजनी की घटना में कमरे की छत पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

ग्रामीणों ने बताया कि विजय कुमार के घर में अचानक उन्होंने धुआं उड़ते हुए देखा। धुआं उठने के कारण जब वह के घर गए तो उनके घर के एक कमरे में आग लगी हुई थी। कमरे के बाहर 6 वर्षीय और एक 3 वर्षीय बच्चे खेल रहे थे। गनीमत रही कि उस समय बच्चे बाहर निकल गए थे। जिससे बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना विजय कुमार को देकर अनूपगढ़ फायर ब्रिगेड और रामसिंहपुर पुलिस थाने में दी। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड के जयपाल, राजकुमार, सुखदेव और सुरेंद्र कुमार ने ग्रामीणों की मदद से लगभग 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

विजय कुमार ने बताया कि वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ खेत में काम करने के लिए गया हुआ था और घर पर उनके परिवार के दो बच्चे थे। ग्रामीणों ने उसे फोन पर सूचना दी थी कि उसके घर में आग लग गई है। सूचना मिलने पर वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा कि कमरे में आग लगी हुई है और कमरे में रखा सारा सामान जल गया है। संभवत यह आग शॉर्ट सर्किट होने के कारण लगी है।

उन्होंने बताया कि गैस सिलेंडर की पाइप लीक हो गई थी और अचानक से शॉर्ट सर्किट हुआ जिससे यह आग लगी। आगजनी की घटना में कमरे की छत पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिर गई। कमरे में रखा हुआ सारा सामान जलकर राख हो गया। विजय कुमार ने बताया कि इस आगजनी की घटना में लगभग ढाई से तीन लाख रुपए तक का नुकसान हो गया है। घर में आग लगने की घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण मौके पर जुट गए।

पुजारी पर बालिका से दुष्कर्म का आरोप

बीकानेर, (कासं)। जिले के छतरगढ़ एरिया से नाबालिग के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया।

आरोप लगाया जा रहा है कि सात वर्ष की लड़की से मंदिर के पुजारी ने दुष्कर्म किया है। घटना की जानकारी मिलने के साथ ही छतरगढ़ पुलिस पुजारी की तलाश में जुट गई है, जो घटना के बाद से फरार था। जिसे अब राउंडअप किया गया है। छतरगढ़ थाने में लड़की की मां ने एफआईआर करवाई है कि उसकी बेटी स्कूल गई थी, वो नहीं आई तो मां देखने गई। रास्ते में मंदिर के पास बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। अंदर देखा तो पुजारी उस नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर रहा था। महिला ने जैसे-तैसे अपनी बेटी को बचाया। बाद में पुजारी वहां से फरार हो गया। इस घटना की जानकारी छतरगढ़ पुलिस को दी गई। जिसने देर रात लड़की का मेडिकल मुआयना करवाया। इसके बाद से पुजारी की तलाश की गई है।

अलग अलग दल बनाकर दबिश दी गई। सुबह तक पुजारी पुलिस के हाथ नहीं लगा था। अभी पुलिस मेडिकल रिपोर्ट का भी इंतजार कर रही है। पुलिस का एक दल मौके पर भी पहुंचा है, जहां से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुजारी घटना के बाद से फरार था लेकिन बाद में गुरुवार सुबह राउंड अप कर लिया गया।

पीजी में आवेदन 29 तक

नोखा, (निसं)। मांगीलाल बागड़ी राजकीय महाविद्यालय में पीजी पूर्वार्द्ध सत्र 2022-23 में प्रवेशित विद्यार्थियों की प्रथम सूची जारी की जा चुकी है।

प्राचार्य दिग्विजय सिंह ने बताया कि इस प्रथम प्रवेशित सूत्री के उपरांत एमए हिन्दी में ईडब्ल्यूएस, एसटी व एमबीसी वर्ग, एमए समाज शास्त्र के सामान्य के अतिरिक्त सभी वर्गों में तथा एमएससी रसायन शास्त्री में एसटी व एमबीसी वर्ग में सीटें रिक्त रही है। स्नातकोत्तर प्रवेश नोडल अधिकारी डॉ रणवीर सिंह ने बताया कि उक्त रिक्त सीटों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिसकी अंतिम तिथि 29 नवम्बर है। सत्यापन की अंतिम तिथि 7 दिसम्बर रहेगी।

खेती की जमीन हड़पने के लिए फसल की खराब

- **पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी, पहले से ही पाबंद हैं**

हनुमानगढ़, (कासं)। कृषि भूमि हड़पने के लिए खेत में घुसकर खड़ी नरमा की फसल खराब करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है।

टाउन पुलिस थाना में 4 नामजद और 3 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। जानकारी के अनुसार सुरेन्द्र कुमार (39) पुत्र ओमप्रकाश बिश्नोई निवासी वार्ड नंबर 5, गांव मैनावाली ने मुकदमा दर्ज करवाया कि उसकी चक 5 एमडब्लयूएम बी में 7 बीघा कृषि जमीन है। शंकरलाल पुत्र रामजस और मोहित बिश्नोई निवासी जोरावरपुरा उसकी जमीन हड़पना चाहता है। उनसे परेशान होकर उसने लखूवाली पुलिस चौकी में प्रार्थना पत्र पेश किया। तब पुलिस की ओर से इन लोगों को पाबंद किया गया था। इस दौरान पीड़ित ने एसपी को भी प्रार्थना पत्र भी सौंपा। एसपी ने हनुमानगढ़ टाउन पुलिस को वह प्रार्थना पत्र भेज दिया।

पीडित ने बताया कि पुलिस के पाबंद करने के बाद भी 22 नवंबर की शाम करीब 4 बजे शंकरलाल, मोहित, श्रवण, हजारी और 3 अन्य लोग 2 ट्रैक्टर लेकर उसके खेत में घुस गए और खड़ी नरमा की फसल खराब कर दी। उसने उनको रोकने की कोशिश की लेकिन आरोपियों ने उसे और उसके परिवार के लोगों को धमकी दी कि अगर बीच में आए तो जान से मार देंगे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच लखूवाली पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई सोहनलाल सांखला को सौंपी है।

वोटर हैल्पलाइन ऐप के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जोड़ने संबंधी प्रशिक्षण दिया

- **वोटर हैल्पलाइन ऐप के माध्यम से फॉर्म 6 और 6 ब भरने संबंधी प्रशिक्षण दिया**
- **मतदाता सूची को आधार से लिंक करना बताया**

बीकानेर, (कासं)। मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम एसएसआर के तहत गुरूवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की महिला पर्यवेक्षकों की कार्यशाला जिला परिषद सभागार में आयोजित की गई।

इस अवसर पर जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा स्वीप प्रकोष्ठ प्रभारी नित्या के. ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों की समस्त लाभान्वित महिलाओं और किशोरियों का नाम मतदाता सूचियों में पात्रता के आधार पर प्राथमिकता से जोड़ा जाए। महिला पर्यवेक्षक अपने अधीनस्थ समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों की कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को वोटर हैल्पलाइन ऐप के माध्यम से मतदाता के रूप में पंजीकरण का प्रशिक्षण दें।

उन्होंने कहा कि एसएसआर के तहत 8 दिसम्बर तक प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र के माध्यम से जागरूकता की विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाए। इस दौरान मतदाता

मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में महिला पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण को जिला परिषद सीईओ नित्या के. ने संबोधित किया।

सूचियों को आधार कार्ड से लिंक करवाने के बारे में भी बताया जाए। स्वीप के सहायक नोडल अधिकारी और सहायक निदेशक जनसंपर्क हरिशंकर आचार्य ने बताया कि स्वीप गतिविधियों के माध्यम से प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक एसएसआर की जानकारी पहुंचाई जा रही है। बाल विकास परियोजना अधिकारी शक्ति सिंह कच्छावा ने कहा कि आईसीडीएसए ग्राम स्तर तक कार्यरत विभाग है। इसका प्रत्येक कार्मिक निर्वाचन संबंधी कार्य में पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। जिससे त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार की जा सकें। इस अवसर पर स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर डॉ. सुरेन्द्र राठी तथा डॉ वाई. बी. माथुर ने वोटर हैल्पलाइन ऐप के माध्यम से फॉर्म 6 और 6 ब भरने संबंधी प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला का संचालन जिला परिषद के आईईसी कोऑर्डिनेटर गोपाल जोशी ने किया। इस दौरान पवन खत्री, परमनाथ सिद्ध, गोपाल शर्मा आदि मौजूद थे।

देवीदत्त ने अपना जीवन खादी के लिए समर्पित किया : कल्ला

बीकानेर, (कासं)। स्वतंत्रता सैनानी एवं खादी ग्रामोद्योग प्रतिष्ठान के भूतपूर्व मंत्री स्व. देवीदत्त पंत की मूर्ति का अनावरण समोराह गुरूवार को डॉ. करणी सिंह स्टेडियम के सामने स्थित खादी ग्रामोद्योग प्रतिष्ठान उत्पति केन्द्र के प्रांगण में रखा गया।

समारोह में मुख्य अतिथि जनार्दन कल्ला तथा विशिष्ट अतिथि इंदुभूषण गोयल, आलम सिंह नेगी, जवाहर लाल सेठिया, स्व. देवीदत्त पंत के पुत्र रमेश देवीदत्त पंत एवं कर्नल भूपेन्द्र पंत तथा खादी प्रतिष्ठान के मंत्री बलवंत सिंह रावत ने स्व. देवीदत्त पंत की मूर्ति का अनावरण किया। समारोह में अतिथियों को सूत की माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर जनार्दन कल्ला ने कहा कि आज खादी स्व. देवीदत्त पंत की ही देन है। पंत ने अपना सारा जीवन खादी के लिए समर्पित कर दिया। खादी के माध्यम से उन्होंने हजारों लोगों को रोजगार का साधन उपलब्ध कराया। जनार्दन कल्ला ने स्वतंत्रता सैनानी पंत के आजादी संग्राम के योगदान को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि वह देवीदत्त पंत को पिता स्वरूप

खादी ग्रामोद्योग केन्द्र में स्वतंत्रता सैनानी देवीदत्त पंत की मूर्ति का अनावरण वरिष्ठ कांग्रेस नेता जर्नादन कल्ला ने किया।

मानते थे। समारोह में इंदुभूषण गोयल और रमेश देवीदत्त पंत ने भी स्व. पंत की जीवनी पर प्रकाश डाला। अंत में खादी प्रतिष्ठान के मंत्री बलवंत सिंह रावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन भगवती प्रसाद पारीक ने किया। इस मौके पर सुरेन्द्र सिंह भाटी, अमरचंद, श्रीकृष्ण व्यास, झंवरलाल पन्नू, गिरधारी कूंकणा, ओमप्रकाश डूडी, प्रभुदास स्वामी, भंवरलाल चंदन, सरोज भाटी, डॉ. पारस भाटी, डॉ. समर घोसाल, जामगदनय, पम्मी घोसाल, कुसुम पंत्त, राजेन्द्र सिंह नेगी, कांति कुमार कोचर, रणजीत ङ्क्षसह, गुलाब सिंह, जगदीश वर्मा, मांगीलाल, सुरेन्द्र कुमार पंवार, मोहन कड़ेला, गोविंद राम, बलवीर ङ्क्षसह, भंवरलाल एवं कतिन बुनकर आदि मौजूद रहे।

पांड्या एक 'नेचुरल लीडर' है। वह आपको इस बात की इजाजत देते है कि आप जैसा चाहे वैसा खेले। और उन्होंने आईपीएल में गुजरात टाइटंस की खिताबी जीत में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। - डेविड मिलर

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज, हार्दिक पांड्या के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जोफ्रा आर्चर

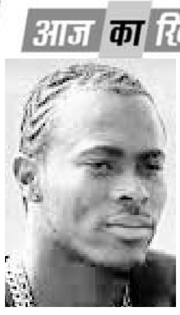

एमआई केपटाउन ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को अगले साल जनवरी से शुरू हो रहे एसए-20 लीग के उद्घाटन सत्र के लिए वाइल्डकार्ड के रूप में अनुबंधित करने की बुधवार को घोषणा की। लंबे समय से कोहनी की समस्या के कारण आर्चर ने मार्च 2021 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है जिसके बाद पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर हो गया था। वह बुधवार को अबुधाबी में इंग्लैंड की मुख्य टीम के खिलाफ एक मैच में इंग्लैंड लायंस के लिए खेले। आर्चर को मुंबई इंडियंस ने पिछली आईपीएल नीलामी में आठ करोड़ रुपये में अनुबंधित किया था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

डी कॉक ने कहा, युवा खिलाड़ियों के लिये महत्वपूर्ण होगी एसए-20

जोहान्सबर्ग, 24 नवंबर। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने गुरुवार को कहा कि स्वदेश में होने वाली फ्रेंचाइजी लीग एसए20 जैसा बड़ा टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों के विकास के लिये महत्वपूर्ण साबित होगा। डी कॉक ने दक्षिण अफ्रीका की नयी टी20 लीग के बारे में कहा, यह एक नया टूर्नामेंट है, इसलिए मुझे लगता है कि कुछ अप्रत्याशित देखने को मिलेगा। हमारे पास ऐसे कई टूर्नामेंट हैं लेकिन हाल-फिलहाल में कोई आयोजन नहीं हुआ है। जाहिर है, यह काफी बड़ा आयोजन है। मुझे लगता है कि यह लीग स्थानीय फ्रेंचाइजी प्रणाली की बड़ी घटनाओं में से एक होगी। उन्होंने कहा, बहुत सारे युवा जो बड़े टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होते हैं, वे इसमें शामिल होंगे। इसलिए यह नये लोगों के लिये अच्छा होगा और निश्चित रूप से उन लोगों के लिये जो लंबे समय से क्रिकेट खेल रहे हैं। इसी बीच, केशव महाराज ने कहा कि यह उनके लिये नये चेहरों के साथ खेलने का और उनसे सीखने का अवसर होगा। डर्बन सुपर जायंट्स के लिये खेलने वाले महाराज ने कहा, मैं कुछ नये चेहरों के साथ कंधे से कंधा मिलाने की उम्मीद कर रहा हूं। कुछ टी20 विशेषज्ञों से खेल के बारे में अधिक सीखने की उम्मीद है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं मैदान पर और बाहर नयी दोस्ती बना रहा हूं और विशेष रूप से अपने गृहनगर डरबन में खेल रहा हूं। उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका की घरेलू फ्रेंचाइजी लीग एसए20 का आयोजन 10 जनवरी से किया जायेगा। इस लीग में एमआई केप टाउन, डर्बन सुपर जायंट्स, पार्ल रॉयल्स, प्रिटोरिया कैपिटल्स, सनराइजर्स ईस्टर्न केप और जोबर्ग सुपर किंग्स सहित कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं।

विश्व टीम शतरंज : फ्रांस को हराकर भारत अंतिम चार में

यरूसलम, 24 नवंबर। भारत ने टाईब्रेकर तक चले मुकाबले में फ्रांस को पराजित करके फिडे विश्व टीम शतरंज चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले दोनों मुकाबलों में दोनों टीम बराबरी पर रही जिसके बाद ब्लिट्ज टाईब्रेकर का सहारा लिया गया जिसमें भारत ने 2.5- 1.5 के अंतर से जीत दर्ज की। भारत की जीत के नायक निहाल सरीन और एस एल नारायणन रहे जिन्होंने क्रमशः जूल्स मौसर्ड और लॉरेंट फ्रेसिनेट को हराया। भारत के शीर्ष खिलाड़ी विदित गुजराती ने फ्रांसीसी स्टार मैक्सिम वाचियर लाग्रेव को 45 चाल में बराबरी पर रोका जबकि के शशिकिरण को मैक्सिमे लेगार्ड ने 55 चाल में पराजित किया। ऐसे में सरीन और नारायणन की जीत से भारत आगे बढ़ने में सफल रहा। सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला उज़्बेकिस्तान से होगा। उज्बेकिस्तान ने यूक्रेन को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। इससे पहले शुरुआती मुकाबले में गुजराती ने लाग्रेव को जबकि नारायणन ने फ्रेसिनेट को हराया। सरीन और शशिकिरण ने अपनी बाजियां ड्रा खेली जिससे भारत ने यह मुकाबला 3-1 से जीता। फ्रांस ने हालांकि दूसरे मुकाबले में इसी अंतर से जीत दर्ज करके मैच को टाईब्रेकर तक खींचा। दूसरे मुकाबले में लाग्रेव ने गुजराती को जबकि फ्रेसिनेट ने नारायणन को हराया। सरीन और शशिकिरण ने फिर से अपनी बाजियां ड्रा खेली। अन्य मुकाबलों में स्पेन ने अज़रबैजान और चीन ने पोलैंड को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां यह दोनों टीम आमने-सामने होंगी।

मैच फिक्सिंग के आरोपों की जांच के लिये श्रीलंका ने मार्शल को आमंत्रित किया

कोलंबो, 24 नवंबर। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने संसद में लगे मैच फिक्सिंग के आरोपों की जांच के लिये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार-विरोधी इकाई के अध्यक्ष एलेक्स मार्शल को आमंत्रित किया है। श्रीलंका क्रिकेट ने यहां जारी बयान में कहा, आईसीसी के एक पूर्ण सदस्य के रूप में श्रीलंका क्रिकेट यह मानता है कि उपरोक्त सांसद द्वारा हाल ही में लगाये गये आरोपों के आलोक में कार्रवाई का यह सही तरीका है। इसने श्रीलंका क्रिकेट और उसके हितधारकों की प्रतिष्ठा को भारी नुकसान पहुंचाया है। श्रीलंकाई सांसद नलिन बंदारा ने पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच जुलाई में खेले गये पहले टेस्ट में मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया था। पाकिस्तान ने इस टेस्ट में 342 रन का लक्ष्य हासिल करके दो मैचों की शृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली थी। बंदारा ने इसी माह संसद में कहा था, पिछली पाकिस्तान शृंखला में हमारी टीम ने करीब 400 रन बनाये थे और फिर भी आखिरी पारी में हार गये। पिच पर रोलर चलाने वाले व्यक्ति सहित सभी लोगों को पैसे दिये गये हैं। (श्रीलंका क्रिकेट) बोर्ड जुआरियों का अड्डा बन गया है। बंदारा ने हालांकि अपने आरोप के लिये कोई सबूत नहीं दिया था। बंदारा ने इस भाषण के दौरान एसएलसी के कथित कुप्रबंधन पर रोशनी डालने के अलावा बोर्ड अध्यक्ष शमी सिल्वा के साथ अपने झगड़े की बात भी कही थी। आईसीसी की भ्रष्टाचार-विरोधी इकाई आमतौर पर अपनी जांच को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करती है, और उसने इस मैच के संबंध में भी कोई बयान जारी नहीं किया है।

कोरिया ने उरुग्वे को ड्रॉ पर रोका

अल रैयान, 24 नवंबर। दक्षिण कोरिया ने शानदार डिफेंस के दम पर गुरुवार को फीफा विश्व कप 2022 के ग्रुप-एच मुकाबले में उरुग्वे को ड्रॉ पर रोककर एक और हैरतंगेज नतीजे को अंजाम दिया। दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे और 28वीं रैंकिंग की दक्षिण कोरिया ने शून्य गोल के ड्रॉ के बाद एक-एक अंक अर्जित किया।

एजुकेशन सिटी स्टेडियम पर खेले गये मैच में उरुग्वे के डिफेंडर डिएगो गोडिन और मिडफील्डर फेडेरिको ने गोल के लिये प्रयास किये लेकिन बॉल नेट तक नहीं पहुंच सकी और 41,663 दर्शकों के सामने मैच 0-0 के स्कोर पर समाप्त हुआ।

उरुग्वे के कप्तान गोडिन ने प्रथम हाफ की समाप्ति से ठीक पहले हेडर मारा लेकिन बॉल गोलपोस्ट के बाएं पोल पर जा लगी। दूसरी ओर, वालवर्डे ने आधिकारिक समय के आखिरी मिनट में बॉल को नेट तक पहुंचाने का प्रयास किया लेकिन बॉल गोलपोस्ट के ऊपरी बार पर जा लगी।

अपनी बाईं आंख के फ्रैक्चर को ढकने के लिये ब्लैक मास्क पहनकर खेल रहे सॉन ह्यूंग-मिन ने दक्षिण कोरिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। उनके साथी ंग उई-जो दक्षिण अफ्रीका का खाता खोलने वाले थे लेकिन उन्होंने गोल के बेहद करीब आकर बॉल को पोस्ट से ऊंचा मार दिया।

कनाडा की विश्वकप में वापसी यादगार नहीं बनने दी बेल्जियम ने

अल रेयान, 24 नवंबर। मिकी बात्सुयाइ के पहले हॉफ के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की मदद से बेल्जियम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं करने के बावजूद कनाडा को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता में अपने अभियान की जीत से शुरुआत की।

कनाडा 36 साल बाद विश्वकप में भाग ले रहा है। उसने अच्छे प्रयास किए लेकिन बात्सुयाइ के 44वें मिनट में किए गए गोल से उसकी वापसी यादगार नहीं बन पाई। विश्व में दूसरे नंबर की टीम बेल्जियम किसी भी समय अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई। उसके गोलकीपर थिबाउट कौरटोइस ने अगर शुरू में पेनल्टी नहीं बचाई होती तो परिणाम इसके उलट भी हो सकता था।

बेल्जियम के लिए जीत के अलावा मैच में जश्न मनाने वाली कोई अन्य चीज नहीं रही। यहां तक कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक केविन डी ब्रूएन भी अपने और टीम के प्रदर्शन से निराश थे। जब उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया तो वह इस फैसले पर भी हैरान थे। डी ब्रूएन ने कहा," मुझे नहीं लगता कि मैंने अच्छा खेल दिखाया। मैं नहीं जानता कि मुझे यह ट्रॉफी क्यों दी गई। मुझे लगता है कि मेरे नाम के कारण मुझे यह पुरस्कार मिला।" बेल्जियम की उम्रदराज टीम को कुछ अवसरों पर कनाडा ने कड़ी चुनौती दी। कनाडा ने विश्वकप के इतिहास में अब तक जो चार मैच खेले हैं वह उन सभी में गोल करने में नाकाम रहा है। उसने 1986 के विश्वकप में तीन मैच खेले थे जिनमें वह गोल नहीं कर पाया था।

कनाडा ने शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया जिसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उसने गोल पर 21 शॉट जमाए जबकि बेल्जियम नौ शॉट ही जमा सका। कनाडा के इन शॉट में उसके स्टार खिलाड़ी अल्फोंसो डेविस का पेनल्टी पर लिया गया शॉट भी शामिल है जिसे बेल्जियम के गोलकीपर ने रोक दिया था। कनाडा के पास विश्वकप में गोल करने का यह सबसे सुनहरा मौका था जो उसने गंवा दिया। कनाडा के कोच जॉन हेर्डमैन ने अपने खिलाड़ियों के बारे में कहा, "उन्होंने दिखाया कि वह इस स्तर पर खेलने के लिए तैयार है और इस स्तर के खिलाड़ी हैं।" मैच का निर्णायक पल 44वें मिनट में आया जब बेल्जियम ने बढ़त हासिल की। तब हालांकि डी ब्रूएन का थ्रो या ईडन हजार्ड का पास अच्छा नहीं था लेकिन कनाडा की रक्षा पंक्ति छितर गई जिसका फायदा उठाकर बात्सुयाइ ने गोल दाग दिया। बेल्जियम के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने स्वीकार किया कि छह साल पहले कोच पद संभालने के बाद यह उनकी टीम का सबसे खराब प्रदर्शन था।

स्विट्जरलैंड 1-0 से जीता एम्बोलो के गोल से हारा कैमरून

अल वकराह, 24 नवंबर। स्विट्जरलैंड ने कैमरून में जन्मे ब्रील एम्बोलो के गोल की बदौलत गुरुवार को फीफा विश्व कप 2022 के ग्रुप-जी मुकाबले में कैमरून को 1-0 से मात दी। एम्बोलो ने दूसरे हाफ के तीसरे मिनट में गोल जमाकर स्विट्जरलैंड को ग्रुप तालिका के शीर्ष पर पहुंचाया। विश्व कप में 20 साल बाद अपनी पहली जीत तलाश रही कैमरून ने इससे पहले मुकाबले पर पकड़ बना रखी थी, लेकिन एम्बोलो का गोल स्विस टीम की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

एम्बोलो का जन्म कैमरून की राजधानी यॉन्डे में हुआ था लेकिन उनका परिवार पहले फ्रांस, और फिर स्विट्जरलैंड में जा बस गया था। एम्बोलो के गोल के बाद अल जनूब स्टेडियम में मौजूद मुट्ठी भर स्विस समर्थक जश्न में झूम उठे, हालांकि 25 वर्षीय फुटबॉलर इस जश्न में शामिल नहीं हुए। लगातार 10वीं हार के बाद विश्व कप में कैमरून का खराब सफर जारी रहा। अफ्रीकी देश ने 1990 विश्व कप में डियेगो माराडोना की अर्जेंटीना को हराकर बड़ा उलटफेर किया था लेकिन उसके बाद यह किसी करिश्मे को अंजाम नहीं दे सके हैं। इस मैच के शुरुआती हिस्से में हालांकि कैमरून की जीत की संभावना ज्यादा लग रही थी। ब्रायन एम्बेउमो ने मैच के 10वें मिनट में गोल का प्रयास किया जिसे स्विस गोलकीपर यान सोमर ने इसे रोक दिया। इसके बाद कार्ल टोको-एकांबी ने भी कैमरून को बढ़त दिलाने का प्रयास किया लेकिन बॉल नेट के ऊपर से निकल गयी।

मैच का पहला हाफ समाप्त होने तक स्विस टीम ने सिर्फ एक असफल मौका बनाया था, लेकिन दूसरे हाफ में प्रवेश करते ही उन्होंने बढ़त बना ली। ज़रदान शाकिरी ने 48वें मिनट में दाईं ओर से क्रॉस दिया, जिसे एम्बोलो ने कैमरून के नेट में पहुंचा दिया। एम्बोलो ने अपनी टीम को बढ़त दिलाने के बाद जश्न के लिये हाथ हवा में उठाये, हालांकि उन्होंने फौरन ही हाथ नीचे भी कर लिये। इस जीत के साथ स्विट्जरलैंड तीन अंक हासिल करके ग्रुप-जी के शीर्ष पर आ गयी है। स्विस टीम का अगला मुकाबला ब्राज़ील से होगा, जबकि कैमरून को सर्बिया का सामना करना है।

बेल्जियम की विदेश मंत्री ने विश्वकप के दौरान पहना 'वन लव' आर्मबैंड

दोहा, 24 नवंबर। बेल्जियम की विदेश मंत्री हद्जा लहबीब ने कनाडा के खिलाफ अपने देश के विश्व कप मैच के दौरान जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो से मुलाकात की तो उस समय उन्होंने 'वन लव' आर्मबैंड (बांह की पट्टी) पहन रखा था। लहबीब की बुधवार को एक तस्वीर सामने आई जिसमें उन्होंने रंगीन आर्मबैंड पहन रखा है। इस तरह के आर्मबैंड को विविधता में एकता का प्रतीक माना जाता है। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने बेल्जियम सहित सात यूरोपीय देशों के कप्तानों को इस तरह का आर्मबैंड पहनने से रोक दिया था। वे विश्वकप के मेजबान कतर के मानव अधिकारों के खराब रिकॉर्ड की निंदा करने के लिए इसे पहनना चाहते थे। लहबीब ने ट्विटर पर एक तस्वीर पोस्ट की है जिसमें उन्होंने अपनी बायीं बांह पर यह आर्मबैंड पहन रखा है। फीफा ने यूरोप के सात फुटबॉल महासंघों को चेतावनी दी थी अगर उनके खिलाड़ियों ने इस तरह का आर्मबैंड पहना तो उन्हें सजा दी जाएगी।

सर्बिया के खिलाफ उलटफेर से बचना चाहेगा ब्राजील

दोहा, 23 नवंबर। ब्राजील के दिग्गज खिलाड़ी नेमार ने विश्व कप में पहुंचने के बाद से सार्वजनिक रूप से एक शब्द भी नहीं बोला है और इससे टूर्नामेंट को लेकर उनके इरादे जाहिर होते है। विश्व कप का खिताब छठी बार जीतने के इरादे से यहां पहुंची ब्राजील की टीम गुरुवार को देर रात ग्रुप जी में सर्बिया के खिलाफ अपने अभियान को शुरू करेगी।

FIFA WORLD CUP Qatar2022

पेरिस सेंट जर्मन के स्टार दिग्गज नेमार ने जब कतर के लिए रवाना हो रहे थे तब उनके कपड़े पर ब्राजील की टीम लोगो (प्रतिक चिह्न) में पांच की जगह छह सितारे थे। ब्राजील के अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ी रिचारलिसन ने कहा ,"यही (विश्व कप का छठा खिताब) हमारा सपना है। नेमार ने वह तस्वीर पोस्ट की क्योंकि यह उनका भी सपना है। वह इसे जीतना चाहते है और हम जानते हैं कि वह इसे जीतने के लिए कितना इच्छुक है। वह जो चाहे कर सकता है। अगर नेमार यहां खुश हैं तो हम भी खुश होंगे। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है।"

विश्व कप में ब्राजील का अभियान काफी हद तक नेमान के फॉर्म और प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। नेमार 2018 विश्व कप के बाद से चोटों से परेशान रहे है। टीम उनकी मौजूदगी में पिछले विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम से हार गयी थी। ब्राजील के कप्तान थियागो सिल्वा ने कहा, " हमें नेमार की इस बेहतरीन लय का फायदा उठाने की जरूरत है।"

ब्राजील के कोच टिटे को अपने सभी खिलाड़ियों को शुरुआती मैच के लिए उपलब्ध रखना चाहिए। नेमार ने ब्राजील के लिए 75 गोल किये हैं और महान खिलाड़ी पेले के रिकॉर्ड से वह दो गोल पीछे हैं। इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने के लिए उनके लिए विश्व कप से बेहतर जगह और क्या हो सकती है।

सर्बिया स्वतंत्र देश के तौर पर चौथी बार विश्व कप में भाग ले रहा है जहां उसकी कोशिश पहली बार ग्रुप चरण से आगे बढ़ने की होगी। सर्बिया की इस टीम मे 2015 में अंडर 20 विश्व कप जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी है। तब टीम ने फाइनल में ब्राजील को ही हराया था।

रूट ने आईपीएल नीलामी के लिये नाम दर्ज करवाया

मुंबई, 24 नवंबर। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 सीजन से पहले होने वाली नीलामी में अपना नाम दर्ज करवाया है। क्रिकबज़ ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रूट इंग्लैंड के लिये 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 35.72 की औसत से 893 रन बना चुके हैं लेकिन मई 2019 के बाद से उन्होंने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान रूट ने डेली मेल अखबार को दिये गये हालिया साक्षात्कार में कहा था कि टेस्ट कप्तानी छोड़ने के बाद उनका कार्यभार कम हुआ है और अब वह टी20 में भी अपनी संभावनायें तलाशेंगे। रूट ने इससे पहले 2018 की आईपीएल नीलामी में भी अपना नाम दर्ज किया था।

डेली मेल ने रूट के हवाले से कहा था, मैं आईपीएल नीलामी में जाने पर विचार करूंगा और मुझे टूर्नामेंट में मौका मिलने की उम्मीद है। बयान में कहा गया था, संन्यास लेने, धीमा होने या कम प्रारूप खेलने के बारे में मेरे मन में कोई विचार या भावना नहीं है। कुछ भी हो, मैं अपने समय के साथ थोड़ी अधिक स्वतंत्रता महसूस करता हूं। मुझे हमेशा टी20 सीरीज के दौरान आराम मिलता था और मुझे लगता है कि मैं प्रारूप से अलग हो गया क्योंकि मैंने इसे पर्याप्त नहीं खेला। आप यह महसूस कर सकते हैं कि आप पीछे छूट गये हैं। अब अगले कुछ साल यह पता लगाने का अच्छा समय हो सकता है कि मैं उस प्रारूप में अपने खेल के कितनी दूर ले जा सकता हूं। उल्लेखनीय है कि एकदिवसीय विश्व कप 2023 की मेजबानी भारत को दी गयी है।

स्पेन को हराकर क्रोएशिया डेविस कप के सेमीफाइनल में

मलागा, 24 नवंबर। अनुभवी खिलाड़ी मारिन सिलिच ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीन घंटे तक चले मुकाबले में स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्टा को पराजित करके क्रोएशिया को डेविस कप टेनिस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचाया। सिलिच ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में वापसी की लेकिन निर्णायक सेट के टाईब्रेकर में एक समय वह 1-4 से पीछे चल रहे थे। सिलिच ने यहीं पर अपने अनुभव का इस्तेमाल किया और 5-7, 6-3, 7-6 (5) से जीत दर्ज करके क्रोएशिया को स्पेन पर 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई। इससे पहले बोर्ना कोरिच ने पहले एकल मैच में रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट को 6-4, 7-6 (4) से उलटफेर का शिकार बनाकर क्रोएशिया को बढ़त दिलाई थी। क्रोएशिया की डेविस कप में स्पेन पर यह पहली जीत है।

रोमांचक मैच में पुर्तगाल ने घाना को 3-2 से हराया

16 मिनट में दोनों टीमों ने चार गोल दागे

दोहा, 24 नवंबर। पुर्तगाल ने ठुप-एच के मुकाबले मेंघाना को 3-2 से हरा दिया। इस रोमांचक मैच में हाफ-टाइम तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकी थीं। पांचों गोल दूसरे हाफ में आए। 65वें मिनट में पुर्तगाल के कप्तान रोनाल्डो ने मैच का पहला गोल दागा और इतिहास रच दिया। वह फीफा वर्ल्ड कप के पांचवें संस्करण में गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए।

इसके बाद 73वें मिनट में घाना की ओर से कप्तान आंद्रे एयू ने गोल दाग घाना की वापसी कराई। हालांकि, 78वें मिनट में जोआओ फेलिक्स और 80वें मिनट में राफेल लियाओ ने गोल दाग पुर्तगाल को 3-1 से आगे कर दिया।

89वें मिनट में घाना के ओसमान बुकारी ने गोल दाग घाना को मैच में वापस लाने की कोशिश की। इंजरी टाइम में पुर्तगाल के गोलकीपर डिओगो कोस्टा ने बड़ी गलती की। वह गेंद छोड़ चुके थे, तभी घाना के खिलाड़ी विलियम्सन ने उनसे गेंद छीन ली, लेकिन पुर्तगाल के डिफेंडर्स की सूझबूझ के चलते गोल नहीं कर सके। इस गलती पर रोनाल्डो ने भी सर पकड़ लिया था। हालांकि, गोल नहीं होने पर उन्होंने राहत की सांस ली। ऐसे में पुर्तगाल की टीम घाना को हराने में कामयाब रही। इस जीत के साथ पुर्तगाल की टीम ग्रुप-एच में तीन अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गई है। वहीं, उरुग्वे और कोरिया रिपब्लिक के एक-एक अंक हैं। घाना की टीम सबसे नीचे चौथे स्थान पर है।

तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच आज

न्यूजीलैंड दौरे से विश्व कप 2023 की तैयारी शुरू करेगा भारत

ऑकलैंड, 24 नवंबर। भारतीय क्रिकेट टीम शिखर धवन की कप्तानी में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला के पहले मुकाबले में शुक्रवार को एकदिवसीय विश्व कप 2023 की तैयारी शुरू करेगी। भारत में होने वाले विश्व कप में 12 माह से भी कम का समय रह गया है और मेज़बान होने के नाते प्रतियोगिता के लिये क्वालीफाई कर चुकी भारतीय टीम इसी शृंखला के साथ अपनी एकादश को मूर्तरूप देने में व्यस्त हो जायेगी। यही कारण है कि टी-20 और टेस्ट टीम से बाहर रहने वाले 36 वर्षीय धवन को शृंखला के लिये कप्तानी सौंपी गयी है।

बाएं हाथ के अनुभवी बल्लेबाज विश्व कप के 10 मैचों में 53.7 की औसत से 537 रन बना चुके हैं और अगले आयोजन के लिये भी बतौर ओपनर भारत की पहली पसंद होंगे। धवन ने हालांकि पिछली कुछ एकदिवसीय शृंखलाओं में संघर्ष किया है और अगर वह न्यूजीलैंड के विरुद्ध अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते, तो टीम प्रबंधन युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को भी ओपनर बनाने पर विचार कर सकता है।

गिल ने इस वर्ष 50 ओवर के क्रिकेट में 75.71 की औसत और 107.50 की स्ट्राइक रेट से 530 रन बनाये हैं। इस सीरीज में इसी तरह का प्रदर्शन उन्हें विश्व कप में सलामी बल्लेबाज की भूमिका का दावेदार बना सकता है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, लोकेश राहुल, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह जैसे बड़े खिलाड़ियों को भले ही इस शृंखला से आराम दिया गया है, लेकिन भारत के पास इनके विकल्प परखने का सुनहरा अवसर है। श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत और संजू सैमसन जहां टीम के मध्यक्रम को संबल देंगे, वहीं दीपक हुड्डा बल्ले से योगदान देने के साथ-साथ टीम के छठे गेंदबाजी विकल्प भी साबित हो सकते हैं। भारत के पास वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर के रूप में ऐसे गेंदबाज हैं जो बल्लेबाजी में गहराई प्रदान करते हैं। इस सीरीज में तेज गेंदबाज उमरान मलिक के एकदिवसीय पदार्पण करने की भी संभावना है।

दूसरी ओर, आईसीसी की शीर्ष वनडे टीम न्यूजीलैंड ने भी मार्टिन गप्टिल के स्थान पर फिन ऐलन को एकदिवसीय टीम का सलामी बल्लेबाज बनाकर विश्व कप की तैयारियों का अंदेशा दे दिया है। टी20 सीरीज 1-0 से हारने वाले ब्लैक कैप्स 50 ओवर वाली श्रृंखला जीतकर दोबारा लय हासिल करना चाहेंगे। तीसरे टी-20 से बाहर रहने के बाद कप्तान केन विलियम्सन भी टीम में वापस आ गये हैं, और उनके साथ विकेटकीपर टॉम लैथम न्यूजीलैंड के मध्यक्रम को मजबूती प्रदान करेंगे। साथ ही तेज गेंदबाज मैट हेनरी को भी एकदिवसीय टीम में तलब किया गया है। ऑकलैंड के ईडन पार्क की बाउंड्री छोटी होने के कारण पहले वनडे में बड़ा स्कोर बनने की संभावना है।

सुंदर-हुड्डा की स्पिन जोड़ी न्यूजीलैंड के चार बाएं हाथ के बल्लेबाजों को चुनौती दे सकती है, जबकि यह भारतीय बल्लेबाजी को गहराई भी देंगे। भारत ने अपने पिछले पांच में से चार वनडे मुकाबले जीते हैं, जबकि न्यूजीलैंड को पिछले पाच में से तीन मुकाबलों में हार मिली है।

हमारी तैयारियां विश्व कप पर केंद्रित : धवन

ऑकलैंड, 24 नवंबर। न्यूजीलैंड एकदिवसीय शृंखला के लिये भारत के कप्तान शिखर धवन ने गुरुवार को कहा कि यह सीरीज अगले साल स्वदेश में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप 2023 की तैयारी पर केंद्रित है। धवन ने पहले वनडे की पूर्व संध्या पर यहां संवाददाताओं से कहा, हमारी तैयारी विश्व कप पर केंद्रित है। युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हमें इस बात का अंदाजा है कि कौनसे खिलाड़ी विश्व कप टीम का हिस्सा होंगे। भारत ने तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला के लिये रोहित शर्मा, विराट कोहली और भुवनेश्वर कुमार जैसे बड़े खिलाड़ियों को आराम दिया है, जबकि धवन को टीम की कमान सौंपी गयी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 12 महीने से भी कम समय में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के लिये टीम को मूर्तरूप देने पर विचार कर रहा है और यह युवा खिलाड़ियों के लिये अपनी क्षमता साबित करने का एक अच्छा अवसर है।

द्विपक्षीय श्रृंखलाओं को अधिक प्रासंगिक बनाने की जरूरत : विलियम्सन

ऑकलैंड, 24 नवंबर। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि अत्याधिक क्रिकेट खेला जाना हाल में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे श्रृंखला के दौरान दर्शकों की कम उपस्थिति का कारण हो सकता है और स्टेडियमों में प्रशंसकों को आकर्षित करने के लिए द्विपक्षीय श्रृंखलाओं को अधिक प्रासंगिक बनाना होगा। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच हाल की वनडे श्रृंखला में बहुत कम दर्शक स्टेडियम में पहुंचे। इनमें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया अंतिम मैच भी शामिल है। यह श्रृंखला इंग्लैंड के टी20 विश्व कप जीतने के चार दिन बाद ही शुरू हो गई थी। विलियमसन ने भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा," यह देखना दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन इससे पता चलता है कि कितनी अधिक क्रिकेट खेली जा रही है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आईसीसी के टूर्नामेंट लोकप्रिय है और काफी क्रिकेट खेली जा रही है। ऑस्ट्रेलिया में विश्वकप भी हुआ था, इसलिए वहां काफी क्रिकेट खेली गई।"

'यह तो अशोक गहलोत का पुअर डिफैंस व फेस सेविंग है'

डॉ. सतीश पूनिया ने यह भी कहा, गहलोत की बात से लगता है कि, पार्टी की लड़ाई और विखराव को ढकने के लिए उन्होंने एक कुतर्क का सहारा जरूर लिया है

- 'ये तो सियासी आरोप हैं, मैं भी कह सकता हूँ कि अशोक गहलोत ने सरकार बचाने के लिए कितने अनैतिक काम किए होंगे। इसलिए इन सियासी आरोपों का कोई मतलब नहीं।'
- पूनिया ने कहा, पायलट अपनी मर्ज़ी से अलग हुए। वो हमारे विधायक नहीं थे। उनके पी.सी.सी. चीफ थे। हमने उनको नहीं भेजा। ना उकसाया, ना आमंत्रित किया। कोई अपनी पार्टी से टूटकर जाना चाहे तो क्या करें।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 24 नवम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को गद्दार कहने और पायलट समर्थक विधायकों को सरकार गिराने के लिए 10-10 करोड़ रुपए भाजपा मुख्यालय से पहुंचाए जाने के आरोपों को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने सिरे से खारिज किया है।

सतीश पूनिया ने एनडीटीवी को दिये इंटरव्यू में साफ कहा कि भाजपा से सचिन पायलट का कोई लेना-देना नहीं है। ये कांग्रेस का भीतरी झगड़ा है। उसके दोषी हम कैसे हो सकते हैं? वर्ष 2018 में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद राजस्थान में खुलकर नारे लगे थे, "हमारा मुख्यमंत्री कैसा हो...सचिन पायलट जैसा हो।" राजभवन में भी दो-दो मुख्यमंत्रियों के नारे लगे थे, वह नारे भाजपा ने थोड़े ही लगवाए थे। गहलोत के आरोपों में कोई दम नहीं है। हम पायलट से न कभी मिले, ना बात की। ना पहले जरूरत थी, ना आज है। भाजपा को तो आरोप लगाने का माध्यम अशोक गहलोत ने अपने बचाव के लिए बना लिया है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस की पुरानी फिल्म सामने आ गई है। फिल्म का नाम है-गद्दार कौन ? गहलोत ने अपने इंटरव्यू में आरोप लगाया है कि भाजपा के लोग राजस्थान में सरकार गिराने के षड्यंत्र में शामिल थे। लेकिन अभी कांग्रेस यह तय नहीं कर पाई गलती किसने की, सजा किसको होगी। राजस्थान की जनता 4 साल से भुगत रही है। सचिन पायलट, भाजपा के नहीं, बल्कि उनके खुद के पीसीसी चीफ और डिप्टी सीएम थे। अशोक गहलोत भूल जाते हैं कि वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में उनको मैंडेट नहीं था। कांग्रेस की 99 सीट थीं। 13 निर्दलीय और 6 बसपा विधायकों को उन्होंने मर्ज किया।

भाजपा हेडक्वार्टर से पायलट समर्थक विधायकों को पैसा पहुंचाए जाने के आरोपों पर सतीश पूनिया ने कहा कि, "ये तो सियासी आरोप हैं, मैं भी कह सकता हूँ कि अशोक गहलोत ने सरकार बचाने के लिए कितने अनैतिक काम किए होंगे। इसलिए इन सियासी आरोपों का कोई मतलब नहीं है। राजस्थान की जनता और कांग्रेस आलाकमान जानता है कि किसका कंडक्ट कैसा था? यह तो अशोक गहलोत का पूअर डिफेंस और फेस सेविंग है। मुझे लगता है कांग्रेस ने कुर्सी बचाने के लिए क्या-क्या अनैतिक काम किया होगा। लेकिन उसका मेरे पास कोई सबूत नहीं है। राजनीति में चलती-फिरती बात की कोई तवज्जो नहीं है। गहलोत की बात से लगता है कि पार्टी की लड़ाई और बिखराव को ढकने के लिए उन्होंने एक कुतर्क का सहारा जरूर लिया है। मुझे इसमें सियासी दम नजर नहीं आता है।"

क्या भाजपा नेता, सचिन पायलट और विधायकों से नहीं मिले? इस सवाल पर सतीश पूनिया ने कहा कि "क्यों मिले होंगे, क्या कारण है ? पायलट अपनी मर्जी से अलग हुए। वो हमारे विधायक नहीं थे। उनके पीसीसी चीफ थे। हमने उनको नहीं भेजा। ना उकसाया, ना आमंत्रित किया। कोई अपनी पार्टी से टूटकर जाना चाहे तो हम क्या करें।

भाजपा मुख्यालय से कैश भेजे जाने के सवाल पर पूनिया ने कहा कि कोई अंधा आदमी भी इस आरोप को स्वीकार नहीं करेगा। अशोक गहलोत जिस तरह की सियासत करते हैं, वो इस तरह के आरोप हमेशा लगाते हैं, जिनका कोई आधार और तर्क नहीं होता है। वह केवल उनके अपने फ्रस्टेशन और निराशा को जाहिर करने का एक तरीका है कि बीजेपी के माथे पर ठीकरा फोड़ा जाए।।"

नेता प्रतिपक्ष गुलाब चन्द कटारिया ने भी गहलोत पर तंज कसते हुए मीडिया में बयान दिया कि प्रदेश में जिस तरह का बखेड़ा चल रहा जिसके बाद बड़ा उलट फेर होने वाला है। गहलोत तो सी एम का पद कभी भी नहीं छोड़ेंगे, अगर छोड़ेंगे तो पायलट के पक्ष में तो कभी भी नहीं छोड़ेंगे, "चाहे इससे पार्टी टूटे या डूबे वे इस सीमा तक भी जा सकते हैं।" उन्होंने आगे कहा इस पूरे मामले में बीच का रास्ता नहीं निकल सकता है कि सी एम गहलोत, सी.पी. जोशी को सी.एम. पद पर बिठा दें। ताकि गहलोत के काम भी चलते रहे।

उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने भी इस मामले में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत का अपने प्रतिद्वंद्वियों को नकारा, निकमा और धोखेबाज कहना "एस.ओ.पी. है। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री कहते हैं कि उनके पास सबूत है कि सरकार को गिराने के लिए 10-10 करोड़ रुपये दिये गये थे। इसमें भाजपा शामिल थी तो मुख्यमंत्री इतने समय तक चुप क्यों थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के सहयोगी महेश जोशी ने चार-चार एफआईआर दर्ज की थी, "इन एफआईआर की जांच आगे क्यों नहीं बढ़ी। अगर मुख्यमंत्री इस मामले से जुड़े हुए हैं तो इस मामले की जांच सी.बी.आई. को क्यों नहीं दे देते?"

उन्होंने कहा कि सी एम का यह बयान मुख्यमंत्री का फ्रस्टेशन दर्शाता है शायद मुख्यमंत्री को आला कमान से जाने का नोटिस मिल गया है, इसलिए यह सब हो रहा है।

उदयपुर के दो रियल एस्टेट कारोबारियों पर इन्कम टैक्स की रेड

इन्कम टैक्स विभाग ने अंकुर एवं एक्मे ग्रुप के कुल 37 ठिकानों पर एक साथ रेड की, तलाशी अभी भी जारी है

- सौ करोड़ रू. से ज्यादा सम्पत्तियों के दस्तावेज जब्त किए गए हैं और आठ किलो से ज्यादा सोने के जेवरात और 1 करोड़ रू. से ज्यादा का कैश मिला है।

उदयपुर, 24 नवम्बर (कासं)। उदयपुर में दो रियल एस्टेट कारोबारियों पर इनकम टैक्स की रेड में बड़ी मात्रा में नकदी और जेवरात मिले हैं। इनकम टैक्स की टीम ने 100 करोड़ से ज्यादा संपत्तियों के दस्तावेज जब्त कर उनकी जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी अनुसार अंकुर और एक्मे ग्रुप के कुल 37 ठिकानों पर फिलहाल सर्चिंग जारी है। इस समूह के पार्टनर के साथ ही समूह के मालिक के करीबी कर्मचारियों से भी पूछताछ चल रही है। सूत्रों की मानें तो यह कार्रवाई शुक्रवार तक चल सकती है। विभाग द्वारा हरेक संबंधित व्यक्ति से गहन पूछताछ के बाद उसे क्रॉस चेक भी किया जा रहा है। पूछताछ में निर्मल जैन, रमेश जैन और कालूलाल जैन से इन संपत्तियों के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं मिले हैं। टीम को अब तक कार्रवाई में आठ किलो से ज्यादा सोने के जेवरात और 1 करोड़ से अधिक का नकद मिला है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक्मे समूह के निर्मल जैन, रमेश जैन, अनिल चित्तौड़ा, रॉयल के अशोक जैन, भूपेंद्र जैन, अनीश धींग, बंशीलाल सुहालका, पंकज जैन सहित इनसे जुड़े करीब 40 लोगों से लंबी पूछताछ चल रही हैं। गुरुवार सुबह से चल रही कार्रवाई में राजस्थान के कई शहरों के साथ ही मुंबई के कई बड़े प्रोजेक्ट में निवेश किए जाने से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। कालूलाल जैन और उसके सहयोगियों के 17 से ज्यादा अघोषित लॉकर भी सामने आए हैं। दोनों ग्रुप के कारोबारियों द्वारा उदयपुर के रामी रॉयल रिसोर्ट समेत एक दर्जन रिसोर्ट में भी निवेश की बात सामने आई है। सॉफ्ट स्टोन कारोबार में इन्वेस्टमेंट के साथ ही मोटे ब्याज पर लोगों को ऋण देने की फाइल भी मिली है। बड़ी प्रॉपर्टी के दस्तावेजों की जांच हो रही है। जयपुर के साथ ही राजस्थान के कई शहरों की इनकम टैक्स की टीम इसमें शामिल हैं।

टीम हवाला के पैसों से खरीदी गई जमीनों के दस्तावेजों की जांच कर रही है। यही नहीं टीम आय के बारे में भी विस्तार से जानकारी ले रही हैं। उदयपुर में इन समूहो के पास एक हजार करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी हैं। उदयपुर के सवीना में रहने वाले कालूलाल जैन की 500 करोड़ रूपए से ज्यादा की जमीनें हैं। काया, बलीचा, तितरडी और नेला में भी उनकी प्रॉपर्टी है। ऋषभदेव में 2 मार्बल माइंस और क्रेशर गट्टी के प्लांट भी हैं।

वहीं निर्मल जैन का उदयपुर में हाउसिंग फाइनेंस का काम ज्यादा है। निर्मल का सवीना में एक्मे रियल एस्टेट का कारोबार है। नेला में उनकी सर्वाधिक जमीन है। हालांकि लंबे समय से उनका कई लोगों से निवेश को लेकर विवाद चल रहा है। कालूलाल जैन के जरिए ही निर्मल और रमेश ने प्रॉपर्टी में निवेश किया था। लोगों को वक्त पर रिटर्न नहीं मिलने से यह आपसी विवाद चल रहा है। मूल रूप से सराड़ा क्षेत्र के रहने वाले भूपेन्द्र जैन भी बढ़ी जमीनों के सौदों में कालूलाल और निर्मल के साथ शामिल हैं।

मु.मंत्री बड़ा दिल रखें, इस्तीफा दें, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शर्मा जैसे दिवंगत हो चुके विधायकों को भी कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। इससे उनके परिवार पर क्या बीत रही होगी ?

राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान को अब विधायक दल की बैठक करवानी चाहिए, क्योंकि आलाकमान ने जो नोटिस दिए थे, न तो उन पर कार्रवाई हुई, उल्टा मुख्यमंत्री इस तरह से बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत निकम्मा, नकारा ,गद्दार वह सब कुछ बोलते रहते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि सचिन पायलट से बेहतर राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की सेहत के लिए कोई भी अच्छा नहीं हो सकता है।

उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भले ही यह दावा कर रहे हैं कि पायलट के पास 10 विधायक नहीं हैं। उन्हें मैं बता दूं कि उनके साथ होटल में रहे 102 विधायकों में से आज भी पायलट के साथ चार्टर प्लेन में चार विधायक मध्य प्रदेश गए हैं, एक मैं खड़ा हूं। ऐसे में मुख्यमंत्री गलत बोल रहे हैं।

गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री अगर इतने आश्वस्त हैं तो फिर काउंटिंग क्यों नहीं करा लेते हैं, 80 फीसदी एमएलए सचिन पायलट के साथ नहीं हो तो हम दावेदारी छोड़ देंगे। मुख्यमंत्री पैसे लेने वालों में जिसका नाम निकाल रहे हैं, उनमें से 5 लोग तो उनकी कैबिनेट में हैं। उनको क्यों बैठा रखा है, अब बार बार उनको गद्दार क्यों बोल रहे हो ,क्या इन 19 लोगों को टिकट नहीं दोगे। गुढ़ा ने कहा कि कांग्रेस विधायक कांग्रेस आलाकमान के साथ हैं। कांग्रेस आलाकमान के आशीर्वाद से सब एमएलए बने, उनके आशीर्वाद से ही मंत्री और मुख्यमंत्री हैं। अगर कांग्रेस छोड़ते हैं तो यह विधायक अपने दम पर गांव के सरपंच नहीं बन सकते, नगरपालिका और निगम में पार्षद भी नहीं बन सकते। यह नेता विधायक इसलिए बनकर बैठे हैं क्योंकि कांग्रेस हाईकमान का इन्हें आशीर्वाद है।

दूसरी ओर अशोक गहलोत समर्थक निर्दलीय विधायक और मुख्यमंत्री के सलाहकार बने हुए संयम लोढ़ा ने कहा कि आज भी 101 विधायक अशोक गहलोत के साथ है और अशोक गहलोत पूरे 5 साल मुख्यमंत्री रहेंगे। मंत्री रामलाल जाट की मौजूदगी में सिरोही के कार्यक्रम में लोढ़ा ने कहा कि मंत्री ने आज यहां इतनी उपलब्धियां गिनाई है, वह सब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कारण है। उन्होंने कहा कि मैं अखबारों में पढ़ता हूं, आपके ही कुछ सहयोगी बातें करते रहते हैं कि मुख्यमंत्री बदलो, परिवर्तन करो। अरे भाई आपकी पार्टी ने तो अभी अभी चुनाव के जरिए अध्यक्ष का फैसला किया है तो फिर से हाथ खड़े करवा देते है।"

गहलोत की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"अपने युवा सहयोगी सचिन पायलट के साथ अपने जो भी मतभेद उन्होंने बताए हैं, उन्हें पार्टी में इस तरह से सुलझाया जाएगा जिससे पार्टी को पार्टी को मजबूती मिलेगी।"

उन्होंने कहा कि अभी हरेक कांग्रेसी कार्यकर्ता का कर्तव्य है कि पहले से ही बड़े पैमाने पर सफल हो रही भारत जोड़ो यात्रा को उत्तर भारतीय राज्यों में और ज्यादा असरदार बनाया जाए।

मांगें नहीं मानीं गईं तो राहुल गांधी की यात्रा रोकेंगे: विजय बैंसला

गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति राहुल की यात्रा रोकने पर अडिग

- इससे पहले विजय बैंसला झालावाड़ रूट पर भारत जोड़ो यात्रा का मार्ग देखकर आए हैं। वे देख रहे हैं कि यात्रा को किस जगह पर रोका जा सकता है।
- बैंसला ने कहा है कि, सरकार का अब केवल एक साल बचा है। अगले 3 महीने बाद ब्यूरोक्रैसी मंत्रियों की और सरकार की बात मानना बंद कर देगी। इसके बाद हमारा समझौता फिर अटक जाएगा।

कोटा, 24 नवम्बर (निसं)। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा रोकने पर अडिग है। गुरुवार को आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला कोटा पहुंचे। इससे पहले वह झालावाड़ रूट पर भारत जोड़ो यात्रा का मार्ग देखकर आए हैं। वे यह पता लगा रहे हैं कि यात्रा को किस जगह पर रोका जा सकता है। कोटा में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी गई तो वे राहुल गांधी की यात्रा रोकेंगे। हालांकि विजय बैंसला ने यह नहीं बताया कि वे किस जगह पर यात्रा को रोकेंगे और उनका विरोध का तरीका किस तरीके का होगा। लेकिन उनके एक साथी ने कहा है कि यात्रा मध्य प्रदेश और राजस्थान के बॉर्डर पर ही झालावाड़ में रोकी जाएगी और जब तक मांगे नहीं मानी जाती तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

विजय बैंसला ने कहा कि राजस्थान सरकार हमारी भावनाओं को ठेस पहुंचा रही है 4 साल पहले जो समझौता हुआ था उसे अभी तक लागू नहीं किया गया है। हम नई मांगे नहीं कर रहे, पुराने समझौते को लागू करने की ही बात कर रहे हैं। जब बैंसला से यह पूछा गया कि आप पर यह आरोप लग रहे हैं कि आप यह सब भाजपा के पक्ष में और सचिन पायलट के विरोध में कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि यह कोई पॉलिटिकल स्टैंड नहीं है । समाज के हित में बात की जा रही है। इसमें से पॉलिटिक्स हट जानी चाहिए। जब उनसे यह पूछा गया कि क्या विरोध हाडोती में होगा तो उन्होंने कहा कि विरोधी राजस्थान में किया जाएगा।

बैंसला ने कहा कि जब भिड़ंत होगी राहुल गांधी की यात्रा में विघ्न होगा इसके बाद सरकार बात करेगी तो इसका मतलब है कि सरकार यह खुद चाहती है। हमने पिछले 4 सालों में सीएमओ से लेकर विधायक स्तर तक हर जगह बात की है।

बैंसला ने कहा है कि सरकार को अब केवल 1 साल बचा है । अगले 3 महीने बाद ब्यूरोक्रेसी मंत्रियों की और सरकार की बात मानना बंद कर देगी। इसके बाद हमारा समझौता फिर अटक जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सचिन पायलट को सीएम बनाने की मांग वह पहले भी कर चुके हैं। यह केवल अकेली मेरी मांग नहीं है यह समाज का सैंटीमैंट है। समाज बड़े स्तर पर प्रभुत्व चाहता है। हमारी संख्या यहां पर 7 प्रतिशत है।

'जिसके पास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हूं। राजस्थान में सरकार आना जरूरी है। मैं तीन बार सीएम रह चुका। मेरे लिए सीएम रहना जरूरी नहीं है। आप सर्वे करवा लीजिए कि मेरे मुख्यमंत्री रहने से सरकार आ सकती है तो मुझे रखिए। अगर दूसरे चेहरे से सरकार आ सकती है तो उसे बनाइए। नया चेहरा सरकार रिपीट नहीं करवा सकता और सचिन पायलट को स्वीकार नहीं कर सकते।"

सचिन पायलट के साथ अदावत पर गहलोत बोले कि "जब 2009 में लोकसभा चुनाव में राजस्थान से 20 सांसद जीते तो मुझे दिल्ली बुलाया गया। राजस्थान से मंत्री बनाने के बारे में मुझसे पूछा गया। सचिन पायलट को जानकारी है, मैंने पायलट को केंद्र में मंत्री बनाने की सिफारिश की थी। उस समय वसुंधरा राजे की सरकार में 70 गुर्जर मारे गए थे, यहां गुर्जर-मीणाओं में झगड़ा था। बाद में मेरे पास सचिन पायलट का फोन आया था कि मेरी सिफारिश कीजिए, जबकि मैं तो पहले ही सिफारिश कर चुका था। जिस आदमी के दिल में प्यार होगा, तभी तो वह नौजवान की सिफारिश करेगा।

राजस्थान में 25 सितंबर की घटना को लेकर भी गहलोत ने सचिन पायलट के सिर ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि 25 सितंबर को पायलट की वजह से माहौल बिगड़ा। मुझे कोई टेंशन नहीं है। थाड़े बहुत मतभेद सब जगह होते हैं, 25 सितंबर को बगावत नहीं हुई थी। वर्ष 2019 में बगावत हुई थी, 34 दिन होटलों में रहे। पच्चीस सितंबर को 90 लोग इकट्ठे हुए, ये वे लोग थे, जिन्होंने सरकार बचाने में सहयोग किया, वर्ना सरकार बच नहीं सकती थी।

बिना हाईकमान कोई सीएम सरकार बचा ही नहीं सकता। कांग्रेस का कोई मुख्यमंत्री ऐसा नहीं है जो हाईकमान के बिना विधायकों का समर्थन ले ले। जिसने पार्टी के साथ गद्दारी की, गद्दारी किए हुए आदमी को हमारे विधायक कैसे स्वीकार कर सकते हैं। उस दिन भी एक बात फैलाई गई कि पायलट को सीएम बनाया जा रहा है। पायलट ने खुद ऐसा व्यवहार किया कि वे सीएम बनने जा रहे हैं। उन्होंने कई विधायकों को फोन किए कि पर्यवेक्षक आ रहे हैं, उन्हें यह कहना है। इस हालात में एमएलए को यह भ्रम हो गया कि पायलट विधायक दल की बैठक के दूसरे दिन ही शपथ ले रहे हैं। इसलिए 90 विधायक इकट्ठे हो गए थे। वे सब निष्ठावान हैं और हाईकमान के साथ हैं।

गहलोत ने कहा कि मानेसर में पायलट के साथ बगावत करने वाले विधायक गए थे। जिस रिसोर्ट में मध्यप्रदेश के विधायकों को ठहराया गया था, उसी में पायलट समर्थक विधायकों को रोका गया था। हम उम्मीद नहीं कर सकते थे कि पार्टी का अध्यक्ष अपनी ही पार्टी की सरकार गिराने के लिए विपक्ष से मिला हुआ है। इतिहास में आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ। इसी वजह से विधायक पायलट का नाम सुनते ही नाराज थे।

गहलोत ने कहा कि मानेसर जाकर आने के बाद यदि वो माफी मांग लेते तो मुझे माफी नहीं मांगनी पड़ती। माहौल बदल जाता, वो नौजवान हैं, यह नौबत नहीं आती। पायलट माफी मांग लेते तो 25 सितंबर की घटना ही नहीं होती। विधायक दल का नेता होने के कारण मेरी मॉरल ड्यूटी थी, वह बैठक नहीं हो सकी, इसलिए मैंने माफी मांगी।

पायलट और समर्थक विधायकों को साइडलाइन करने के आरोप को खारिज करते हुए गहलोत बोले कि सवाल ही पैदा नहीं होता। उनके सपोर्टर सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि सब काम होते हैं। पायलट समर्थक विधायक अजय माकन को अकेले में कह चुके हैं कि मुख्यमंत्री की तरफ से कोई शिकायत नहीं है, जो मांगते हैं, वह काम करते हैं। वापस आने के बाद से अच्छा बर्ताव किया, कोई भेदभाव नहीं किया।

इस सवाल पर कि आपके कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरने की तैयारी थी। सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद आपने नामांकन नहीं भरा। इस बात पर गहलोत बोले कि यह हमारा अंदर का मामला है इस बारे में मैं कुछ नहीं बोल सकता।

राहुल गांधी की दाढ़ी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले, मोदी ने अपनी दाढ़ी को स्वतंत्र रूप से बढ़ने दिया, जिस पर मीडिया ने टिप्पणी की थी कि वे गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे दिखाई देना चाहते हैं।

विशिष्ट हेयर कट तथा दाढ़ी की स्टाइल परम्परागत रूप से पॉप स्टारों, वैज्ञानिकों, लेखकों तथा बुद्धिजीवियों से सम्बद्ध रहे हैं। जब स्वर्गीय ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भारत के राष्ट्रपति बन गये थे, तब अखबारों के कार्टूनिस्टों ने उनके लम्बे बालों को अपने मन चाहे अंदाज में दिखाया था। सार्वजनिक जीवन में "इमेज मेकओवर" आम चीज है। जब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी "विकास पुरुष" के रूप में प्रोजैक्ट किये जा रहे थे, तो उनके फोटो ज्यादातर डिजायनर कुर्तों तथा जैकिटों में खींचे जाते थे, जो उनके व्यक्तित्व की पहचान बन गये थे, उसके साथ एकाकार हो गये थे।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री "नेहरू जैकिट" पहना करते थे तथा कोट के काज में एक गुलाब लगाया करते थे। पूर्व प्रधानमंत्री वी.पी.सिंह अधिकांशत: कश्मीरी टोपी पहने दिखाई देते थे। स्टाइल संबंधी ऐसे बयान, जैसे दाढ़ी बढ़ाना- को महानता का सार्वभौमिक पासपोर्ट नहीं माना जा सकता। दोस्तोव्स्की तथा टॉल्सटॉय दाढ़ी रखते थे लेकिन एल्बर्टो कामू या जीन पॉल क्लीन-शेव रहते थे। विनोबा भावे दाढ़ी रखते थे, किन्तु महात्मा गांधी, राम मनोहर लोहिया या सरदार पटेल क्लीन शेव थे। राहुल के संदर्भ में, राजनैतिक रणनीतिकार दिलीप चेरियन ने बड़ी रोचक बात कही है: "दाढ़ी तभी मददगार होती है, जब इसके साथ ही जमीनी कार्य (ग्राउण्ड वर्क) भी हो। चुनाव जीतने के मामले में, केवल दाढ़ी ही पर्याप्त नहीं हो सकती।"

चुनाव आयोग की नियुक्तियों पर फैसला सुरक्षित

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को जब चुनाव आयोग की नियुक्तियों के मुद्दे का परीक्षण किया और नियुक्ति प्रक्रिया पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया, तब यह भी पूछा कि अरूण गोयल को चुनाव आयुक्त नियुक्त करने की इतनी जल्दी क्या थी। केन्द्र ने हालांकि कोर्ट की टिप्पणियों का जोरदार विरोध और एटॉर्नी जनरल आर. वैंकटरमानी ने कहा कि इस मुद्दे को गहराई से देखना चाहिए। 5 जजों की संविधान पीठ जिसके प्रमुख जस्टिस के.एम. जोसफ हैं, ने केन्द्र सरकार से प्राप्त गोयल की नियुक्ति की मूल फाइल को ध्यान से पढ़ा और पूछा "ये कैसा इवैलुएशन है। हम गोयल की विश्वसनीयता पर नहीं बल्कि प्रक्रिया पर सवाल कर रहे हैं।"

'सचिन पायलट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे थे। तो पीछे से बाजार में मौजूद युवाओं ने जमकर मुख्यमंत्री मुर्दाबाद, सचिन पायलट आई लव यू के नारे लगाए, जिसे देखकर यकायक बाजार में सन्नाटा सा छा गया और प्रशासन देखता ही रह गया। एक तरह से कहा जाए तो जब ये लोग बाजार में मुख्यमंत्री मुर्दाबाद और सचिन पायलट आई लव यू के नारे लगा रहे थे तो वहां पुलिस कर्मी भी नजर नहीं आए। इस दौरान अलीपुरा सरपंच हीरा सिंह गुर्जर का कहना था कि जब सचिन पायलट प्रदेश अध्यक्ष थे तो उस समय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था कि युवा मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

युवाओं को रोजगार दिया जाएगा, लेकिन यहां श्री महावीरजी में इस महोत्सव कार्यक्रम के कारण मंदिर कमेटी की ओर से सब्जी वाले, हाथ ठेला की मजदूरी करने वाले सब को हटा दिया है। उन्हे बेघर कर दिया है। क्या उन लोगों को जीने का अधिकार नहीं है। उन्हें रोजगार करने का अधिकार नहीं है। ग्रामीण हरिओम का कहना है कि युवा मुख्यमंत्री होता तो 18 घंटे काम करता, युवाओं को रोजगार देता। महावीर जी में मंदिर कमेटी ने सब्जी विक्रेता, ठेला वालों को हटा दिया है, जो कि गलत है।

मु.मंत्री ने श्रीमहावीरजी में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के विचारों को धारण किया। इन्हीं विचारों से ही देश में स्वतन्त्रता आंदोलन प्रेरित हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तीर्थ स्थल महावीरजी के विकास के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। श्री महावीरजी में गत वर्षो से शिक्षा, चिकित्सा,स्वच्छता सहित अन्य क्षेत्रों मे उत्कृष्ट प्रबन्धन के साथ मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विकास किया गया है। भगवान श्रीमहावीरजी के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने पंचकल्याणक व महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम की स्मारिका का भी विमोचन किया।

समारोह में पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह, ग्रामीण विकास व पंचायतराज मंत्री रमेश मीणा, सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव, हिण्डौन विधायक एवं पूर्व मंत्री भरोसीलाल जाटव, करौली विधायक एवं

- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरूवार को करौली के महावीरजी में पंचकल्याणक महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि, पंचकल्याणक महोत्सव का झण्डारोहण कर शुभारम्भ करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है।

गहलोत ने मन्दिर परिसर में बनाए गए म्यूज़ियम की सराहना करते हुए कहा कि विशिष्ट शैली में निर्मित इस म्यूजियम में बहुत ही सुन्दर मूर्तियों की स्थापना की गई है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भगवान महावीर की 24 फीट ऊंची प्रतिमा की स्थापना पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने महामस्तकाभिषेक व पंचकल्याणक महोत्सव के ध्वजारोहण के पश्चात मंदिर में डांग विकास बोर्ड अध्यक्ष लाखन सिंह, सवाईमाधोपुर विधायक दानिश अबरार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संभागीय आयुक्त भरतपुर सांवरमल वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक भरतपुर गौरव श्रीवास्तव, जिला कलैक्टर करौली अंकित कुमार सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक करौली नारायण टोगस सहित प्रशासनिक अधिकारी व भारी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

हाई कमान को आभास था, भारत जोड़ो यात्रा का अगला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैसे राजनैतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में होकर टेढ़े-मेढ़े रास्तों से गुजरना होगा, जहाँ कांग्रेस का बहुत कुछ दाँव पर लगा हुआ है।

संक्षिप्त किन्तु उल्लेखनीय रूप से पुष्ट समाचार के अनुसार, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी आज सुबह उस समय अपने भाई राहुल गांधी के नेतृत्व वाली यात्रा में शामिल हो गई, जब देश को जोड़ने वाली, नफरत को मिटाने वाली तथा प्रेम का प्रसार करने के मिशन वाली यह यात्रा मध्य प्रदेश से गुजरने के लिये आगे बढ़ गई। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट भी यात्रा में शामिल हो गये। गांधी भाई-बहिन की तस्वीर साझा करते हुये, कांग्रेस के अधिकृत हैन्डल ने हिन्दी में ट्वीट किया, "जब हम साथ-साथ चलेंगे तो हमारे कदम और ज्यादा मजबूत होंगे।" आज गांधी भाई-बहिन के नेतृत्व में, कांग्रेस समर्थकों ने खन्डवा के बोरगाँव से आगे की पदयात्रा शुरू कर दी। खरगोन की तरफ बढ़ने से पूर्व सब लोग सबसे पहले स्वतंत्रता सेनानी तथा आदिवासी दिग्गज टंट्या भील की जन्मस्थली पहुँचे तथा उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। अपनी यात्रा के दौरान, खास तौर से जब राहुल गांधी आदिवासियों को "वनवासी" कहने की बजाय, "आदिवासी" कह कर संबोधित करते हैं तथा इस प्रकार आर.एस.एस. की शब्दावली एवं कांग्रेस के शब्द-चयन के स्पष्ट अन्तर प्रस्तुत कर देते हैं, राहुल के आदिवासी समुदाय पर फोकस के फलस्वरूप भाजपा एवं आर.एस.एस. बौखलाकर हतोत्साहित एवं उत्तेजित हो जाती हैं। राहुल आदिवासियों से कहते हैं कि ये जंगल और जमीन उनके हैं तथा वे ही इनके प्रथम मालिक है तथा जिसका प्रतिवाद करने का निश्चय भाजपा कर चुकी है। इसके प्रतिकार की कार्यवाही के अन्तर्गत, सत्तारूढ़ भाजपा ने कल टंट्या भील के जन्म स्थान से "जन जातीय गौरव यात्रा" शुरु कर दी है। इस पदयात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह तथा चार मंत्री उपस्थित थे। हालाँकि राज्य के भाजपा नेताओं ने इस बात से इंकार किया है कि उनकी यात्रा का उद्देश्य कांग्रेस की पदयात्रा का जवाब देना है तथा यह तर्क दे रहे हैं कि "हम, कांग्रेस की तरह, चुनावों से पहले ही यात्रा नहीं निकालते", लेकिन अनौपचारिक बातचीत में उनका डर साफ जाहिर होता दिखाई देता है।

राहुल गांधी के नेतृत्व वाली इस यात्रा का अगला गन्तव्य राजस्थान है, जहाँ कांग्रेस के लिये एक बड़ा संकट हिलोरें ले रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा शीर्ष कांग्रेस नेता सचिन पायलट के गुटबंदी का झगड़ा एक बार फिर संकटपूर्ण चरम स्थिति पर पहुँच गया है। ज्ञातव्य है कि सचिन पायलट ने 2020 में एक विद्रोह का नेतृत्व किया था, जिसके फलस्वरुप गहलोत सरकार गिरने के कगार पर पहुँच गई थी।

एक सामुदायिक संगठन ने धमकी दे दी है कि अगर पायलट राजस्थान के मुख्यमंत्री नहीं बनाये जाते हैं तो यात्रा में बाधा डाली जायेगी। किन्तु इस कांग्रेस नेता ने स्वयं को इस धमकी से अलग कर लिया है तथा भाजपा पर आरोप लगाया है कि वह "गड़बड़" पैदा करने की कोशिश कर रही है। इस क्षेत्र के राजनैतिक महत्व को पूरी-पूरी मान्यता देते हुये, गांधी ने कल भाजपा पर कड़ा हमला बोला तथा पार्टी पर आरोप लगाया कि उसने कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को गिराने के लिये पार्टी-विधायकों को रिश्वत दी थी, जबकि पार्टी 2018 में राज्य के चुनावों में जीतकर सत्ता में आई थी। उन्होंने बुरहानपुर में कहा, "हमने मध्य प्रदेश चुनाव जीते थे। लेकिन उन्होंने (भाजपा) 20-25 भ्रष्ट विधायकों को करोड़ों रूपये दिये थे और उन्हें खरीद लिया था।"

उन्होंने कहा कि कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा शुरु करने के लिये इसलिये मजबूर हो गई थी, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के शासन में "सारे लोकतांत्रिक रास्ते बंद हैं।" उन्होंने आगे कहा, "लोकसभा, चुनावी रास्ता, प्रैस- इस चीज बंद कर दी गई है। सारी संस्थाएं- आर.एस.एस./भाजपा ने घेर रखी है, उनमें अपने लोग भर दिये हैं। न्यायपालिका दबाव में है। आगे बढ़िये, लोगों को गले लगाइये, किसानों की सुनिये, मजदूरों की, छोटे व्यापारियों की सुनिये तथा उनके साथ हो जाइये।"

राहुल गांधी के नेतृत्व में देश के एकजुट करने के उद्देश्य से संचालित भारत जोड़ो यात्रा ने 77वें दिन जैसे ही यात्रा सोशल मीडिया पर ट्रोल्स का निशाना बन गई।

ट्रोल का बिन्दु राजस्थान की विधायक दिव्या महीपाल मदेरणा का वह फोटो बन गया था, जिसमें वे राहुल गांधी के साथ-साथ चलती दिखाई जा रही हैं तथा राहुल गांधी उनके मस्तक को चूम रहे हैं। ट्रोल्स में वो प्रोफाइल भी शामिल थी, जिनमें कहा गया था कि उनकी भाजपा के प्रति निष्ठा ने, ट्विटर सहित, सोशल मीडिया पर यौन संकेतों के ढ़ेर लगा दिये हैं।

अरूण यादव ने ट्विटर हैन्डल पर अपने मित्रों तथा फॉलोअर्स को इस फोटो का कैप्शन देने के लिये उकसाया। असम के मुख्यमंत्री हेमन्त बिस्वा सरमा ने गुजरात में राहुल की तुलना सद्दाम हुसैन से की। जहाँ एक तरफ, राहुल गांधी का यह मिशन दक्षिणपंथी हिन्दुत्ववादी ताकतों की चुनौतियों का सामना कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ, केन्द्रीय नेतृत्व को दिये गये गहलोत की खुली चुनौती ने भाजपा को एक अवसर प्रदान कर दिया है कि वह उस यात्रा की मजाक उड़ाये, जिसे जनता का अपार समर्थन मिल रहा है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908